Page 11 खेल

लॉईस ओडीआई होगा रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच! भारत-इंग्लैंड...

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09 देश

फडणवीस से मिलने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बढ़ीं अटकलें, जयंत पाटिल की शिंदे से 45...

शुक्ल पक्ष, पूर्व फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • शनिवार • 18 जुलाई 2026 • वर्ष 28 • अंक 226 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,30,650	₹ 2,35,000

आज का इतिहास

2005 : भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू। बुश ने भारत-संयुक्त राज्य नागरिक परमाणु समझौते की घोषणा की, जो कि उनके दो देशों के बीच असैन्य परमाणु सहयोग पर एकतरफा संधि थी।

1947 : भारतीय संसद ने विवश होकर इस देश के स्वाधीनता के क़ानून को पारित किया।

2012 : भारत के पहले सुपर स्टार राजेश खन्ना का निधन हुआ।

1980 : पूर्ण रूप से भारत निर्मित उपग्रह 'रोहिणी-1' पृथ्वी की कक्षा में स्थापित हुआ।

बिहार सरकार ने सर्वम एआई और भारत जीपीटी के साथ किया समझौता

स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकसित होगा स्वदेशी एआई मॉडल : सीएम

- एआई तकनीक से प्रशासन, शिक्षा और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा, बिहार को राष्ट्रीय एआई मॉडल बनाने की तैयारी

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए राज्य की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में आयोजित कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सर्वम एआई और भारतजीपीटी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति में हुए इस समझौते का उद्देश्य बिहार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुशासन को बढ़ावा देना तथा डिजिटल बिहार के संकल्प को नई गति प्रदान करना है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि यह पहल विकसित बिहार के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बिहार की आवश्यकताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित किया जाएगा, जिससे सरकारी सेवाएं अधिक पारदर्शी, त्वरित, सरल और नागरिक-केंद्रित बन सकेंगी। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और रोजगार के नए अवसरों का भी सृजन करेगा। समझौते के तहत राज्य में ऐसी डिजिटल आधारभूत संरचना विकसित की जाएगी, जिससे कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सुविधा आम नागरिकों और सरकारी अधिकारियों तक आसानी से पहुंच सके। साथ ही भारत में विकसित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल और अनुप्रयोगों का उपयोग विभिन्न सरकारी विभागों में किया जाएगा। स्थानीय भाषाओं और बोलियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुसंधान को प्रोत्साहित कर बिहार की स्थानीय समस्याओं के तकनीकी समाधान विकसित किए जाएंगे, जिससे राज्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित प्रशासन का राष्ट्रीय मॉडल बन सके।

राज्य सरकार बड़े पैमाने पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल विकास और क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी संचालित करेगी। सरकारी कर्मचारियों को आधुनिक एआई तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को सहयोग एवं मार्गदर्शन देकर तकनीकी उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाएगा। सरकार का मानना है कि इस पहल से डिजिटल शासन को मजबूती मिलने के साथ-साथ तकनीकी क्षेत्र में रोजगार, अनुसंधान और नवाचार के नए अवसर भी विकसित होंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नीतीश मिश्रा, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह तथा सर्वम एआई और भारतजीपीटी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिहार पुलिस में शामिल हुए 84 नए वाहन, सीएम ने किया लोकार्पण

पटना (नि.सं.)। बिहार में कानून व्यवस्था और पुलिसिंग को अधिक चुस्त-दुरुस्त व सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक बड़ा कदम उठाया गया है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा जिलों एवं बिहार पुलिस मुख्यालय की विभिन्न इकाइयों के लिए क्रय किए गए नए पुलिस वाहनों का विधिवत लोकार्पण किया गया। पुलिस तंत्र को आधुनिक संसाधनों से लैस करने की दिशा में इस कदम को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बिहार पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री द्वारा कुल 84 वाहनों का लोकार्पण किया गया है। इनमें 30 अदद चार पहिया वाहन, 06 अदद एम्बुलेंस और 48 अदद बसें शामिल हैं। इन सभी वाहनों को तत्काल प्रभाव से पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सेवा में लगा दिया गया है, जिससे आपातकालीन स्थितियों और सुरक्षा व्यवस्था में पुलिस की गतिशीलता काफी बढ़ जाएगी। क्रय किए गए इन नए वाहनों को आवश्यकतानुसार बिहार पुलिस की अलग-अलग विंग्स में आवंटित किया गया है।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन शुरू प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

- प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाई
- जींद-सोनीपत के बीच 14 स्टेशनों पर रुकेगी, किराया 5-25 रुपये

एजेंसी | जींद (हरियाणा)

भारत ने स्वच्छ और हरित परिवहन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए शुक्रवार को अपनी पहली हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही भारत हाइड्रोजन ट्रेन संचालित करने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया।

यह ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत रेलखंड पर 89 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। 10 कोच वाली यह ट्रेन 14 स्टेशनों से होकर गुजरेगी और अधिकतम 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से करीब दो घंटे में अपनी यात्रा पूरी करेगी। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसका किराया 5 रुपये से 25 रुपये तक निर्धारित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली यह ट्रेन दुनिया की सबसे लंबी और सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन को भारतीय इंजीनियरों ने डिजाइन किया है और इसका निर्माण भी भारत में ही किया गया है। उन्होंने इसे मेक इन इंडिया और स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह भारतीय रेलवे को पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय रेलवे में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से पहले देश के केवल 30 प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण हुआ था, जबकि अब लगभग 99 प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण पूरा हो चुका है। उन्होंने स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि भारत वर्ष 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हाइड्रोजन ट्रेन चलाने वाला पांचवां देश बना भारत

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- आज का दिन ऐतिहासिक है। भारत ने हाइड्रोजन तकनीक के क्षेत्र में बड़ा संकल्प लिया है और इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। देश अब उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जहां हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का संचालन हो रहा है। जींद में स्थापित हाइड्रोजन प्लांट में हाइड्रोजन से बिजली तैयार की जाती है, जिससे यह ट्रेन संचालित होती है। इस तकनीक की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इससे किसी प्रकार का धुआं या प्रदूषण नहीं फैलता। इसके उत्सर्जन के रूप में केवल पानी की बूंदें और जलवाष्प निकलती हैं, जिससे यह पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल तकनीक मानी जाती है।

हाइड्रोजन ट्रेन कैसे चलती है?

हाइड्रोजन ट्रेन को ऐसे समझिए, जैसे ट्रेन के अंदर ही एक छोटा-सा बिजलीघर लगा हो। इसमें हाइड्रोजन गैस से बिजली बनाई जाती है और उसी बिजली से ट्रेन चलती है।

संक्षिप्त समाचार

नरहट थाना के एसआई वीर प्रकाश सिंह का स्पेशल ब्रांच में तबादला

नरहट (नवादा): नरहट थाना में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर (एसआई) वीर प्रकाश सिंह का तबादला स्पेशल ब्रांच में कर दिया गया है। उनके स्थानांतरण के अवसर पर नरहट थाना परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने की। इस दौरान उन्होंने एसआई वीर प्रकाश सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए उनके कर्तव्यनिष्ठ, अनुशासित एवं जनहितैषी कार्यों की प्रशंसा की तथा स्पेशल ब्रांच में नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में थाना के सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उन्हें अंगवस्त्र एवं फूलमाला पहनकर कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनका अनुभव नई जिम्मेदारी में भी विभाग के लिए उपयोगी साबित होगा।

अंग्रेजी शराब के साथ दो धंधेबाज गिरफ्तार, बाइक जब्त

नरहट (नवादा): नरहट थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अंग्रेजी शराब के साथ दो धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान शराब ढोने में प्रयुक्त एक बाइक भी जब्त कर ली गई। थानाध्यक्ष गौतम कुमार ने बताया कि गुरुवार की रात तारोपुर–गंगटा पथ पर गंगटा गांव के समीप वाहन जांच एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। इसी दौरान एक बाइक पर अंग्रेजी शराब लेकर जा रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से तीन बड़ी बोतल और एक छोटी बोतल, कुल लगभग तीन लीटर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गंगटा गांव निवासी रोहित और गगन के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रोहित ने नीट परीक्षा में सफल होकर प्रखंड व परिवार का बढ़ाया मान

नारदीगंज, नवादा। प्रखंड के ओड़ो पंचायत के सहजपूरा निवासी पूर्व पंचायत समिति स्व.सच्चिदानंद सिंह के पौत्र और रासबिहारी शर्मा का पुत्र रोहित शर्मा नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त की । उन्होंने 3023 रैंक हासिल किया है। रोहित शर्मा ने नीट परीक्षा में सफलता पाकर घर परिवार का मान सम्मान को बढ़ाया है। उसकी इस उपलब्धि को लेकर गांव व स्वजन में खुशी का माहौल बना हुआ है। इस सफलता प्राप्त करने पर शुभचिंतकों ने शुभकामनाएं देकर उज्जवल भविष्य की कामना की है। कहा कि एक ग्रामीण इलाके के प्रतिभावान युवक ने जहां अपने नाम का डंका बजाया है, वही माता पिता व अन्य स्वजन के साथ गांव और प्रखंड को गौरान्वित किया है। वह बचपन से ही मेघावी था। लग्न मेहनत का परिणाम है कि आज यह मुकाम हासिल किया है।

नीट-यूजी में देशभर में चौथा स्थान हासिल कर वारिसलीगंज के आयुष ने बढ़ाया बिहार का मान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- राष्ट्रीय फलक पर वारिसलीगंज एवं बिहार का बढ़ाया गौरव
- वारिसलीगंज का होनहार अब एम्स नई दिल्ली में करेगा एमबीबीएस की पढ़ाई, पूरे जिले में जश्न का माहौल

वारिसलीगंज (नवादा)। नवादा जिले के वारिसलीगंज के होनहार छात्र आयुष भलोटिया ने देश की सबसे प्रतिष्ठित चिकित्सा प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) में शानदार सफलता अर्जित करते हुए ऑल इंडिया रैंक (AIR) 4 हासिल कर पूरे बिहार को गौरवान्वित कर दिया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा घोषित परिणाम में आयुष का नाम शीर्ष रैंकधारियों में शामिल होते ही वारिसलीगंज सहित पूरे नवादा जिले में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि की खबर मिलते ही उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद विवेक ठाकुर, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान सहित कई लोगों ने शोशल मीडिया के माध्यम से तथा परिजनों, रिश्तेदारों, मित्रों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने मिठाइयाँ खिलाकर बधाई देकर इस गौरवपूर्ण क्षण का उत्सव मनाया।

देशभर के लाखों अभ्यर्थियों के बीच आयोजित होने वाली इस कठिन प्रतियोगी परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त करना किसी भी विद्यार्थी के लिए असाधारण उपलब्धि मानी जाती है। आयुष की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और आत्मविश्वास मजबूत हो तो छोटे कस्बों के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने समर्पण, अनुशासन और कठिन परिश्रम के बल पर यह मुकाम हासिल किया।

इस शानदार सफलता के साथ ही आयुष का देश के सर्वोच्च चिकित्सा संस्थानों में शुमार एम्स (AIIMS), नई दिल्ली में एमबीबीएस की पढ़ाई का सपना भी साकार होने जा रहा है। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एम्स नई दिल्ली को देश का सर्वश्रेष्ठ संस्थान माना जाता है और यहां प्रवेश प्राप्त करना लाखों विद्यार्थियों का सपना होता है। आयुष अब इसी प्रतिष्ठित संस्थान में अध्ययन कर अपने चिकित्सा जीवन की नई शुरुआत करेंगे।

आयुष की उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे वारिसलीगंज, नवादा और बिहार को गर्व का अवसर प्रदान किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सफलता क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए नई प्रेरणा बनेगी। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आयुष ने यह संदेश दिया है कि सफलता का रास्ता बड़े शहरों से नहीं बल्कि बड़े सपनों, दृढ़ इच्छाशक्ति और सतत मेहनत से होकर गुजरता है।

आयुष की इस ऐतिहासिक सफलता पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न संस्थाओं ने उन्हें और उनके माता-पिता को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। लोगों ने कहा कि आयुष ने अपनी मेहनत से पूरे जिले का सम्मान बढ़ाया है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का नया अध्याय लिखा है। कई शिक्षकों ने इसे वारिसलीगंज के शैक्षणिक इतिहास की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक बताया। अपनी सफलता पर आयुष भलोटिया ने विनम्रता से कहा कि यह उपलब्धि उनके माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और नियमित अध्ययन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान उन्होंने समय का बेहतर प्रबंधन किया, प्रत्येक विषय पर समान रूप से ध्यान दिया तथा निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाया। उन्होंने कहा कि उनका सपना एक कुशल, ईमानदार और संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करना है।

आयुष के पिता सफल व्यवसाई सुनील कुमारएवं माता किरण देवी ने कहा कि बेटे की सफलता उनके लिए जीवन का सबसे यादगार क्षण है। उन्होंने बताया कि आयुष बचपन से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर, अनुशासित और मेहनती रहा है। परिवार ने उसकी पढ़ाई के लिए हर संभव सहयोग किया और आज उसी का परिणाम पूरे देश के सामने है। उन्होंने अन्य अभिभावकों से भी बच्चों पर अनावश्यक दबाव न डालते हुए उन्हें बेहतर वातावरण और सही मार्गदर्शन देने की अपील की। वारिसलीगंज के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी आयुष की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। कई विद्यालयों में छात्रों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी साझा की। शिक्षकों ने कहा कि आयुष की उपलब्धि जिले के विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करेगी और उन्हें बड़े लक्ष्य निर्धारित कर कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा देगी। आयुष का बड़ा भाई आदित्य आईआईटी से पास आउट होकर विदेश में अच्छा पैकेज में नौकरी कर रहा है। आयुष के चाचा दीपक कुमार के पुत्र अनुकल्प भालोटिया एवं पुत्री अनुष्का भालोटिया भी पढ़ने में काफ़ी तेज है। आयुष के सफलता पर दीपक भालोटिया सहित पूरा परिवार में उत्सव का माहौल है। आयुष के दादा पवन भालोटिया भी अपने पोते के सफलता पर काफ़ी खुश है।

भारत स्काउट गाइड प्रशिक्षण का पांच दिवसीय सोपान का हुआ समापन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

वारिसलीगंजः- बिहार राज्य भारत स्काउट एवं गाइड, वारिसलीगंज प्रखंड के तत्वावधान में रामफल सिंह इंटर विद्यालय, शाहपुर में आयोजित प्रवेश/प्रथम सोपान प्रशिक्षण शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि तथा जिला समन्वयक प्रियंका कुमारी विशिष्ट अतिथि, केंद्रीय विद्यालय पूर्व प्राचार्य विपिन कुमार सिंह चाण्डीनोवा हाई स्कूल के प्रभारी प्रधान विनय कुमार, अपसढ मध्य विद्यालय के प्रधान जितेंद्र कुमार सिंह का विद्यालय के मुख्य द्वार पर कलर पार्टी द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। ऋचा, अस्मिता खुशी ने चंदन तिलक, आरती एवं पुष्पवर्षा कर सभी अतिथियों का कलर पार्टी रीती, नंदनी,लक्मी भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूजा, पुष्पांजलि, गौरी, लीशा, मानसि, अनुष्का एवं पूजा और रिभा के द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति से हुआ।

विद्यालय के प्रधान सुदर्शन कुमार ने स्वागत भाषण देते हुए अतिथियों का शॉल, मोमेंटो एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। प्रशिक्षण शिविर के प्रशिक्षक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त एवं एच.डब्ल्यू.बी. स्काउटर राजीव कुमार ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का सामाजिक, बौद्धिक, चारित्रिक एवं शारीरिक विकास करना है। शिविर के दौरान स्काउट-गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, अनुशासन, प्राथमिक उपचार, पिरामिड निर्माण,प्लास्टिक से दूसप्रभाव,टीम भावना तथा समाज सेवा जैसे महत्वपूर्ण विषयों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

मुख्य अतिथि प्रियंका कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि स्काउट एवं गाइड प्रशिक्षण बच्चों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सेवा भाव, आत्मविश्वास और सच्चे राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करता है। वहीं विनय कुमार ने कहा कि यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अत्यंत उपयोगी है तथा भविष्य में पुलिस, आपदा प्रबंधन, ट्रैफिक व्यवस्था एवं सामाजिक सेवा जैसे क्षेत्रों में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सहायक सिद्ध होता है। समापन समारोह के अवसर पर शारीरिक शिक्षक रितेश कुमार के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं की 10 टोलियों ने फूड फेस्टिवल का आयोजन किया। टोली अमीषा, मनीषा, अनु, अनूप,राशि, फिजा निशा, गोलू, सत्यम अनूप सहित अन्य प्रतिभागियों ने पूरी-सब्जी, खीर, सेवई, पानीपुरी, ब्रेड पकोड़ा, टिकिया चाट सहित विभिन्न व्यंजन तैयार कर अतिथियों एवं उपस्थित लोगों को परोसे, जिसकी सभी ने सराहना की।

कार्यक्रम का सफल संचालन लाइब्रेरियन अमित कुमार ने किया। इस अवसर पर करिश्मा कुमारी, संतु कुमार सहित विद्यालय के सुधांसु कुमार लिपिक नवनीत कुमार, सीमा यादव, वेदप्रकाश रवि कुमार,शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों को सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर पाठ पुस्तक रीजनिंग, समान्य ज्ञान, आदि देकर शुभकामनाएँ दी गईं।

पुस्तक लोकार्पण सह कवि सम्मेलन में जुटे नामचीन कवि और साहित्यकार

मुख्य अतिथि एसडीपीओ राहुल सिंह ने कहा– पुस्तक कवि के हृदय और समाज का दर्पण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हिसुआ। हिन्दी-मगही साहित्यिक मंच शब्द साधक के तत्वावधान में हिसुआ के मनपसंद मैरेज हॉल में कवि अमरेंद्र कुमार पुष्प की काव्य पुस्तक हाँ दीवाना हूँ मैं' का लोकार्पण समारोह सह भव्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि नवादा सदर-02 एसडीपीओ राहुल सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि पुस्तक कवि के हृदय और समाज का दर्पण होती है। इसमें उसकी संवेदनाएं, जीवन-दृष्टि, संघर्ष और समाज की अच्छाइयों-बुराइयों का सजीव चित्रण होता है।

समारोह की अध्यक्षता दीनबंधु तथा संचालन व्यंग्यकार उदय भारती ने किया। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार सच्चिदानंद प्रेमी, प्रो. मनुजी राय और नगर परिषद अध्यक्ष पूजा कुमारी ने साहित्य की भूमिका पर अपने विचार रखे। अमरेंद्र पुष्प ने बताया कि उनकी 144 पृष्ठों की पुस्तक गीत, ग़ज़ल, व्यंग्य और समसामयिक कविताओं का संग्रह है, जिसे उन्होंने अपने माता-पिता को समर्पित किया है।

कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय शायर नवनीत कृष्ण के संचालन में कुमार आर्यण गयावी, जिआउर रहमान जाफरी, एसके सिद्धार्थ, रेजा तस्लीम, सबा रजौलवी, शफी जानी नादां सहित अनेक कवियों ने अपनी प्रभावशाली रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में अतिथियों एवं कवियों को शॉल, पुष्पमाला और पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। बड़ी संख्या में साहित्यकार, शिक्षाविद्, जनप्रतिनिधि, पत्रकार और साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।

वारिसलीगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, साइबर ठगी गिरोह के 8 सदस्य गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- 3विधि विरुद्ध किया गया निरुद्ध
- 13 मोबाइल व कस्टमर डाटा बरामद

वारिसलीगंज (नवादा)। वारिसलीगंज थाना पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आठ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 13 एंड्रॉयड मोबाइल, एक कीपैड मोबाइल तथा विभिन्न कंपनियों का ग्राहकों का कस्टमर डाटा बरामद किया है। पुलिस उपाधीक्षक सूजय विधार्थी ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया की पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पु०नि० सह थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के पैंगरी गांव स्थित सरकारी चापाकल के समीप बगीचे में छापेमारी की गई, जहां से कुल आठ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे विभिन्न कंपनियों के लोन दिलाने के नाम पर लोगों से संपर्क करते थे। ग्राहकों के मोबाइल नंबर और अन्य व्यक्तिगत जानकारी कस्टमर डाटा के माध्यम से प्राप्त कर उनसे ठगी की जाती थी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच पन्नों का कस्टमर डाटा भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रेम कुमार, विनोद मांझी, विश्वकर्मा मांझी, प्रेमचंद राम, प्रशांत कुमार समेत आठ लोगों के रूप में हुई है। इनमें तीन विधि-विरुद्ध बालक भी शामिल हैं। इस मामले में वारिसलीगंज थाना कांड संख्या 496/26, दिनांक 16 जुलाई 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) एवं आईटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक के विरुद्ध पूर्व से भी वारिसलीगंज थाना में आपराधिक मामला दर्ज है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष पंकज कुमार सैनी सहित वारिसलीगंज थाना के कई पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे।

NEET-UG 2026 में नवादा के सर्वेश कुमार ने रचा सफलता का नया इतिहास, 612 अंक और 99.65 पर्सेंटाइलNEET-UG 2026 में जिले के कुंजेला गावं के सर्वेश कुमार ने रचा सफलता का नया इतिहास, 612 अंक और 99.65 पर्सेंटाइल के साथ चमकाया जिले का नाम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर नवादा के होनहार छात्र सर्वेश कुमार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा NEET (UG)-2026में शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। कुंजेला गावं के सर्वेश ने 720 में 612 अंक प्राप्त करते हुए 99.657280 पर्सेंटाइल हासिल की है। वहीं ऑल इंडिया रैंक (OBC-NCL) में 2831वीं रैंक प्राप्त कर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

सर्वेश की इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और पूरे जिले में खुशी का माहौल है। परिणाम घोषित होते ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। शिक्षकों ने इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह सफलता कठिन परिश्रम, नियमित अध्ययन और सही मार्गदर्शन का परिणाम है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्वेश कुमार के पिता दिलीप कुमार पेशे से ग्रामीण चिकित्सक हैं तथा माता संगीता सिन्हा गृहिनी हैं। जीवविज्ञान (बॉटनी एवं जूलॉजी) में 98.859401 पर्सेंटाइल रसायन विज्ञान में 99.8377915 पर्सेंटाइल तथा भौतिकी में 99.0471500 पर्सेंटाइल प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक क्षमता का परिचय दिया।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि सर्वेश शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर रहे हैं। नियमित अभ्यास, समय प्रबंधन और शिक्षकों के मार्गदर्शन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। विद्यालय के निदेशक, प्राचार्य एवं शिक्षकों ने कहा कि सर्वेश की सफलता आने वाली पीढ़ी के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वह आगे चलकर एक सफल चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेंगे।

विद्यालय परिसर में इस उपलब्धि को लेकर उत्साह का माहौल देखा गया। शिक्षकों एवं सहपाठियों ने सर्वेश को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। अभिभावकों ने भी विद्यालय के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण ने उनके पुत्र को इस मुकाम तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

NEET जैसी देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सर्वेश कुमार ने यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर हो और आत्मविश्वास मजबूत हो, तो किसी भी मंजिल को हासिल किया जा सकता है। उनकी यह सफलता नवादा जिले के हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें बड़े सपने देखने तथा उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश देगी।

सरस्वती विद्या मंदिर रजौली के कायाकल्प का भव्य लोकार्पण, तकनीक और संस्कारों के समन्वय को विधायक ने बताया सुंदर समाज का आधार स्तंभ

कार्यक्रम का उद्घाटन करते विधायक व अन्य

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। शिक्षा के क्षेत्र में तीन दशकों से अपनी उत्कृष्ट पहचान बना चुके सरस्वती विद्या मंदिर रजौली के नव-कायांतरित भवन, अत्याधुनिक संगणक कक्ष, स्मार्ट क्लास, प्रधानाचार्य कार्यालय और नवीन कक्षा-कक्षों का शुक्रवार को एक भव्य और गरिमामय समारोह में धूमधाम से उद्घाटन एवं लोकार्पण संपन्न हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक विमल राजवंशी ने अपने उद्बोधन में विद्यालय की गौरवशाली विगत उपलब्धियों की सराहना करते हुए एक सुंदर, शुद्ध और प्रगतिशील समाज के निर्माण में इस संस्थान की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण और अनुकरणीय बताया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक इंद्र नारायण ने सामाजिक एकीकरण और समरसता पर बल देते हुए देश के पांच प्रमुख सकारात्मक परिवर्तनों की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया, वहीं भारती शिक्षा समिति बिहार "गया विभाग" के विभाग निरीक्षक उमाशंकर पोद्दार ने विद्या भारती की व्यापक कार्यप्रणाली की चर्चा करते हुए इसे विश्व का सबसे बड़ा शैक्षिक संगठन बताया और शिक्षा की गुणवत्ता के साथ-साथ व्यवहार कुशलता एवं सुदृढ़ संस्कार प्रणाली को इस संस्था की असली रीढ़ निरूपित किया। स्थापना काल से लेकर अब तक विद्यालय को सींचने वाले प्रबंधकारिणी समिति के समर्पित कार्यकर्ताओं के भावपूर्ण सम्मान से सजे इस समारोह में प्रधानाचार्य धनंजय शर्मा ने आए हुए सभी अतिथियों का परिचय व आत्मीय अभिनंदन किया, जबकि पूरे कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन आचार्य धनंजय पांडे ने किया और अंत में सचिव रंजन कुमार उर्फ बब्लू सिंह द्वारा सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। समारोह में मुख्य ध्यानाकर्षण का केंद्र विद्यालय की बहुचर्चित आचार्या शालिनी एवं संगीत दल द्वारा प्रस्तुत किए गए मनमोहक भजन और वंदना की प्रस्तुतियां रहीं, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय और ऊर्जावान बना दिया, जिसमें विद्यालय के सभी आचार्य गण, समर्पित कर्मचारी गण और प्रबंध समिति के सम्मानित सदस्य गरिमामयी उपस्थिति के साथ एकजुट रहे।

कौआकोल के पाण्डेयगंगौट में दो दिवसीय मड़ही पूजा का शुभारंभ, सांप्रदायिक सौहार्द की दिखी मिसाल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड के पाण्डेयगंगौट गांव में वारिस पिया के अनुयायियों एवं महान संत श्री श्री 1008 नंदबाबा के वार्षिकोत्सव सह दो दिवसीय मड़ही पूजा का शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ शुभारंभ हो गया। पूजा के आरंभ होते ही पूरा गांव भक्तिमय माहौल में डूब गया है। दूर-दराज के जिलों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालुओं और वारसी धर्मावलंबियों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है।आयोजन समिति के सदस्य नारायण स्वामी मोहन ने बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर नंदबाबा एवं महंत बाबा की समाधि पर चादरपोशी, विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन, सूफी भजन, कव्वाली तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पेयजल, रोशनी एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है। मड़ही पूजा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी गंगा-जमुनी संस्कृति और सांप्रदायिक सौहार्द है। समाधि पर चढ़ाई जाने वाली चादर को हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग एक साथ पकड़कर अर्पित करते हैं। इस दौरान धर्म, जाति और संप्रदाय का भेद पूरी तरह समाप्त हो जाता है और सभी श्रद्धालु एक साथ बाबा के दरबार में माथा टेककर सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना करते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, आषाढ़ मास की अठारहवीं तिथि को आयोजित होने वाली इस पारंपरिक मड़ही पूजा में प्रत्येक वर्ष देवा शरीफ सहित देश के विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में वारसी धर्मावलंबी एवं श्रद्धालु शामिल होते हैं। ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से बाबा के दरबार में मन्नत मांगने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी आस्था के कारण हर वर्ष यहां हजारों श्रद्धालु पहुंचकर चादरपोशी करते हैं और अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। पूजा स्थल पर सुरक्षा, साफ-सफाई एवं प्रकाश की विशेष व्यवस्था की गई है। वहीं श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए सूफी भजन,कव्वाली और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया है। दो दिवसीय इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गांव के सभी ग्रामीण सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे स्टेशन पर 12.540 किलो गांजा जब्त, रेल पुलिस ने 2 आरोपियों को पकड़ा, ट्रॉली बैग में छिपाकर रखा था

गया। गयाजी में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नारकोस' के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या-1 से 12.540 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। मौके से 2 आरोपियों को पकड़ा है, जिसमें एक नाबालिग है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित बाजार कीमत 6 लाख 27 हजार रुपए है। जानकारी के अनुसार, आरपीएफ के उपनिरीक्षक रणधीर कुमार के नेतृत्व में एक टीम स्टेशन परिसर में अपराध नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए नियमित गश्त कर रही थी। इस अभियान में आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक, प्रधान आरक्षी, सीपीडीएस के जवान और राजकीय रेल थाना (जीआरपी) के पुलिसकर्मी भी शामिल थे। गश्त के दौरान, टीम ने प्लेटफॉर्म संख्या-1 के हावड़ा छोर स्थित ऊपरी पैदल पुल (एफओबी) के पास दो युवकों को दो ट्रॉली बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में खड़े देखा। उनकी गतिविधियां संदिग्ध लगी, जिसके बाद टीम ने रोककर पूछताछ शुरू की। पूछताछ के दौरान दोनों युवक घबराए हुए दिखाई दिए और उनके जवाब संतोषजनक नहीं थे। संदेह गहराने पर ट्रॉली बैग में रखे सामान के बारे में पूछा गया। दोनों ने स्वीकार किया कि उनके ट्रॉली बैग में गांजा रखा हुआ है, जिसे वे भुवनेश्वर से लेकर आ रहे थे। इसकी सूचना तत्काल वरीय अधिकारियों को दी गई। कुछ ही देर में रेलवे सुरक्षा बल, गयाजी के सहायक सुरक्षा आयुक्त भी घटनास्थल पर पहुंच गए। उनकी मौजूदगी में दोनों ट्रॉली बैगों की विधिवत तलाशी ली गई, जिसमें कुल 12.540 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पूछताछ में गिरफ्तार बालिग युवक की पहचान सन्नी कुमार (19), पिता पिंटू कुमार मिस्त्री, निवासी सैदापुर, थाना नरहट, जिला नवादा (बिहार) के रूप में हुई। वहीं, दूसरा आरोपी नाबालिग है। उपनिरीक्षक रणधीर कुमार के लिखित आवेदन के आधार पर जीआरपी थाना में कांड संख्या-186/26 दर्ज किया गया है। मामले में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 20(b)(ii)(B) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। आरपीएफ के थानाध्यक्ष बनारसी यादव ने बताया कि रेलवे परिसर को नशा तस्करी, अवैध गतिविधियों एवं अपराध से मुक्त रखने के लिए ऑपरेशन 'नारकोस' लगातार चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत रेलवे स्टेशनों, ट्रेनों और संदिग्ध यात्रियों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां आधुनिक तकनीक के साथ-साथ खुफिया सूचनाओं के आधार पर भी कार्रवाई कर रही हैं, जिससे मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

बाइक सवार पति-पत्नी की मौत, एनएच-20 पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

नालंदा। नालंदा में बख्तियारपुर-रजौली एनएच-20 पर तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार पति-पत्नी बीच सड़क पर गिर पड़े। गंभीर हालत में स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। घटना वेना थाना क्षेत्र के डेंटल कॉलेज पैठना फ्लाईओवर की है। मृतकों की पहचान पटना जिले के बेलछी स्थित जोधन बीघा गांव निवासी विजय साव के पुत्र (37) नीतीश कुमार और उनकी पत्नी (30) विनीता देवी के रूप में हुई है। दंपति अपने गांव से बाइक पर सवार होकर मार्केटिंग के लिए बिहार शरीफ आ रहे थे। गांव के पास में ही दंपति ज्वेलरी शॉप चलाते थे। उसी सिलसिले में खरीदारी करने निकले थे, लेकिन रास्ते में हादसे के शिकार हो गए। इस दुखद हादसे में तीन बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया है। पूरे गांव और परिजनों में मातम पसरा हुआ है। सूचना मिलते ही वेना थानाध्यक्ष दिनेश कुमार दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर और बाइक को जब्त कर लिया है। परिजनों की ओर से आवेदन मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध हालत में महिला की मौत, दहेज के लिए जहर पिलाकर मारने का आरोप, सास-ससुर और पति पर केस

नालंदा। नालंदा में संदिग्ध हालत में एक महिला की मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल वालों दहेज के लिए जहर खिलाकर मारने का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान बेरथु निवासी अमरजीत कुमार की पत्नी प्रीति कुमारी(25) के तौर पर हुई है। घटना करायपरसुराय थाना क्षेत्र की है। मृतका का मायका पटना जिला के बेलछी थाना क्षेत्र के जगजानपुर गांव में है। मां रिंकू देवी ने बताया कि उनकी बेटी की शादी 2020 में हुई थी। ससुराल वाले शुरू से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे। मेरी बेटी के साथ मारपीट की जाती थी। दहेज में खटिया, पलंग, गोदानी, अलमारी, अपाचे गाड़ी, सोने की चेन और अंगूठी की मांग करते थे। गरीब होने के कारण हम उनकी मांग पूरी नहीं कर सके, जिसके चलते उसे जान से मारने की धमकी दी जाती थी। प्रीति ने फोन पर अपनी जान को खतरा होने की आशंका जताई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सास, ससुर और पति, तीनों ने मिलकर उनकी बेटी को जहर देकर मार डाला है। प्रीति के दो बच्चे हैं, तीन साल की बेटी और डेढ़ साल का बेटा। दोनों बच्चों को भी ससुराल वाले अपने साथ ले गए हैं। उनकी जान को भी खतरा हो सकता है। ममेरे भाई जितेंद्र कुमार ने आरोप लगाते हुए कहा कि ससुराल वालों ने ही मारपीट कर प्रीति को जहर पिलाया है। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे घटना हुई, जिसकी सूचना उन्हें रात में मिली। ससुराल वालों ने फोन पर केवल यह बताया कि प्रीति की तबीयत खराब है। जब वे लोग गांव पहुंचे, तो उन्हें पता चला कि बेलारी चौक स्थित एक अस्पताल में छोड़कर सभी फरार हो गए हैं। अस्पताल पहुंचा तो पता चला कि प्रीति की मौत हो चुकी है। जितेंद्र ने प्रशासन पर भी गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में स्थानीय प्रशासन और मुखिया भी ससुराल वालों के साथ मिले हुए हैं, जिसके कारण आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहे। बच्चों को भी साथ लेकर गए हैं। वहीं, इस संबंध में करायपरसुराय थानाध्यक्ष सुशील कुमार पासवान ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतका की मां रिंकू देवी के बयान के आधार पर पति समेत कुल तीन लोगों के खिलाफ प्रताड़ना, दहेज की मांग और जबरन जहर खिलाकर हत्या करने का मामला दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल, सभी आरोपी घर छोड़कर फरार है। पुलिस गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

गयाजी टाउन विधानसभा क्षेत्र को करोड़ों की विकास योजनाओं की सौगात, डॉ. प्रेम कुमार ने किया उद्घाटन

♦ सड़क, नाली और पार्क सहित कई आधारभूत परियोजनाओं का लोकार्पण, बोले– हर वार्ड तक पहुंचेगी गुणवत्तापूर्ण नागरिक सुविधाएं

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने गयाजी टाउन विधानसभा क्षेत्र में मुख्यमंत्री शहरी समग्र विकास योजना के अंतर्गत करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को आधारभूत सुविधाओं की सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य प्रत्येक वार्ड में गुणवत्तापूर्ण सड़क, नाली, पार्क एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराकर नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। डॉ. प्रेम कुमार ने वार्ड संख्या 3 एवं 17 में सीमा होंडा एजेंसी से कौवा स्थान तक, वार्ड संख्या 17 के गोसाईं बाग तथा सुनील छावड़ा के घर से गुरुद्वारा पंजाबी धर्मशाला तक पथ एवं नाली निर्माण योजना का उद्घाटन किया। इस योजना की कुल स्वीकृत लागत 1 करोड़ 21 लाख 35 हजार 546 रुपये है।

उन्होंने वार्ड संख्या 17 में रामचंद्र धर्मशाला पथ एवं नाली निर्माण योजना का भी लोकार्पण किया, जिसकी लागत लगभग 39.90 लाख रुपये है। वहीं वार्ड संख्या 44 में रुक्मणी तालाब के निकट 44.34 लाख रुपये की लागत से विकसित पार्क का उद्घाटन किया। इस पार्क से स्थानीय

लोगों को स्वच्छ एवं आकर्षक सार्वजनिक स्थल की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा वार्ड संख्या 30 के नारायणगढ़ स्थित कृष्णा आईटीआई के निकट 10.57 लाख रुपये की लागत से निर्मित नाली निर्माण कार्य तथा वार्ड संख्या 34 में गोल बीघा पुलिस लाइन से हनुमान धारा तक 24.10 लाख रुपये की लागत से निर्मित सड़क का भी उद्घाटन किया गया। इसी क्रम में वार्ड संख्या 29 के कलेर यदुनंदन सिंह कॉलोनी में 36.61 लाख रुपये की लागत से निर्मित पथ एवं नाली तथा सैनिक कॉलोनी रोड संख्या-02 में 25.37 लाख रुपये की लागत से तैयार पथ एवं नाली निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि गयाजी के सर्वांगीण विकास के लिए आधारभूत संरचना को मजबूत करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, पार्क, पेयजल, स्वच्छता और अन्य नागरिक सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है, ताकि शहर के प्रत्येक वार्ड का संतुलित और समग्र विकास सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश देते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने स्थानीय नागरिकों से सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सुरक्षा एवं स्वच्छता बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। इस मौके पर सूरज राणा, बंटी वर्मा, धर्मेंद्र कुमार, मनोज पासवान, धीरेन्द्र कुमार, पवन कुमार, राजनंदन गांधी, विकास कुमार, सागर सचदेवा, सोनू, प्रदीप कुमार, बिल्लू कुमार, गौतम और पप्पू जी सहित अनेक स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

बोधगया में 1,084 महिला सिपाहियों की पासिंग आउट परेड, आईजी विकास वैभव ने दिलाई शपथ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। बोधगया के बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस-3 (BSAP-3) परिसर में भव्य दीक्षांत और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में कुल 1,084 महिला प्रशिक्षु सिपाहियों ने हिस्सा लिया। सभी बहादुर महिला सिपाहियों ने अपना कड़ा व कठिन प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। अब ये सभी सिपाही बिहार पुलिस बल का एक मजबूत हिस्सा बन चुकी हैं। इस भव्य पासिंग आउट परेड के दौरान कई भावुक कर देने वाले पल भी देखने को मिले।

आईजी विकास वैभव ने दिलाई कर्तव्यनिष्ठा की शपथः इस खास और गौरवशाली अवसर पर मगध प्रमंडल के आईजी विकास वैभव बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उन्होंने सबसे पहले परेड का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने महिला सिपाहियों के शानदार व अनुशासित मार्च पास्ट की सलामी ली। परेड की समाप्ति के बाद आईजी विकास वैभव ने सभी नवनियुक्त महिला सिपाहियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी को पूरी ईमानदारी, निष्ठा, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ देश और राज्य की सेवा करने का संकल्प दिलाया।

विकसित बिहार और सुरक्षित माहौल की अपीलः समारोह को संबोधित करते हुए आईजी विकास वैभव ने पुलिसकर्मियों को उनकी बड़ी जिम्मेदारी का अहसास कराया। उन्होंने कहा कि देश और राज्य के विकास में पुलिस की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। हमारा मुख्य लक्ष्य साल 2047 तक एक पूरी तरह से विकसित बिहार का निर्माण करना है। हम एक ऐसे बिहार को बनाना चाहते हैं, जहां किसी भी नागरिक को शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य या रोजगार के लिए अपने राज्य से बाहर न जाना पड़े। इसके लिए राज्य में भयमुक्त और सुरक्षित माहौल बनाना बेहद जरूरी है। जब प्रदेश सुरक्षित होगा, तब निवेशक यहां आएंगे और विकास को नई गति मिलेगी। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद मैदान पर बेहद भावुक कर देने वाले दृश्य भी दिखाई दिए। परेड खत्म होते ही कई महिला सिपाहियों की आंखें छलक उठीं। महिला सिपाहियों ने दौड़कर अपने माता-पिता, भाई और पतियों को गले से लगा लिया। उन्होंने सम्मान के रूप में अपनी पुलिस कैंप उतारकर अपने माता-पिता के सिर पर सजा दी और गर्व से सैल्यूट किया। रुचि प्रिया ने अपने पहले ही प्रयास में इस परीक्षा में सफलता हासिल की है। रुचि के पिता एक साधारण किसान हैं और उनकी मां एक नर्स हैं। रुचि अब आगे की पढ़ाई भी जारी रखना चाहती हैं। उनका अगला लक्ष्य पुलिस विभाग में और भी ऊंचे पद पर पहुंचना है। रुचि के मामा प्रीतम कुमार ने बताया कि उनकी भांजी ने एक साल में नौकरी पाने का जो सपना देखा था। उसे अपनी कड़ी मेहनत से पूरी तरह सच कर दिखाया है।

गयाजी में भी मरीन ड्राइव का निर्माण होगा

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने की घोषणा

कहा- मेरे माता-पिता मेरे लिए भगवान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गयाजी में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी शुक्रवार को अपने पैतृक गांव महकार में भावुक हो गए। उन्होंने अतरी विधानसभा क्षेत्र स्थित अपने आवास पर पूर्वजों की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस मौके पर उनके पुत्र व बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने गयाजी में मरीव ड्राइव बनने की घोषणा की है।

पूर्वजों को याद कर भावुक हुए केंद्रीय मंत्रीः प्रतिमाओं का अनावरण करने के बाद जीतन राम मांझी अपने परिवार के संघर्षों को याद कर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि संसार में माता-पिता से बड़ा कोई भगवान नहीं है। भगवान को किसी ने देखा नहीं है, लेकिन माता-पिता हमारे सामने साक्षात भगवान का रूप हैं।

उन्होंने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कहा कि उनके माता-पिता ने मजदूरी करके उन्हें पढ़ाया-लिखाया। उनके ही आशीर्वाद के कारण वे मुख्यमंत्री से लेकर केंद्रीय मंत्री के पद तक पहुंच सके हैं।

मांझी ने बताया कि अपने माता-पिता, छोटे भाई और परिवार के अन्य सदस्यों के योगदान को हमेशा जीवित रखने के लिए उन्होंने इन प्रतिमाओं की स्थापना की है। उन्होंने अपने छोटे भाई को याद करते हुए कहा कि जब राजनीति के शुरुआती दिनों में लोग उनका मज़ाक उड़ाते थे, तब उनके भाई ने हमेशा उनका हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने विभिन्न राजनीतिक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी खुलकर अपनी बात रखी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वहां एनडीए उम्मीदवार की जीत तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बिहार के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। जनता एक बार फिर एनडीए सरकार पर पूरा भरोसा जताएगी।

राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी के इस्तीफे पर मांझी ने कहा कि वे एक बेहद ईमानदार और अपनी पार्टी के प्रति समर्पित नेता रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि तिवारी भविष्य में भी राजनीति में बेहतर काम करते रहेंगे। दक्षिण बिहार में सूखे की समस्या को लेकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन सरकार इसके स्थायी समाधान के लिए गंभीर है। सोन नदी के पानी को फल्गु नदी तक लाने की बड़ी योजना पर काम चल रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि गया के पास बैराज के निर्माण और नहर परियोजना के पूरा होने से दक्षिण बिहार को सूखे की समस्या से हमेशा के लिए राहत मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि जिस तरह पटना में गंगा किनारे मरीन ड्राइव का निर्माण हुआ है, उसी तर्ज पर भविष्य में गयाजी में भी मरीन ड्राइव का निर्माण कराया जाएगा।

जदयू नेता मर्डर केस- पूर्व राजद विधायक रणजीत यादव बरी, इसी मामले में सजा काटते हुए मां की हुई मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गयाजी के बहुचर्चित सुमीरक यादव हत्याकांड में शुक्रवार 13 साल बाद फैसला आया है। कोर्ट ने सबूत के अभाव में राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व विधायक रणजीत यादव को रिहा कर दिया है। उनके साथ ही तीन अन्य आरोपियों को भी कोर्ट से राहत मिली है। अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुनाया। आरोपी बनाए गए राजद के पूर्व विधायक को बरी कर दिया गया। उनके साथ उनके भाई विवेक यादव, साले पंकज यादव और एक अन्य सहयोगी दीपू को भी रिहा किया गया है। अदालत ने माना कि इन आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं मिल सके। सबूतों की कमी के कारण कोर्ट ने सभी को दोष से मुक्त कर दिया। एडीजे 3 अजित कुमार की अदालत ने यह फैसला सुनाया है।

2013 में JDU नेता सुमीरक यादव की पीट-पीटकर हत्या हुई थीः हत्याकांड का पूरा मामला अतरी विधानसभा क्षेत्र का है। साल 2013 में राजनीतिक वर्चस्व को लेकर दो गुटों में भारी तनाव था। जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ता सुमीरक यादव की 26 फरवरी 2013 को हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने उन्हें लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीट-पीटकर मार डाला था। इस हत्या के पीछे मुख्य विवाद राजनीतिक था। सुमीरक यादव इलाके में जदयू का नया ऑफिस खोल रहे थे। अतरी विधानसभा क्षेत्र में हमेशा से राजद के पूर्व विधायक राजेंद्र यादव और उनके परिवार की तुंती बोलती थी। उनके खौफ की वजह से आम अवाम तो दूर कोई दूसरी राजनीतिक पार्टी वहां अपना दफ्तर खोलने की हिम्मत नहीं करती थी। साल 2010 में तत्कालीन जदयू विधायक कृष्णन यादव के नेतृत्व में नीमचक बथानी में कार्यालय खोला गया। सुमीरक यादव इस कार्यालय के संचालन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। यही बात विरोधियों को खटक रही थी।

दफ्तर से लौटते वक्त सुमीरक पर हमला हुआ थाः घटना वाले दिन सुमीरक यादव शाम के समय पार्टी कार्यालय से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। उन पर लाठी, डंडे और लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ वार किए गए। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। इस हत्याकांड के बाद पूरे गयाजी से लेकर पटना तक चर्चा हो रही थी। जदयू के बड़े नेताओं ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। पुलिस ने मृतक के भाई विजय यादव के बयान पर नीमचक बथानी थाने में प्राथमिकी दर्ज की थी।इस मामले में पुलिस ने जांच के बाद पूर्व विधायक कुंती देवी और उनके परिवार के सदस्यों को नामजद किया था। छापेमारी के दौरान कुंती देवी के घर से खून से सने लाठी-डंडे और रॉड भी बरामद हुए थे। साल 2021 में स्थानीय अदालत (ADJ-3) ने पूर्व विधायक कुंती देवी को दोषी पाया था। कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। हालांकि, जेल में रहने के दौरान बीमारी की वजह से उनका निधन हो गया था। कुंती देवी, जो उस वक्त राजद की विधायक थीं, को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। जेल में उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

पर्यटन-शिक्षा सहित व्यापार का हब बनेगा नालंदा, सरकार ने जारी किया मास्टर प्लान-2045

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। भगवान बुद्ध की तपोस्थली, भगवान महावीर की निर्वाण स्थली और विश्व प्रसिद्ध नालंदा महाविहार की धरती अब एक नए और आधुनिक युग में प्रवेश करने को तैयार है। बिहार सरकार ने अगले बीस वर्षों के भीतर इस संपूर्ण क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्तर का पर्यटन, शिक्षा और ज्ञान केंद्र बनाने के लिए 'राजगीर रीजनल प्लानिंग एरिया (आरआरपीए) मास्टर प्लान-2045' का विस्तृत मसौदा तैयार किया है। इस महत्वाकांक्षी योजना को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया के तहत नालंदा कलेक्ट्रेट स्थित हरदेव भवन सभागार में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रमंडलीय आयुक्त मयंक वरवड़े ने की। इस बैठक में जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय नीति-निर्माताओं ने मास्टर प्लान के विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-मंथन किया, ताकि विकास की राह में आने वाली चुनौतियों का समय रहते समाधान निकाला जा सके।

सुनियोजित विकास का रोडमैपः इस मास्टर प्लान की सबसे बड़ी विशेषता इसका विकेंद्रीकृत विकास मॉडल है, जिसके तहत पांच अलग-अलग नगरों को उनकी विशिष्टता के आधार पर विकसित किया जाएगा। योजना के अनुसार, राजगीर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और संस्थागत हब के रूप में स्थापित किया जाएगा, जबकि नालंदा को विश्व धरोहर और वेलनेस टूरिज्म के मुख्य केंद्र के रूप में संवारा जाएगा। सिलाव को क्षेत्रीय व्यापार और थोक वाणिज्यिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। वहीं, पावापुरी को शिक्षा और उच्च स्तरीय सेवाओं का हब बनाया जाएगा और गिरियक को इको-टूरिज्म के आकर्षण केंद्र के रूप में पहचान दी जाएगी। इस योजना में न केवल ये शहर, बल्कि इनके आसपास के सौ से अधिक गांवों को भी शामिल किया गया है, ताकि पूरे क्षेत्र का समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके।

बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और भविष्य की जरूरतेंः आने वाले दो दशकों में आबादी के दोगुने होने के अनुमान को देखते हुए, यातायात और सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तृत खाका खींचा गया है। क्षेत्र की प्रमुख सड़कों को 45 मीटर तक चौड़ा करने के साथ ही राजगीर, सिलाव और नालंदा रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प किया जाएगा। यातायात के दबाव को कम करने के लिए ऑर्डिनेंस फैक्ट्री बाईपास के पास एक नया अंतरराज्यीय बस टर्मिनल और सिलाव में ट्रांसपोर्ट नगर के साथ ट्रक टर्मिनल का निर्माण प्रस्तावित है। साथ ही, राजगीर और पावापुरी जैसे प्रमुख स्थलों पर मल्टीलेवल पार्किंग और आधुनिक ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली लागू की जाएगी।

पर्यटकों की सुविधा के लिए ई-बस सेवा, गोल्फ कार्ट और डिजिटल गाइड सिस्टम जैसे नवाचारों को भी योजना का हिस्सा बनाया गया है।

स्वास्थ्य, शिक्षा और औद्योगिक विकास पर विशेष जोरः आर्थिक प्रगति के लिए इस मास्टर प्लान में पर्यटन के साथ-साथ औद्योगिक विकास को भी प्राथमिकता दी गई है। घोसरावां और सैदी जैसे क्षेत्रों में कृषि आधारित उद्योग, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां और कोल्ड चेन हब स्थापित किए जाएंगे, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए 500 और 200 बेड वाले कई अत्याधुनिक अस्पतालों व ट्रॉमा सेंटरों के निर्माण का प्रस्ताव है। वहीं, शिक्षा के क्षेत्र में भी नए अनुसंधान और नवाचार संस्थानों की स्थापना पर ध्यान दिया गया है, ताकि नालंदा विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक विरासत को आधुनिक ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ा जा सके।

पर्यावरण संरक्षण और किसानों के हितों का संतुलनः विकास की इस दौड़ में प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण को सरकार ने विकास का आधार माना है। कुल भूमि का लगभग 46.7 प्रतिशत हिस्सा कृषि उपयोग के लिए सुरक्षित रखने का प्रस्ताव है, ताकि अनियंत्रित शहरीकरण से खेती की जमीन को बचाया जा सके। आहर-पईन प्रणाली के पुनर्जीवन, भूजल पुनर्भरण और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन के जरिए क्षेत्र को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की प्रतिबद्धता भी इस योजना में दिखाई गई है। राजगीर वन क्षेत्र और जल स्रोतों को संरक्षित करने के लिए इको-सेंसिटिव जोन में निर्माण कार्यों को कड़े पर्यावरणीय नियमों के दायरे में रखा जाएगा।

जनभागीदारी से तैयार होगा अंतिम खाकाः बैठक के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त मयंक वरवड़े ने स्पष्ट किया कि फंडिंग इस योजना की सबसे बड़ी चुनौती है, जिसे देखते हुए अंतिम मसौदे को व्यावहारिक बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों के सुझावों को प्राथमिकता दी जाएगी। सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने मसौदे में हवाई अड्डे के प्रावधान पर जोर दिया, जबकि स्थानीय प्रतिनिधियों ने स्थानीय लोगों की समस्याओं और पहाड़ों से पानी के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित न करने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह अभी एक प्रारूप है और अंतिम अधिसूचना जारी करने से पहले आम नागरिकों, सामाजिक संगठनों और विशेषज्ञों से आपत्तियां व सुझाव मांगे जाएंगे, ताकि एक सर्वमान्य और प्रभावी मास्टर प्लान लागू किया जा सके। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक भारत सोनी समेत जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख जन प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिक अपहृत लड़की पुलिस ने किया बरामद

राजपुर-- क्षेत्र के बिशेनिकला कला गांव से लगभग एक माह पूर्व अपहृत नाबालिक लड़की को राजपुर पुलिस ने शुक्रवार को बरामद कर लिया है. जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अंशुमाला ने बताया कि शादी के नीयत से अपहृत लड़की को पुलिस ने लडका पक्ष के परिवार वालों की मदद से राजपुर बजार से बरामद किया गया. उन्होंने कहा कि थाना में दर्ज कांड संख्या 128/26 का अनुसंधान टेक्निकली डिजिटल तरीके से करते हुए लड़की की बरामदगी सुनिश्चित की गई.जिसको बयान के लिए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा.

गैर-जमानती वारंटी को न्यायालय को किया सुपुर्द

राजपुर-- राजपुर पुलिस ने न्यायालय के गैर-जमानती वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय को सुपुर्द कर दिया. थानाध्यक्ष अंशु माला ने बताया कि बरना गांव निवासी वृजनन्दन पाण्डेय का बेटा भीम पाण्डेय के विरुद्ध न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था. शुक्रवार को उक्त वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय को सुपुर्द करते हुए जेल भेज दिया गया.

मारपीट मामले में दोनों पक्षों के सात नामजद आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

राजपुर के बघेला थाना क्षेत्र के गोसाईपुर गांव में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के सात नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष करन कुमार ने इसकी पुष्टि करते बताया कि इस मामले में दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। एक पक्ष की ओर से अरविंद पासवान तथा दूसरे पक्ष की ओर से प्रमोद पासवान ने मारपीट और जमीनी विवाद को लेकर अलग-अलग कांड दर्ज कराए थे। बघेला थाना कांड संख्या 110/26 में नामजद अभियुक्त अभय कुमार (32 वर्ष), पिता हीरालाल पासवान, प्रभात पासवान (50 वर्ष), पिता जीत पासवान उर्फ चंद्रजीत पासवान तथा प्रमोद पासवान (48 वर्ष), पिता जीत पासवान उर्फ चंद्रजीत पासवान, सभी निवासी ग्राम गोसाईपुर, से गिरफ्तार किया गया वहीं बघेला थाना कांड संख्या 109/26 में नामजद अभियुक्त पीयूष कुमार (20 वर्ष), पिता उमाशंकर पासवान, गौरीशंकर पासवान (45 वर्ष), पिता सिपाही पासवान, अरविंद पासवान (40 वर्ष), पिता स्वर्गीय रामुन राम तथा अंकुर कुमार (20 वर्ष), पिता स्वर्गीय राधेश्याम पासवान, सभी निवासी गोसाईपुर को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष करन कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच जमीनी विवाद को लेकर मारपीट हुई थी, जिसके बाद दोनों ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई। गिरफ्तार सभी आरोपितों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। दोनों कांडों में नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी कर आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

श्रम अधीक्षक के न्यायालय का स्थानांतरण डिहरी अनुमण्डल कार्यालय परिसर में करने की मांग

डिहरी ऑन सोन(रोहतास)। डिहरी अनुमंडल विधिज्ञ संघ के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर पांडेय उर्फ मुटूर पांडेय ने जिलाधिकारी को आवेदन देकर मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम ट्रिबुनल के कार्यालय एवं श्रम अधीक्षक के न्यायालय का स्थानांतरण डिहरी अनुमण्डल कार्यालय परिसर में करने की मांग की है। उमाशंकर पांडेय द्वारा जिलाधिकारी को दिए आवेदन में कहा गया है कि डिहरी अनुमण्डल परिसर में अवस्थित व्यवहार न्यायालय विगत जनवरी माह में स्थानांतरित होकर नवनिर्मित न्यायालय भवन में स्थानांतरित हो चुका है तब से डिहरी अनुमण्डल परिसर में अवस्थित व्यवहार न्यायालय का पुरी तरह व्यवस्थित न्यायालय भवन और कार्यालय खाली हो चुका है जिसमें वर्तमान में जो मोटर वाहन क्लेम ट्रिब्यूनल एव श्रम अधीक्षक का न्यायालय जो डालमियानगर श्रम अधीक्षक के जर्जर भवन में संचालित होता है तथा डिहरी अनुमण्डल कार्यालम एवं डिहरी व्यवहार न्यायालय से करीब चार किमी दूर है को डिहरी अनुमण्डल कार्यालय स्थित न्यायालय के खाली भवन में स्थानांतरित किया जाना जनहित, अधिवक्ता हित एवं मानवीय दृष्टिकोण से अति आवश्यक है,। क्योंकि अधिवक्ताओ एव परिवादियों को दिन में डिहरी बाजार एंव डालमियानगर बाजार के मारी ट्राफिक जाम से गुजर कर डालमियानगर आना जाना पड़ता है जहाँ आवश्यक पब्लिक सुविधा की भी भारी कमी है तथा डिहरी व्यवहार न्यायालय के व्यवस्थित भवन में उक्त न्यायालय के स्थानांतरण से एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं मौजूद हो जायेगी जिससे मामलों के त्वरित निष्पादन में भी काफी सहयोग मिलेगा।

मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते मील संचालक सहित घेरलु परिसर पर प्राथमिकी दर्ज, लगा 2.69 लाख का जुर्माना

बिक्रमगंज /रोहतास। विद्युत विभाग द्वारा बिजली चोरी के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन जांच अभियान के तहत दिनारा एवं नटवार थाना क्षेत्र में दो उपभोक्ताओं को मीटर बाईपास कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते हुए पकड़ा गया। दोनों मामलों में कुल 269160 का आर्थिक दंड लगाया गया तथा विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 135 के तहत संबंधित थानों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। जांच के दौरान ग्राम लिलवछ, थाना दिनारा निवासी अशोक कुमार राय के परिसर में मीटर से पहले मुख्य सर्विस तार में कटिंग कर तीन अतिरिक्त तार जोड़कर मीटर बाईपास कर बिजली चोरी की जा रही थी। इस मामले में विभाग को 94021 की राजस्व क्षति हुई। वहीं ग्राम जमोढ़ी, थाना नटवार स्थित बिमलेश कुमार के औद्योगिक परिसर (आटा चक्की) में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को बाईपास कर विस्तारित एलटी लाइन से अतिरिक्त तीन फेज तार जोड़कर बिजली चोरी की जा रही थी। इस मामले में विभाग को 175139 की राजस्व क्षति हुई। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने बताया कि बिजली चोरी के विरुद्ध विभाग का अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे वैध विद्युत कनेक्शन एवं मीटर के माध्यम से ही बिजली का उपयोग करें। बिजली चोरी न केवल कानूनन दंडनीय अपराध है, बल्कि इससे विभाग को राजस्व की हानि होने के साथ-साथ विद्युत आपूर्ति व्यवस्था भी प्रभावित होती है। दोषी पाए जाने पर आर्थिक दंड के साथ कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

2 मोबाइल के साथ शातिर चोर को कगिरफ्तार

डेहरी (रोहतास) रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट डेहरी ऑन सोन की टीम ने गश्त के दौरान एक शातिर मोबाइल चोर को चोरी के 02 मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक राज किशोर कच्छवाहा के निर्देशन में सहायक उप-निरीक्षक मनोज कुमार चौधरी, प्रधान आरक्षी राम विलास एवं आरक्षी उमेश कुमार सिंह आज रेलवे स्टेशन डेहरी ऑन सोन क्षेत्र में गश्त, चेकिंग एवं आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या 02/03 पर स्थित पश्चिमी फुट ओवरब्रिज की सीढ़ियों के पास एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसकी पहचान बबलू पासवान, उम्र लगभग 35 वर्ष, पिता स्व. बजरंगी पासवान, निवासी शाहपुर, थाना चैनपुर, जिला पलामू, झारखंड के रूप में हुई। उसके पास से चोरी के 02 मोबाइल बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 25,000 रुपये है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि दोनों मोबाइल उसने ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों से चोरी किए थे। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी बबलू पासवान को बरामद मोबाइलों के साथ अग्रिम कार्रवाई हेतु रेल थाना डेहरी ऑन सोन को सुपुर्द कर दिया गया। रेल थाना में आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

भावुक माहौल में बीडीओ राहुल कुमार सिंह को दी गई विदाई

नवपदस्थापित बीडीओ संजीत कुमार का हुआ भव्य स्वागत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज : काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी स्थित सामुदायिक भवन में शुक्रवार को निवर्तमान प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) राहुल कुमार सिंह के सम्मान में विदाई सह सम्मान समारोह तथा नवपदस्थापित बीडीओ संजीत कुमार के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मजहर हुसैन ने किया । समारोह में जनप्रतिनिधियों,विभिन्न विभागों के अधिकारियों,मीडिया प्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया । उपस्थित वक्ताओं ने निवर्तमान बीडीओ राहुल कुमार सिंह के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने प्रशासन और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विकास योजनाओं को गति दी तथा जनसमस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहे ।

इस दौरान सभी लोगों ने नवपदस्थापित बीडीओ संजीत कुमार का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उनसे काराकाट प्रखंड के विकास कार्यों को और अधिक गति देने तथा जनहित की योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की अपेक्षा जताई । कार्यक्रम में निवर्तमान बीडीओ राहुल कुमार सिंह एवं नवपदस्थापित बीडीओ संजीत कुमार को सम्मानित किया गया । विदाई के अवसर पर कई पल भावुक कर देने वाले रहे । उपस्थित लोगों ने राहुल कुमार सिंह के सरल,सौम्य एवं जनसरोकारों से जुड़े कार्यशैली की मुक्तकंठ से प्रशंसा की । निवर्तमान बीडीओ राहुल कुमार सिंह ने कहा कि काराकाट में मिला सहयोग और अपनापन उनके जीवन की अमूल्य पूंजी रहेगा । उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों,अधिकारियों, कर्मियों तथा मीडिया प्रतिनिधियों ने हमेशा सकारात्मक सहयोग दिया । इसी सामूहिक सहयोग से विकास कार्यों को गति मिली । काराकाट की यादें सदैव मेरे साथ रहेंगी और यहां के लोगों का स्नेह मैं कभी नहीं भूलूंगा ।

नवपदस्थापित बीडीओ संजीत कुमार ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी । उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों, प्रशासन,मीडिया प्रतिनिधि और आम जनता के सहयोग से काराकाट प्रखंड के समग्र विकास के लिए पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ कार्य करूंगा । लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना मेरी प्राथमिकता होगी । समारोह का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ ।

बिक्रमगंज में नए एसडीएम ने संभाला पदभार प्रशासनिक व्यवस्था सुधारने का दिया भरोसा

निवर्तमान एसडीएम प्रभात कुमार ने बुके और अंगवस्त्र देकर किया स्वागत

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास)। अनुमंडल कार्यालय बिक्रमगंज में शुक्रवार को प्रशासनिक फेरबदल के तहत दिलीप कुमार ने नए अनुमंडल पदाधिकारी (SDM) के रूप में विधिवत प्रभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद नए एसडीएम ने क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

गरिमामय तरीके से हुआ स्वागत : इस अवसर पर कार्यालय परिसर में एक स्वागत समारोह आयोजित किया गया। निवर्तमान अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने नए एसडीएम दिलीप कुमार को बुके और अंगवस्त्र भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

प्रभार ग्रहण समारोह में अनुमंडल कार्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मियों ने नवपदस्थापित एसडीएम का स्वागत करते हुए उनके कार्यकाल के सफल होने की कामना की। नए एसडीएम ने सभी कर्मियों से परिचय प्राप्त किया और कहा कि टीम भावना के साथ काम करते हुए आम जनता की समस्याओं का त्वरित निष्पादन उनकी प्राथमिकता रहेगी।

खिजरसराय थाने में तैनात दरोगा तेजनारायण चौबे सस्पेंड

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। गयाजी के खिजरसराय थाने में एसआई के पद पर तैनात दरोगा तेजनारायण चौबे को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। साथ ही विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। शराब से जुड़े केस से नाम हटाने के बदले नागा यादव से अवैध रूप से पैसे मांगने का आरोप है।

शिकायत और ऑडियो साक्ष्यः मामला खिजरसराय थाना कांड संख्या 181/2026 से जुड़ा हुआ है। इस मामले की जांच की जिम्मेदारी एसआई तेजनारायण चौबे के पास थी। 21 मई को सरेया बिगहा के रहने वाले नागा यादव ने इस संबंध में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने मगध क्षेत्र आईजी विकास वैभव को लिखित आवेदन दिया था। आरोप लगाया गया था कि दरोगा केस में नाम नहीं आने देने के लिए उन पर लगातार दबाव बना रहे थे। इसके बदले में मोटी रकम की मांग की जा रही थी। शिकायतकर्ता ने अपने आरोपों को साबित करने के लिए को पुख्ता सबूत भी सौंपे। उन्होंने बातचीत की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग और एक पेन ड्राइव आईजी कार्यालय को उपलब्ध कराई थी।

ऑडियो में क्या है?ः आडियो में एसआई नागा यादव से साफ तौर पर रुपए मांगते हुए सुने जा रहे हैं। वह यह कह रहे हैं कि हम लेते हैं तो काम पक्का करते हैं। नागा यादव की ओर से 1000 रुपए ऑफर किए जाते हैं जिसे एसआई ठुकरा देता है। इस दौरान नागा यादव की मां और एक और महिला एसआई से गिड़गिड़ाती है। लेकिन एसआई इतने कम रुपए में काम नहीं करने की बात कहते हैं। यही नहीं नागा यादव बार बार कहता है कि जिस केस की बात कह रहे हैं। उसमें हम थे भी नहीं। यह सब काम हम छोड़ चुके हैं। लेकिन एसआई मानने को तैयार नहीं था। वह बार बार कह रहा है कि तुम्हारा नाम घटनास्थल के आसपास के लोगों ने बताया है। ऐसे थोड़े न हम कह रहे हैं। शिकायत मिलने के बाद आईजी विकास वैभव ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया। उन्होंने जांच खिजरसराय के अंचल पुलिस निरीक्षक को सौंप दी। जांच के दौरान शिकायतकर्ता द्वारा दी गई ऑडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों का बारीकी से परीक्षण किया गया। जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि ऑडियो रिकॉर्डिंग में सुनाई दे रही आवाज दरोगा तेजनारायण चौबे की ही है। इसके साथ ही यह भी साफ हो गया कि बातचीत का मुख्य विषय अवैध रूप से पैसों की मांग करने से ही जुड़ा था।

बिहार सरकार

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद

आई0ए0एस0संघ भवन, पटना हवाई अड्डा के निकट, पटना-14

Website : bceceboard.bihar.gov.in / Helpdesk : helpdesk.bceceboard@bihar.gov.in

विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(बी.सी.ई.सी.ई.[LE])-2026/08 दिनांक- 17.07.2026

बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा [पार्श्विक प्रवेश] – 2026 BCECE (LE)–2026 [(Engg.) Degree Course] के Online Counselling कार्यक्रम से सम्बन्धित आवश्यक सूचना

विज्ञापन संख्या- बी.सी.ई.सी.ई.बी.(बी.सी.ई.सी.ई.[LE])-2026/06 एवं 2026/07 दिनांक- 12.07.2026 के क्रम में BCECE(LE)-2026 के आधार पर बिहार राज्य के सरकारी / निजी क्षेत्र के अभियंत्रण संस्थानों में स्नातक अभियंत्रण के विभिन्न पाठ्यक्रमों के द्वितीय वर्ष में प्रवेश हेतु सभी पात्रता-प्राप्त अभ्यर्थियों / सम्बन्धित संस्थानों एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के पत्रांक- वि.प्रा.(VI)फा०-01/2020(पार्ट)-4082 दिनांक 17.07.2026 के आलोक में एम.आई.टी., मुजफ्फरपुर के पार्श्विक प्रवेश के विभिन्न पाठ्यक्रमों के वर्तमान प्रदर्शित सीटों की संख्या में वृद्धि हो गयी है। तद्नुसार सीटों की उक्त वृद्धि को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थीहित में BCECE(LE)-2026 के Online Choice Filling की तिथि निम्नवत् विस्तारित की जाती है;

Sl.	Programme	Re-Scheduled Date
(i)	Updated Seat Matrix posting on website .... :	17.07.2026
(ii)	Last date of Online Choice filling for seat allotment & locking .... :	23.07.2026

2. संशोधित सीटों की Updated Seat Matrix पर्षद के website पर उपलब्ध करा दिया गया है।
3. पूर्व प्रकाशित विज्ञापन संख्या-बी.सी.ई.सी.ई.बी.(बी.सी.ई.सी.ई.[LE])-2026/06 दिनांक- 12.07.2026 की अन्य शर्तें एवं कार्यक्रम/नियम यथावत् रहेंगी।

परीक्षा नियंत्रक

NEET-UG 2026 में विक्रम कुमार ने हासिल की शानदार सफलता, क्षेत्र का बढ़ाया मान

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नवादा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) 2026 के घोषित परिणाम में जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत भगवानपुर गावं के होनहार छात्र विक्रम कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) द्वारा जारी स्कोर कार्ड के अनुसार विक्रम कुमार ने 720 में 594 अंक प्राप्त किए हैं। उन्हें 99.3880179 पर्सेंटाइल हासिल हुआ है तथा उनकी ऑल इंडिया रैंक (AIR) 12002आई है। वहीं ओबीसी-एनसीएल (सेंट्रल लिस्ट) श्रेणी में उनकी कैटेगरी रैंक 5453 दर्ज की गई है।

स्कोर कार्ड के अनुसार जीवविज्ञान में 98.8594401 रसायन विज्ञान में 98.7795359 तथा भौतिकी में 99.1735066 पर्सेंटाइल प्राप्त कर उन्होंने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। विक्रम कुमार के पिता सुरेश प्रसाद एवं माता आशा देवी ने बेटे की सफलता का श्रेय उसकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

विक्रम की इस उपलब्धि से परिवार में खुशी का माहौल है। रिश्तेदार, मित्र, शिक्षक और क्षेत्र के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। मेडिकल क्षेत्र में सेवा करने का सपना लेकर आगे बढ़ रहे विक्रम की सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

NEET री-एग्जाम में सत्यम को ऑल इंडिया 2972वीं रैंक। जिले का नाम किया रौशन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नोखा। नगर परिषद के वार्ड संख्या-16 स्थित पटेल नगर निवासी सत्यम कुमार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (AIR) 2972 हासिल किया है. उन उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। सत्यम कुमार, सुनील कुमार और पूनम देवी के पुत्र हैं. परिणाम घोषित होते ही उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया. रिश्तेदारों, मित्रों और स्थानीय लोगों ने मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।सत्यम कुमार ने अपनी सफलता का श्रेय माताजिलालनें गुरुजनों और नियमित व अनुशासित अध्ययन को दिया. उन्होंने कहा कि स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास से किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल की जा सकती है. उनका सपना एक कुशल चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करना है।सुनील कुमार ने बताया कि सत्यम शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर और मेहनती रहा है. उन्होंने कहा कि बेटे की यह सफलता पूरे परिवार के लिए गर्व का क्षण है और वर्षों पुराने सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

बिहार सरकार
डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग

गर्मी के मौसम में पोल्ट्री फार्म को सुरक्षित और उत्पादनशील बनाए रखने के लिए मुर्गीपालकों को सलाह

गर्मी के मौसम में तापमान बढ़ने से मुर्गियों के अंडे एवं मांस उत्पादन में कमी, मृत्यु दर में वृद्धि और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इन समस्याओं से बचने के लिए निम्नलिखित सावधानियाँ बरतेंः

तापमान नियंत्रण
- शेड में उचित वेंटिलेशन (हवादारी) रखें।
- छत पर घास या टाट बिछाकर ऊपर पानी छिड़कें।
- कूलर, फैन, या वाटर फॉगिंग सिस्टम का उपयोग करें

प्रबंधन
- दिन में 2-3 बार पानी की टंकियों को भरें और उन्हें छाया में रखें।
- इलेक्ट्रोलाइट्स (ORS) व विटामिन सी पानी में मिलाएं ताकि डिहाइड्रेशन न हो।

आहार प्रबंधन
- सुबह और शाम के ठंडे समय में दाना दें।
- एनर्जी रिच (ऊर्जा युक्त) आहार दें, लेकिन हाई प्रोटीन से बचें।

स्वास्थ्य प्रबंधन
- गर्मी में तनाव कम करने वाले सप्लीमेंट्स दें।
- टीकाकरण और डि-वॉर्मिंग शेड्यूल का पालन करें।
- बीमार मुर्गियों को तुरंत अलग करें।

सफाई और स्वच्छता
- फार्म को सूखा और साफ रखें।
- नियमित रूप से कीट-नाशक छिड़काव करें।

PR No.- 008042 (Animal)D. 2026-27

विषम परिस्थिति में अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय से संपर्क करें या 1962 पर कॉल कर समस्या का समाधान प्राप्त करें

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

बांका। बांका में गुरुवार शाम एक चलती ट्रेन से गिरकर 30 वर्षीय अज्ञात युवक की मौत हो गई। यह घटना धौनी रेलवे स्टेशन के पास भागलपुर-मंदारहिल रेलखंड पर धनसार के समीप हुई। सूचना मिलने पर रजौन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बांका सदर अस्पताल भेज दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक भागलपुर की ओर जा रही लोकल पैसेंजर ट्रेन के गेट पर खड़ा होकर यात्रा कर रहा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और वह चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। गिरने से उसके सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एक घंटे तक रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा रहा युवकः स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद युवक करीब एक घंटे तक गंभीर अवस्था में रेलवे ट्रैक के किनारे पड़ा रहा। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना तत्काल रेलवे विभाग और स्थानीय प्रशासन को दी गई थी, लेकिन समय पर सहायता नहीं पहुंचने के कारण लोगों में नाराजगी देखी गई। उनका कहना था कि यदि समय रहते चिकित्सा सहायता मिल जाती तो शायद युवक की जान बचाई जा सकती थी। रजौन थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और आसपास के लोगों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने मृतक की तस्वीर विभिन्न थानों में भेजकर शिनाख्त की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा शवः रजौन थानाध्यक्ष महेश कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। नियमानुसार, अज्ञात शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा ताकि परिजन उसकी शिनाख्त कर सकें। यदि इस अवधि में पहचान नहीं हो पाती है, तो आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी और पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

अवैध बालू खनन मामले में ईडी की कार्रवाई

बांका। बांका में शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध बालू खनन से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर के विजयनगर स्थित लाल कोठी के समीप महादेव एंक्लेव प्राइवेट लिमिटेड के कार्यालय पर छापेमारी की। ईडी की इस कार्रवाई से जिले में हड़कंप मच गया।

छापेमारी के दौरान बाहरी के प्रवेश पर रोकः ईडी की टीम सुबह कंपनी कार्यालय पहुंची और परिसर को अपने नियंत्रण में लेकर दस्तावेजों, वित्तीय अभिलेखों तथा अन्य महत्वपूर्ण रिकॉर्ड की गहन जांच शुरू की। छापेमारी के दौरान कार्यालय के भीतर किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई और जांच प्रक्रिया लगातार जारी रही।

संदिग्ध वित्तीय लेनदेन में शामिल होने का आरोपः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कंपनी पर वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2022-23 के दौरान बांका जिले में बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन करने और उससे जुड़े संदिग्ध वित्तीय लेनदेन में शामिल होने के आरोप हैं। इन्हीं आरोपों के आधार पर ईडी मनी ट्रेल, बैंकिंग लेनदेन और अन्य वित्तीय दस्तावेजों की बारीकी से जांच कर रही है।

दस्तावेजों और रिकॉर्ड की गहन पड़ताल जारीः समाचार लिखे जाने तक ईडी की ओर से इस कार्रवाई को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। अधिकारियों का कहना है कि छापेमारी पूरी होने और जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ने के बाद ही विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। फिलहाल, सभी संबंधित दस्तावेजों और रिकॉर्ड की गहन पड़ताल जारी है।

20 जुलाई को नियोजन कैंप

बांका। बांका जिला नियोजनालय द्वारा युवाओं को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से 20 जुलाई 2026 को एक दिवसीय नियोजन कैंप आयोजित किया जाएगा। यह कैंप संयुक्त श्रम भवन, आईटीआई कैंपस तेलिया, बांका स्थित जिला नियोजनालय में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा।

प्रोडक्शन ट्रेनी के पदों पर अभ्यर्थियों का चयनः इसमें निजी क्षेत्र की कंपनी Quess Corp Ltd. द्वारा प्रोडक्शन ट्रेनी के पदों पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। जिला नियोजनालय के अनुसार, कंपनी कुल 50 रिक्त पदों पर भर्ती करेगी। इन पदों के लिए उम्मीदवारों की आयु 18 से 23 वर्ष के बीच होनी चाहिए। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता इंटरमीडिएट (12वीं) और आईटीआई उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा।

भोजन और कैंटीन की सुविधा भी प्रदान करेगी कंपनीः नियुक्ति के बाद कार्यस्थल गुजरात और नोएडा होगा। कंपनी कर्मचारियों को भोजन और कैंटीन की सुविधा भी प्रदान करेगी। जिला नियोजन पदाधिकारी ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि और समय पर नियोजन कैंप में उपस्थित होकर चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ अद्यतन बायोडाटा, शैक्षणिक अंकपत्र, आधार कार्ड और रंगीन पासपोर्ट आकार का फोटो लाना अनिवार्य होगा।

नियोजन कैंप का लाभ उठाने की अपील कीः उन्होंने अधिक से अधिक योग्य युवाओं से इस नियोजन कैंप का लाभ उठाने की अपील की। समय पर पहुंचकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को कंपनी की चयन प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा। जिला नियोजनालय ने युवाओं से इस अवसर का लाभ उठाकर रोजगार प्राप्त करने का आग्रह किया है।

लापता स्टूडेंट का शव गंगा घाट से बरामद

मुंगेर। मुंगेर में जमालपुर थाना क्षेत्र से 2 दिन पहले लापता हुए स्टूडेंट शिवम कुमार (16) का शव शुक्रवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनियारचक गंगा घाट से बरामद किया गया। दसवीं कक्षा के छात्र शिवम के परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताई है। शिवम जमालपुर के खलासी मोहल्ला का निवासी था। उसके लापता होने के बाद परिजनों ने अपहरण कर हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को आवेदन दिया था। श्रीकृष्ण सेतु पर शिवम की चप्पल मिलने के बाद अनहोनी की आशंका और बढ़ गई थी, जिसके बाद पुलिस और स्थानीय गोताखोर उसकी तलाश में जुटे थे।

मां से बोला- किताब लाने जा रहा हूंः मृतक के पिता बीरेंद्र बिंद ने बताया था कि, 'एक लड़की के साथ उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। लड़की के परिजनों द्वारा इसी मामले में उसको धमकी दिया गया था देख लेने की। लड़की ने वीडियो कॉल पर शिवम को बुलाया था जिसके बाद शिवम घर से निकला था।' मृतक शिवम की मां ने कहा कि मेरा बेटा बुधवार 15 जुलाई को किताब लाने की बात कह घर से निकला था। शुक्रवार को मनियारचक गंगा घाट के पास शव मिलने की सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

एक घंटे तक सड़क रहा जामः मृतक छात्र के पिता बीरेंद्र बिंद ने कहा, 'मेरे बेटे का जिस लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था उसके पिता ने मेरे बेटे की हत्या की है। मैं आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग करता हूं।' सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ रमन के निर्देश पर तीन सदस्यीय टीम गठित कर छात्र ले शव का पिस्टमार्टम कराया गया और उसका लाइव वीडियो फोटो कराया गया। वहीं डॉक्टर की टीम में सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ रमन, डॉ हर्षवर्धन ओर डॉ शशांक मौजूद थे। मुंगेर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ रमण ने बताया कि मृतक छात्र के छाती की हड्डी, पेट का पानी और लंग्स को जांच के लिए भागलपुर के मायागंज भेजा जाएगा। लोगों ने एक घंटे तक सड़क को जाम कर रखा था। साइबर DSP राकेश कुमार रंजन और कोतवाली थानाध्यक्ष राजीव कुमार तिवारी के आश्वासन पर परिजनों ने जाम हटाया है।

हत्या कर शव को गंगा में फेंका - परिजनः घटना की जानकारी मिलते ही जमालपुर थानाध्यक्ष पंकज कुमार पासवान भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और छानबीन में जुट गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा। परिजनों का आरोप है कि शिवम की हत्या कर शव को गंगा में फेंका गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। वहीं सदर प्रभारी डीएसपी सह साइबर DSP ने बताया कि घटना की जांच हर पहलू से किया जा रहा है। हत्या या आत्महत्या है इसकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद खुलासा होगी।

पंचायत भवन में मुंशी की हत्या चेहरे पर चाकू से हुआ हमला

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में पंचायत भवन के निर्माण स्थल पर मुंशी का शव मिला है। इनकी हथियार से हत्या की गई है। हालांकि, हत्या का कारण अभी साफ नहीं है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले का पता लगा रही है। बता दें कि मुंशी 2 साल से कॉन्ट्रैक्ट पर कर रहा था काम कर रहा था। मृतक मुंशी के गले पर निशान मिला है। माथे, कान और मुंह पर चाकू से हमला हुआ है। मामला, नवगछिया के परवत्ता थाना क्षेत्र जमुनिया पंचायत भवन निर्माण स्थल का है। मृतक की पहचान कटिहार के कदवा थाना क्षेत्र स्थित आश्रम टोला निवासी ब्रजेश यादव (34) के रूप में हुई है। वह पिछले करीब दो साल से जमुनिया पंचायत सरकार भवन निर्माण काम में संवेदक के मुंशी के रूप में कार्यरत थे और निर्माण काम की देखरेख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बता दें कि विक्रमशिला पुल पहुंच पथ स्थित गरैया गांव से जमुनिया जाने वाली ग्रामीण सड़क के किनारे पंचायत सरकार भवन का निर्माण काम चल रहा है। गुरुवार रात भी ब्रजेश यादव निर्माण स्थल पर मौजूद थे।

स्थानीय लोगों ने दी पुलिस को सूचनाः शुक्रवार को स्थानीय लोगों ने निर्माण स्थल के पास उनका शव पड़ा देखा। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने तुरंत मामले की सूचना परवत्ता थाना पुलिस को दी। सूचना मिलने के बाद परवत्ता थाना की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का लग रहा है। हालांकि, हत्या किस कारण से की गई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस घटनास्थल से मिले सबूत को जुटाने में लगी है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे।

आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही पुलिसः पुलिस फिलहाल हत्या के सभी संभावित कारणों की जांच कर रही है। निर्माण स्थल पर मौजूद लोगों, मजदूरों और अन्य संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। आसपास उपलब्ध तकनीकी सबूतों और अन्य सुरागों को भी खंगाला जा रहा है। मामले पर परवत्ता थानेदार अश्वनी कुमार ने बताया कि जमुनिया पंचायत सरकार भवन निर्माण स्थल से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। मृतक की पहचान ब्रजेश यादव के रूप में हुई है, जो निर्माण काम में मुंशी के रूप में कार्यरत थे। प्रथम दृष्टया में मामला हत्या का प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं। हत्या के कारणों का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि तकनीकी और वैज्ञानिक सबूत के आधार पर अपराधियों की पहचान कर जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल, पुलिस एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

परमान नदी का जलस्तर बढ़ा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

अररिया। पड़ोसी देश नेपाल में हो रही लगातार बारिश का असर अब बिहार के सीमावर्ती जिले अररिया में दिखने लगा है। जिले से गुजरने वाली परमान नदी का जलस्तर बढ़ गया है, वहीं एबीसी नहर में भी हल्की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, नदी का जलस्तर अभी खतरे के निशान से नीचे और सामान्य स्थिति में है, लेकिन बढ़ती स्थिति ने नदी किनारे बसे ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। परमान नदी के बढ़ते जलस्तर का प्रभाव नदी से सटे निचले इलाकों के खेतों में साफ दिखाई दे रहा है। कई स्थानों पर नदी का पानी खेतों में फैलने लगा है, जिससे किसानों की परेशानी बढ़ गई है। स्थानीय लोग लगातार नदी की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और किसी भी संभावित बाढ़ की आशंका को लेकर सतर्क हैं।

लोगों को 2017 की याद अभी भी ताजाः ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें वर्ष 2017 की विनाशकारी बाढ़ की यादें आज भी ताजा हैं। उस दौरान परमान नदी के उफान ने कई गांवों में भारी तबाही मचाई थी। घरों में पानी घुस गया था, फसलें बर्बाद हो गई थीं और

हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी थी। यही वजह है कि नदी का जलस्तर बढ़ते ही लोगों के बीच भय का माहौल बनने लगा है। हर साल परमान नदी का जलस्तर बढ़ने पर बसंतपुर, रामपुर, मोहनपुर, बोची, झमटा, बासवाड़ी, मेटन सहित कई गांवों के निचले हिस्सों में पानी फैलने लगता है। ग्रामीणों ने बताया कि यदि नेपाल में बारिश का सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में जलस्तर और बढ़ सकता है, जिससे स्थिति गंभीर हो सकती है।

लोगों से सतर्क रहने की अपीलः हालांकि प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और अभी घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है। मौसम और नदी की स्थिति को देखते हुए सीमावर्ती इलाकों के लोग आने वाले दिनों पर नजर टिकाए हुए हैं।

विशेष लोक अदालत का आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), भागलपुर की ओर से 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह विशेष लोक अदालत विशेष रूप से परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत दर्ज चेक बाउंस (एनआई एक्ट) से संबंधित लंबित मामलों के निपटारे के लिए आयोजित की जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव स्मृति रंजीता कुमारी ने बताया कि इस विशेष लोक अदालत का उद्देश्य चेक बाउंस मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर तुरंत और सौहार्दपूर्ण समाधान कराना है। उन्होंने कहा कि इस लोक अदालत में केवल एनआई एक्ट की धारा 138 से संबंधित मामलों की ही सुनवाई और निपटारा किया जाएगा। अन्य किसी प्रकार के

वादों को इसमें शामिल नहीं किया जाएगा। जिन पक्षकारों के मामले इस विशेष लोक अदालत के लिए चिन्हित किए गए हैं, उन्हें निर्धारित तिथि और समय पर न्यायालय परिसर में उपस्थित होकर समझौते के माध्यम से अपने विवाद का समाधान करने का अवसर मिलेगा।

लोक अदालत न्यायिक व्यवस्था का एक प्रभावी माध्यमः डीएलएसए सचिव स्मृति रंजीता कुमारी ने कहा कि लोक अदालत न्यायिक व्यवस्था का एक प्रभावी माध्यम है, जहां पक्षकारों की सहमति से विवादों का शीघ्र निपटारा कराया जाता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में होने वाला समझौता न्यायालय की डिक्री के समान प्रभावी और बाध्यकारी होता है। इसके खिलाफ सामान्यतः कोई अपील भी नहीं होती, जिससे विवाद का अंतिम समाधान सुनिश्चित हो जाता है। उन्होंने कहा कि चेक बाउंस मामलों में अक्सर पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया, आर्थिक खर्च और समय की बर्बादी का सामना करना पड़ता है, जबकि लोक अदालत के माध्यम से ऐसे मामलों का कम समय में और कम खर्च में निपटारा संभव है। इससे न्यायालयों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम होता है और पक्षकारों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने में मदद मिलती है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, भागलपुर ने सभी संबंधित पक्षकारों से अपील की है कि वे 18 जुलाई को आयोजित विशेष लोक अदालत में अवश्य उपस्थित हों और इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने चेक बाउंस से जुड़े मामलों का आपसी सहमति के आधार पर निपटारा कराएं।

कांग्रेस का धरना प्रदर्शन, 211 डिग्री कॉलेजों के दावे पर उठाए सवाल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में वित्त रहित कॉलेजों के शिक्षकों की समस्याओं और मांगों को लेकर शनिवार को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कांग्रेस सेवा दल और वित्त रहित कॉलेजों के शिक्षकों की ओर से आयोजित इस धरना कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष परवेज जमाल ने की। धरना में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षाकर्मी और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार की शिक्षा नीति और वित्त रहित कॉलेजों की उपेक्षा को लेकर नाराजगी जताई और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रहीः धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि बिहार के वित्त रहित कॉलेजों के

शिक्षक सालों से विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। शिक्षकों को नियमित आर्थिक सहायता, मानदेय और अन्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय वित्त रहित संस्थानों की अनदेखी कर रही है। प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री की ओर से 211 डिग्री कॉलेजों को लेकर किए जा रहे दावों पर भी सवाल उठाए गए। वक्ताओं का कहना था कि सरकार की ओर से किए जा रहे दावे वास्तविकता से परे हैं और जमीनी स्तर पर इन घोषणाओं का अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा है।

राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट शुरू

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर जिले के ऐतिहासिक पोलो मैदान में शुक्रवार से चार दिवसीय 65वीं सुब्रतो मुखर्जी कप फुटबॉल (अंडर-15 बालक) प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पणीकर, जिला खेल पदाधिकारी कमल किशोर और सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार अभिषेक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद जिलाधिकारी ने गुब्बारे उड़ाकर और फुटबॉल को किक मारकर प्रतियोगिता का औपचारिक शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पणीकर ने कहा कि सुब्रतो मुखर्जी कप देश की प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिताओं में शामिल है। राज्य स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बिहार का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन पोलो मैदान और शीतलपुर मैदान में किया जा रहा है, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर खेल वातावरण मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि बिहार में फुटबॉल के प्रति युवाओं का रुझान लगातार बढ़ रहा है। राज्य

सरकार खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन करा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि मुंगेर में फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पोलो मैदान में अत्याधुनिक टर्फ मैदान का निर्माण कराया गया है। इसका लाभ जिले के सैकड़ों खिलाड़ी नियमित रूप से अभ्यास कर उठाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रतियोगिता से कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकलकर राज्य और देश का नाम रोशन करेंगे। जिला खेल पदाधिकारी कमल किशोर ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के ठहरने, भोजन, पेयजल, चिकित्सा तथा सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत है। ऐसी प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर प्रदान करती हैं। चार दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में बिहार के 20 जिलों की टीमें भाग ले रही हैं। इनमें मुंगेर, भागलपुर, नवादा, गोपालगंज, सीतामढ़ी, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, पटना, कैमूर, रोहतास, सिवान, जमुई, पश्चिम चंपारण, दरभंगा, पूर्णिया, मधुबनी, सारण, गया तथा किशनगंज की टीमें शामिल हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन पोलो मैदान में दरभंगा और पश्चिम चंपारण के बीच उद्घाटन मुकाबला खेला गया, समारोह के दौरान खेल विभाग के अधिकारी, विभिन्न जिलों से आए टीम प्रबंधक, प्रशिक्षक, खिलाड़ी एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर जिला प्रशासन एवं खेल विभाग की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं। चार दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न मैदानों पर रोमांचक मुकाबले खेले जाएंगे।

पुलिस मुखबिरी के शक में स्मैक तस्कर को मारी गोली

बेगूसराय। बेगूसराय में मंगलवार की रात देवरा उर्फ देवा (27) पर फायरिंग हुई थी, जिसमें वो घायल हुआ था। घायल स्मैक तस्कर भी है। विवाद पुलिस मुखबिरी के शक, पुरानी रंजिश और नशा के धंधे को लेकर है। पुलिस ने घायल के बयान पर 3 नामजद अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर छापेमारी शुरू कर दी है। फिलहाल घायल देवा का इलाज शहर के निजी अस्पताल के आईसीयू में चल रहा है। घायल के बयान के अनुसार उसपर भी एससी-एसटी थाने में केस दर्ज था। पुलिस से बचने के लिए उसने ठिकाना बदला था, जहां किराया का मकान लेकर रह रहा था, वहीं उसपर हमला हुआ। घटना नगर थाना क्षेत्र अलका सिनेमा हॉल के पास की है। आधी रात को खूनी खेल की पूरी कहानीः घायल देवराज उर्फ देवा ने पुलिस को बताया है कि 14 जुलाई की देर रात करीब 1:00 से 1:30 बजे के बीच मैं अपने एक परिचित के साथ किराए के मकान की ओर लौट रहा था। जैसे ही वह अलका सिनेमा हॉल के पीछे वाली गली में पहुंचा, पहले से घात लगाकर बैठे बदमाशों ने घेर लिया। वहां मिंटू यादव, आदित्य कुमार उर्फ राजा और विपुल सिंह मौजूद थे। इन लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब मैंने विरोध किया, तो राजा कुमार ने मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच मिंटू यादव ने पिस्तौल निकाली और सीधे देवा के चेहरे को निशाना बनाकर गोली चला दी।

डीएम बने निश्चय मित्र, मरीजों को बांटी सहायता

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर में टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के लिए जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने स्वयं 'निश्चय मित्र' बनने का संकल्प लिया। उन्होंने समाहरणालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में टीबी मरीजों को पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट वितरित किए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिले के सभी वरीय पदाधिकारियों से भी 'निश्चय मित्र' बनकर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम प्रबंधक फैजान अशरफी, डॉ. ध्रुव सहित स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री के टीबी मुक्त भारत अभियान का लक्ष्य देश को क्षय रोग से पूरी तरह मुक्त बनाना है। उन्होंने जोर दिया कि यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य केवल स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से प्राप्त

नहीं किया जा सकता। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए समाज के हर वर्ग, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी पदाधिकारियों और आम नागरिकों की सहभागिता आवश्यक है। 'निश्चय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को पोषण सहायता और मानसिक सहयोग प्रदान करना एक महत्वपूर्ण सामाजिक दायित्व है। डीएम ने बताया कि इस प्रकार के सहयोग से मरीजों के उपचार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और उनके स्वस्थ होने की संभावना बढ़ती है। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को अधिक से अधिक संख्या में 'निश्चय मित्र' बनने तथा जरूरतमंद मरीजों को नियमित रूप से पोषण सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

अभियान मानवीय संवेदना का प्रतीकः उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है। समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर टीबी मरीजों की मदद करनी चाहिए, ताकि उन्हें बेहतर पोषण और उपचार मिल सके। जिलाधिकारी ने अंत में बताया कि टीबी एक पूर्णतः उपचार योग्य बीमारी है। समय पर जांच, नियमित दवा सेवन और पर्याप्त पोषण से मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकते हैं।

स्वास्थ्य केंद्र में निःशुल्क जांच अवश्य कराएंः उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक लगातार खांसी, वजन में कमी, बुखार या रात में अत्यधिक पसीना आने जैसे लक्षण दिखाई दें तो निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर निःशुल्क जांच अवश्य कराएं। साथ ही अधिकारियों और कर्मियों से टीबी उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने तथा संभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

पूर्व रेलवे

मुख्य ट्रैक इंजीनियर, 17, नेताजी सुभाष रोड, दूसरी मंजिल, फेयरली प्लेस, कोलकाता-700001 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ख्यातिप्राप्त एवं योग्य ठेकेदारों से ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैः **ई-निविदा सं. : डब्ल्यू _2 _623_16_ पीएसएसए _2026, दिनांकः 15.07.2026, कार्य का नामः** सीबीई पूर्व रेलवे के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न निर्माण साइटों/मुख्यालय कार्यालयों में तीन वर्ष की अवधि के लिए परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएँ प्रदान करने हेतु परियोजना पर्यवेक्षण सेवा एजेंसी (पीएसएसए)। **कार्य का अनुमानित मूल्यः** रु. 7,19,85,420/-**बयाना राशिः** रु. 5,09,900/-, **समापन अवधिः** 36 माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 17.08.2026 को 15.00 बजे। निविदा कागजात का विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि उपर्युक्त वेबसाइट पर अपना प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।
MISC-107/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. एफ-एमएफजी-495 एफएमपी-एयर ब्रेक, दिनांक 16.07.2026, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा निविदा सं. एफ-एमएफजी-495 एफएमपी-एयर ब्रेक के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए बयाना राशि बाबत केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान माध्यम जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के द्वारा भुगतान करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रिसीट, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान करने की अनुमति नहीं है। **कार्य का नाम :** क्रमशः एफएमपी-ए और बी कार वैगन के लिए अनेक्सर-ए के क्रम सं. ए से डी के माध्यम से और अनेक्सर-बी के क्रम सं. ए से डी के माध्यम से एयर ब्रेक पाइप और पाइप फिटिंग, एयर ब्रेक इक्विपमेंट, अंडरफ्रेम ब्रेक गियर और एसएबी के साथ हैंड ब्रेक अरेंजमेंट कम्पोनेंट, ब्रेक गियर पिन बुश वॉशर और एलएसडी अरेंजमेंट की आपूर्ति, फिटमेंट और आरंभ। **कार्य स्थलः** पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, मुंगेर (बिहार), पिन-811214, **विज्ञापित मूल्यः** रु. 16,09,11,177.90, **बोली प्रणालीः** दो पैकेट प्रणाली, **निविदा कागजात का मूल्यः** रु. 00.00, **बोली प्रतिभूतिः** रु.32,18,200/-, **समापन अवधिः** अठारह माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समयः** दिनांक 13.08.2026 को 15.00 बजे। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समयः** दिनांक 18.07.2026 को 12.00 बजे। **प्रस्ताव की वैधताः** 90 दिन। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट का स्थान जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण देखा जा सकता हैः** (**www.er.indian railways.gov.in** के साथ हाइपरलिंक्ड **www. ireps.gov.in**) एवं उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को।
MISC-108/2026-27
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर कांड

आरा। भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर कांड में उनके भाई चंदन तिवारी ने बुधवार को आरोप लगाया था कि भरत के सोशल मीडिया अकाउंट से 8 वीडियो डिलीट किए गए हैं। इस संदर्भ में गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय (सोशल मीडिया कोषांग) ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि विभिन्न मीडिया माध्यमों एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित खबरों से सूचना प्राप्त हुई है। जिसमें यह आरोप लगाया जा रहा कि एनकाउंटर कांड से जुड़े मृतक के सोशल मीडिया अकाउंट से कुछ महत्वपूर्ण वीडियो गायब या डिलीट कर दिए गए हैं। इसमें पुलिस की संलिप्तता का संदेह व्यक्त किया जा रहा है। भोजपुर पुलिस इसका पूर्ण रूप से खंडन करती है। उक्त सोशल मीडिया अकाउंट से किसी भी प्रकार के पोस्ट या वीडियो को हटाने या डिलीट करने के लिए कोई प्रतिवेदन या अनुरोध संबंधित नोडल प्राधिकारी को समर्पित नहीं किया गया है। अतः साक्ष्यों की लीपापोती के संबंध में लगाए जा रहे सभी आरोप पूरी तरह निराधार एवं असत्य हैं।

जलजमाव से मिलेगी राहत

आरा। शहर में वर्षों से बनी जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में चल रही व्यापक ड्रेनेज परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (बुडको) द्वारा नगर क्षेत्र में तीन अलग-अलग एलाइन्मेंट पर ड्रेनेज निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। शेष 20 प्रतिशत कार्य इस माह के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के तहत एलाइन्मेंट-ए में आरा जीरो माइल से धोबीघाट, हनुमान मंदिर और स्टेशन रोड होते हुए बहिरो लॉक तक करीब 6.171 किलोमीटर लंबाई में नाला निर्माण किया जा रहा है। वहीं एलाइन्मेंट-बी के अंतर्गत रेलवे माल गोदाम (पंचमुखी हनुमान मंदिर) से नवादा थाना, नवादा चौक, महावीर टोला, शहीद चौक, सुभाष चौक और टाउन थाना चौक होते हुए नाला मोड़ तक करीब 7.264 किलोमीटर लंबाई में ड्रेनेज लाइन बनाई जा रही है। यहां से वर्षा का पानी गांगी नदी में प्रवाहित होगा। हालिया बारिश ने शहर की ड्रेनेज व्यवस्था की हकीकत उजागर कर दी। कई इलाकों में जलजमाव ने अधूरी परियोजना पर सवाल खड़े कर दिए। अब नजर इस बात पर है कि प्रशासन जुलाई के अंत तक ड्रेनेज परियोजना पूरा करने का अपना दावा कितना पूरा कर पाता है।

रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

आरा। बिहार के भोजपुर जिले के युवाओं के लिए एक बेहद बड़ी, राहत भरी खबर सामने आ रही है। पढ़ाई पूरी करने के बाद नौकरी की तलाश में भटक रहे युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर अब खुद उनके शहर आ रहा है। आईसेक्ट इंडिया—रोजगार मंत्रा द्वारा 18 जुलाई 2026 को आरा में एक विशाल, पूर्णतः निःशुल्क रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेगा रोजगार मेले के जरिए विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में कुल 327 पदों पर सीधी भर्ती की जाएगी। चयनित अभ्यर्थियों को उनके हुनर और योग्यता के आधार पर अवसर दिए जाएंगे।

आठवीं पास से लेकर स्नातकों के लिए अलग-अलग पदों पर मौका: आईसेक्ट इंडिया के बिजनेस पार्टनर A3 इंटरनेशनल के प्रबंधक ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए यह एक बड़ा अभियान है। इस मेले में अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता वाले युवाओं के लिए वैकेंसी निकाली गई है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए न्यूनतम योग्यता 8वीं पास से लेकर स्नातक तक रखी गई है। इसमें विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणियों के कुल 327 पदों पर बहाली होगी। पदों के विवरण की बात करें तो सबसे ज्यादा 105 पद हेल्पर के लिए हैं। इसके अलावा उत्पादन कार्यकारी के 71, फील्ड एग्जीक्यूटिव (बैंकिंग) के 55, आईटीआई टेक्नीशियन के 45, सुपरवाइजर के 25 पदों पर भर्ती की जाएगी। तकनीकी क्षेत्र के युवाओं के लिए मोबाइल/लैपटॉप सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर इंजीनियर के 11 पद हैं। प्रशासनिक कार्यों के लिए रिसेप्शनिस्ट, काउंसलर, कंप्यूटर ऑपरेटर के 5-5 पद हैं। पूरी तरह निःशुल्क है भर्ती प्रक्रिया रोजगार मेले के आयोजकों ने युवाओं को आगाह करते हुए सख्त हिदायत दी है कि यह नौकरी और भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। नौकरी दिलाने के नाम पर किसी भी व्यक्ति को कोई भी शुल्क या गुप्त रूप से पैसा नहीं देना है। यदि कोई अभ्यर्थी किसी भी बिचौलिए या व्यक्ति को पैसा देता है, तो इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह उसी की होगी। संस्था और स्थानीय बुद्धिजीवियों ने क्षेत्र के तमाम बेरोजगार युवाओं से अपील की है कि वे समय पर अपना पंजीकरण कराएं। वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। वे अपने करियर को नई दिशा दें।

अपर पुलिस महानिदेशक ने किया 114वीं रैफ वाहिनी का निरीक्षण

कोईलवर। बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के अपर पुलिस महानिदेशक नैयर हसनैन खान ने गुरुवार को कोईलवर में 114वीं वाहिनी, द्रुत कार्य बल (रैफ) का निरीक्षण किया। इस दौरान वाहिनी के समादेष्टा अश्विनी कुमार झा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। मौके पर अश्वरोही विशेष सशस्त्र पुलिस के समादेष्टा मनीष कुमार सिन्हा सहित वाहिनी के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक ने बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के जवानों के लिए संचालित क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण का अवलोकन किया। उन्होंने प्रशिक्षण के सैद्धांतिक और व्यावहारिक, दोनों चरणों का निरीक्षण किया। प्रशिक्षुओं ने दंगा नियंत्रण, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने, विभिन्न सामरिक गठन, परिचालन संबंधी अभ्यास का प्रदर्शन किया। अपर पुलिस महानिदेशक ने यह प्रदर्शन भी देखा। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल जवानों के अनुशासन, आपसी समन्वय, तत्परता व पेशेवर दक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि द्रुत कार्य बल देश की अग्रणी विशेष पुलिस इकाइयों में से एक है। इसकी कार्यशैली, अनुशासन, त्वरित कार्रवाई की क्षमता, आमजन के प्रति संवेदनशील व्यवहार से बिहार पुलिस के अधिकारियों व जवानों को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रशिक्षण पुलिस बल की कार्यकुशलता बढ़ाएगा। अपर पुलिस महानिदेशक ने प्रशिक्षुओं से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान व कौशल का प्रभावी उपयोग करने का आह्वान किया।

गड्ढों में फंस रहे वाहन चालक, कोईलवर का चौक बना हादसों का हॉटस्पॉट

कोईलवर। नगर पंचायत, कोईलवर का सबसे व्यस्त व प्रमुख चौराहा माने जाने वाला कोईलवर चौक बदहाली का शिकार है। लोग इसे कोईलवर का ह्रदय स्थली कहते हैं, लेकिन यहां की हालात काफी बदतर है। चौक पर जगह-जगह बने बड़े और गहरे गड्ढे बरसात के दौरान राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। वर्षा का पानी भर जाने से गड्ढों की गहराई दिखाई नहीं देती और वाहन चालक अचानक उनजाते हैं। नतीजा यह है कि लगभग हर दिन बाइक सवार गिरकर चोटिल हो रहे हैं। जबकि ऑटो और छोटे चारपहिया वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। सिर्फ चौक ही नहीं, बल्कि कोईलवर-झलकुनगर-चांदी मार्ग के कई हिस्सों में सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है। लगातार बारिश और भारी वाहनों की आवाजाही ने छोटे-छोटे गड्ढों को बड़ी खाइयों में बदल दिया है। सड़क पर जमा पानी के कारण वाहन चालकों को यह समझ ही नहीं आता कि सामने सड़क है या गहरा गड्ढा। ऐसे में हर सफर जोखिम भरा बन गया है। कोईलवर चौक से प्रतिदिन हजारों लोग करते हैं आवागमन गौरतलब हो कि कोईलवर चौक से प्रतिदिन हजारों लोग आरा, पटना, चांदी, सकड्डी और आसपास के दर्जनों गांवों की ओर आवागमन करते हैं। इसके बावजूद सड़क की मरम्मति नहीं होने से लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद न तो गड्ढे भरे गए और न ही जलनिकासी की कोई स्थायी व्यवस्था की गयी। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मति नहीं हुई तो बरसात के मौसम में किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने संबंधित विभाग से तत्काल गड्ढे भरवाने और सड़क को दुरुस्त कराने की मांग की है। क्या कहते हैं स्थानीय लोग बरसात में गड्ढे पूरी तरह पानी से ढक जाते हैं। बाइक सवारों को पता ही नहीं चलता और वे गिरकर घायल हो जाते हैं। प्रेम कुमार स्थानीय निवासी झलकुनगर-कोईलवर मार्ग की हालत बेहद खराब है। पानी भरे गड्ढों में छोटे वाहन फंस रहे हैं और कई बार पलट भी जा रहे हैं। शशि कुमार, कोईलवर (वार्ड 1) नगर के सबसे व्यस्त चौक की यह हालत प्रशासन की उदासीनता को दिखाती है। हर बरसात में यही समस्या दोहराई जाती है।

वेल ड्रेस्ड होकर सरकारी स्कूल में पढ़ने आते हैं बच्चे

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर के राजपुर प्रखंड स्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय ने सरकारी स्कूलों की बदहाल व्यवस्था की धारणा को बदला है। कभी उपेक्षित रहा यह विद्यालय अब साफ-सुथरे परिसर, अनुशासित माहौल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दम पर निजी स्कूलों को कड़ी चुनौती दे रहा है। इसकी बदली हुई तस्वीर की चर्चा पूरे क्षेत्र में हो रही है। विद्यालय में बच्चों का नामांकन 85 से बढ़कर 152 हो गया है। यहां बिजली, स्वच्छ पेयजल, रैंप और शौचालय जैसी सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके साथ ही कला, खेलकूद और सह-पाठ्य गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शांत और अनुशासित माहौल में पढ़ाई होने से अभिभावकों का भरोसा सरकारी शिक्षा पर बढ़ा है।

विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने स्कूल को बदला: इस बदलाव के पीछे कोई अतिरिक्त सरकारी फंडिंग नहीं, बल्कि विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों की इच्छाशक्ति, जनप्रतिनिधियों और

ग्रामीणों का सहयोग है। कक्षा एक से पांच तक संचालित इस विद्यालय में वर्तमान में 152 बच्चे नामांकित हैं, जिनके लिए छह शिक्षक कार्यरत हैं। जहां अधिकांश सरकारी विद्यालयों में बच्चे बिना पूरी यूनिफॉर्म या अस्त-व्यस्त ड्रेस में पहुंचते हैं, वहीं इस विद्यालय का नजारा अलग है। यहां नामांकन के साथ ही बच्चों को विद्यालय की ओर से ड्रेस, टाई और बेल्ट उपलब्ध कराए जाते हैं। परिणामस्वरूप, विद्यालय का हर बच्चा साफ-सुथरी और पूरी स्कूल ड्रेस में दिखाई देता है।

स्मार्ट टीवी के माध्यम से दिखाया जाता है शैक्षणिक वीडियो: विद्यालय की लगभग हर दीवार को शैक्षणिक सामग्री से सजाया गया है। हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान और सामान्य ज्ञान सहित अनेक विषयों की जानकारी चित्रों और आकर्षक लेखन के माध्यम से दी गई है। इसके अलावा, महापुरुषों के चित्र भी लगाए गए हैं, जो बच्चों को नैतिक शिक्षा और प्रेरणा प्रदान करते हैं। विद्यालय में स्मार्ट टीवी के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां और शैक्षणिक वीडियो भी दिखाए जाते हैं।

एक साल में बदली विद्यालय की तस्वीर: प्रधान शिक्षक धनंजय मिश्रा बताते हैं कि उन्हें 22 जुलाई 2025 को इस विद्यालय का प्रभार मिला था। उस समय विद्यालय भवन तो ठीक था, लेकिन पढ़ाई जैसा माहौल नहीं था। विद्यालय की दीवारों पर वाल पेंटिंग कराई गई, परिसर को व्यवस्थित किया गया, चारदीवारी को बेहतर बनाया गया और उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग किया गया। इससे विद्यालय का पूरा वातावरण बदल गया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने कार्यभार संभाला था, तब विद्यालय में केवल 85 बच्चों का नामांकन था।

प्रशासनिक महकमे में खलबली

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। गुरुवार को शहर के अति सुरक्षित माने जाने वाले ट्रेजरी कार्यालय परिसर में मांस से लदी एक पिकअप वैन के घुसने से हड़कंप मच गया। जिस वक्त विभाग के कर्मचारियों को गाड़ी में भारी मात्रा में मांस होने का पता चला, पूरे ट्रेजरी कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। इस गंभीर लापरवाही और सुरक्षा में सेंधमारी की घटना के बाद प्रशासनिक महकमे में खलबली मची हुई है। ट्रेजरी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, आगामी 15 जुलाई 2026 को शहर के 12 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने वाली अभियोजन पदाधिकारी की प्रारंभिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं को भेजने की तैयारी चल रही थी। परीक्षा की इन अत्यंत गोपनीय सामग्रियों को पहुंचाने के उद्देश्य से ही परिवहन विभाग द्वारा इस पिकअप वैन को बुक कर ट्रेजरी कार्यालय भेजा गया था। जैसे ही ट्रेजरी विभाग, आरा के कर्मचारी उत्तर पुस्तिकाओं के सील पैकेट को गाड़ी में लादने के लिए पिकअप के पास पहुंचे, वैसे ही उनके होश उड़ गए। कर्मचारियों ने देखा कि गाड़ी के अंदर भारी मात्रा में मांस लदा हुआ था। अत्यंत संवेदनशील और गोपनीय सरकारी दस्तावेजों को ढोने वाली गाड़ी में मांस देखकर कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना ट्रेजरी विभाग के वरीय अधिकारियों को दी। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए ट्रेजरी विभाग ने तत्काल त्वरित कार्रवाई की। जांच और तलाश में जुटी पुलिस इस संबंध में नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी ने बताया कि ट्रेजरी ऑफिस की ओर से परिसर में मांस से भरी पिकअप गाड़ी आने की अधिकारिक सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम को तुरंत स्थल पर जांच और कार्रवाई के लिए भेजा गया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी चालक गाड़ी लेकर रफूचक्कर हो चुका था। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिसर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। गाड़ी में किस जानवर का मांस था या गाड़ी खाली था इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

बिहार स्टेट जूनियर अंडर-17 एवं अंडर-19 रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। आरा बिहार स्टेट जूनियर अंडर-17 एवं अंडर-19 रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट-2026 के दूसरे दिन आरा क्लब में गुरुवार को खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। टूर्नामेंट का आयोजन बिहार बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में भोजपुर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा किया जा रहा है। दूसरे दिन प्रतियोगिता की शुरुआत अंडर-17 बालक एकल वर्ग के दूसरे दौर के मुकाबलों से हुई। अधिकांश मैच सीधे सेटों में समाप्त हुए। कुछ मुकाबले तीन सेट तक चले। दर्शक रोमांचित रहे। अंडर-17 बालिका एकल वर्ग में भोजपुर की दीपाली ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने खगड़िया की वंशिका को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। पटना की सृजा, सहरसा की सौम्या सिंह, गया की नेहा कुमारी, पटना की तन्वी आर्या और मुजफ्फरपुर की सुहानी कुमार ने भी अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। अंडर-17 बालक वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में मुंगेर के अशादुल्लाह ने गया के केशव चौहान को हराया। पटना के अंकित कुमार ने खगड़िया के रौनक कुमार को हराया।

दोनों ने अंतिम आठ में स्थान बनाया। अंडर-19 बालक एकल वर्ग के मुकाबलों में पटना के सक्षम वत्स, आर्यन सिन्हा, अक्षर्व अथर्व और रणवीर सिंह ने शानदार जीत दर्ज की। समस्तीपुर के ईशांत राज, रोहतास के अमन कुमार, मुंगेर के पराग सिंह ने भी अपने प्रतिद्वंद्वियों को हरा अगले दौर में प्रवेश किया। कई मुकाबलों में खिलाड़ियों के बीच संघर्ष देखने को मिला। कुछ मैच तीन सेट तक चले। टूर्नामेंट में राज्य के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। भोजपुर जिला बैडमिंटन संघ के सचिव डॉक्टर बीके शुक्ला ने बताया कि बैडमिंटन में सफलता के लिए 21 अंकों की स्कोरिंग प्रणाली, सही सर्विस, मजबूत फुटवर्क, नियमित फिटनेस और मानसिक दृढ़ता आवश्यक है।

अभिनव ने नीट-यूजी में 1793वीं रैंक हासिल की

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 के परिणाम घोषित हो गए हैं। इसमें बक्सर जिले के दो छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। बक्सर के अभिनव मौर्य ने ऑल इंडिया रैंक 1793 हासिल की है, जबकि डुमरांव के अक्षत कुमार को ऑल इंडिया रैंक 12,833 मिली है। अभिनव मौर्य ने नीट परीक्षा में कुल 720 अंकों में से 645 अंक प्राप्त किए हैं। यह उनकी दूसरी कोशिश थी। पहले प्रयास में सफलता न मिलने के बावजूद उन्होंने अपनी तैयारी जारी रखी और इस बार देशभर में 1793वीं रैंक हासिल की।

डुमरांव में रहकर ऑनलाइन माध्यम से की तैयारी: डुमरांव के 19 वर्षीय अक्षत कुमार ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 12,833 और ओबीसी श्रेणी में 5,888वीं रैंक हासिल की। उनका कुल पर्सेंटाइल 99.3486 रहा। अक्षत ने अपनी तैयारी डुमरांव में रहकर ऑनलाइन माध्यम से की, बिना किसी बड़े शहर या महंगे कोचिंग संस्थान का सहारा लिए। अक्षत के पिता, सुरेंद्र मेहरा, मठिला के एक सरकारी विद्यालय में शिक्षक हैं, और उनकी माता कुमारी अंजू गृहिणी हैं। अक्षत ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर दसवीं और बारहवीं तक की पढ़ाई डुमरांव के कैम्ब्रिज स्कूल से पूरी की है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और डुमरांव के चिकित्सक डॉ. राजेश सिंह को दिया, जिनसे प्रेरित होकर उन्होंने डॉक्टर बनने का लक्ष्य निर्धारित किया।

हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई सफलता: अक्षत का सपना केवल डॉक्टर बनना नहीं, बल्कि भविष्य में ऐसा अस्पताल स्थापित करना है, जहां गरीब और जरूरतमंद लोगों को कम खर्च में बेहतर इलाज मिल सके। वहीं अभिनव मौर्य की सफलता भी यह संदेश देती है कि असफलता अंत नहीं होती, बल्कि नई शुरुआत का अवसर होती है। दोनों छात्रों की सफलता पर परिजनों, शिक्षकों और जिले के लोगों ने खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। बक्सर के इन दो होनहारों ने यह साबित कर दिया कि लगन, अनुशासन और मेहनत के बल पर छोटे शहरों के विद्यार्थी भी राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उनकी सफलता जिले के हजारों विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

निक्षय दिवस लोगों को किया जागरूक, भोजपुर के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में टीबी स्क्रीनिंग

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत गुरुवार को निक्षय दिवस के उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न प्रखंडों के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में विशेष टीबी स्क्रीनिंग अभियान चलाया गया। जिला स्वास्थ्य समिति की ओर से आयोजित इस अभियान में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ), पीएसपी, एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं ने लोगों की जांच की। उन्हें टीबी के लक्षण, कारण, बचाव, समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया। आरा सदर प्रखंड के अलीपुर आयुष्मान आरोग्य मंदिर के अंतर्गत महादलित टोला में सीएचओ रौनिका के नेतृत्व में घर-घर जाकर 58 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गई। इस दौरान टीम ने ग्रामीणों को बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, वजन कम होना, बुखार,

रात में पसीना आना टीबी के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत जांच कराने की सलाह दी गई। जिले के अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी निक्षय दिवस के तहत व्यापक स्क्रीनिंग अभियान चलाया गया। कोईलवर प्रखंड के धनडिहा केंद्र पर अबु शबाब की सहभागिता से 26 लोगों की जांच हुई। गड़हनी प्रखंड के बगवा केंद्र पर सीएचओ अजय कुमार ने 30 लोगों की स्क्रीनिंग की। बड़हरा प्रखंड के नथमलपुर केंद्र पर सीएचओ महबूब आलम के नेतृत्व में 28 लोगों की जांच की गई। बड़हरा प्रखंड के बबुरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ आरती कुमारी और सीएचओ-पीएसपी की टीम ने 43 लोगों की स्क्रीनिंग की। वहीं फून्हा केंद्र पर सीएचओ अंकिता कुमारी की देखरेख में 28 लोगों की जांच की गई। टीबी से बचाव के उपाय बताए गए। चरपोखरी प्रखंड के नगरांव आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ नीतू मंडोतिया ने 100 लोगों की स्क्रीनिंग की। संदिग्ध मरीजों की पहचान की गई। उन्हें आगे की जांच के लिए प्रेरित किया गया। वहीं संदेश प्रखंड के फुलारी आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सीएचओ स्नेहलता कुमारी के नेतृत्व में 38 लोगों की टीबी जांच की गई। जिला यक्षमा पदाधिकारी डॉ. ए अहमद ने बताया कि टीबी एक संक्रामक लेकिन पूरी तरह इलाज योग्य बीमारी है। दो सप्ताह से अधिक खांसी, बुखार, वजन घटना या रात में पसीना आने पर तुरंत सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में मुफ्त जांच कराएं। खांसते-छींकते समय मुंह ढकें, मास्क पहनें और मरीजों को निक्षय पोषण योजना का लाभ दिलाएं।

करंट लगने से किसान की मौत

♦ बारिश के बीच घर से बाहर निकले थे, बिजली के पोल में हाथ सटने से लगा झटका

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर में करंट लगने से किसान की मौत हो गई। मृतक की पहचान डुमरिया गांव निवासी कुंवर यादव(52) के तौर पर हुई है। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र की है। मृतक के बेटे बबलू यादव ने बताया कि घर बाहर ही बिजली का पोल गड़ा हुआ है। तेज बारिश हो रही थी। इसी बीच पिताजी बाहर चले गए। वापस लौटते समय उनका हाथ पोल में सट गया। झटका लगते ही जमीन पर गिर पड़े। कुछ देर बाद मैं जब बाहर निकला, देखा कि मृत अवस्था में पड़े हुए हैं। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

घर में मचा कोहराम: सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने परिजनों को शव सौंप दिया। मृतक पांच भाई-बहन में तीसरे नंबर पर थे। परिवार में पत्नी धमरजिया देवी, चार पुत्र पवन यादव, बबलू यादव, पप्पू यादव, राजा यादव और एक पुत्री रेखा कुमारी है। मौत के बाद घर में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को शहीद भवन से आंबेडकर चौक तक आक्रोश मार्च निकाला गया। आक्रोश मार्च का नेतृत्व जिला अध्यक्ष श्रीधर तिवारी ने किया। कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया। डॉ. श्रीधर तिवारी ने कहा कि राम मंदिर निर्माण से लेकर चढ़ावे के प्रबंधन तक अनियमितताएं हुई हैं और इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई से कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान ट्रस्ट को भंग कर मंदिर का प्रबंधन सेना, संत समाज अथवा सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में कराया जाए। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि मंदिर निर्माण और चढ़ावे से जुड़े मामलों में वास्तविक दोषियों पर कार्रवाई नहीं हो रही है।

एक पेड़, एक जिंदगी, नगर पंचायत गड़हनी में लोगों ने किया पौधरोपण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गड़हनी। देश भर में 75 लाख से अधिक पौधरोपण करने-कराने के लक्ष्य का दैनिक भास्कर का महाभियान गुरुवार को गड़हनी नगर पंचायत कार्यालय में चला। पर्यावरण संरक्षण को महाभियान का स्वरूप देने के उद्देश्य से दैनिक भास्कर का महाभियान "एक पेड़, एक जिंदगी" के तहत गुरुवार को नगर पंचायत गड़हनी परिसर में 35 पौधरोपण हुए। पौधों का वितरण भी हुआ। कार्यक्रम में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और वार्ड पार्षदों ने पौधे लगाए। लोगों से प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया। इसमें कार्यपालक पदाधिकारी वरुण कुमार दुबे, उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार उर्फ बबलू सिंह, मुख्य पार्षद प्रतिनिधि तस्लीम आरिफ उर्फ गुड्डू, स्वच्छता पर्यवेक्षक विनीता कुमारी, वार्ड पार्षद मुन्ना राम, चंदन कुमार सोनी, कनीय अभियंता सुनील कुमार, पार्षद प्रतिनिधि दीपक ओझा, नाजिर पंकज कुमार, असलम अंसारी, सरोज कुमार मिश्रा, गुड्डू कुमार, जितेंद्र कुमार यादव

सहित कई वार्ड पार्षदों ने नगर पंचायत परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस दौरान दैनिक भास्कर के ब्यूरो चीफ राकेश कुमार सिंह, दैनिक भास्कर के बिजनेस पार्टनर सह आरा नगर निगम के पूर्व पार्षद अमरेंद्र चौबे, पत्रकार अमित कुमार सिंह, कंचन सिंह और अन्य भी मौजूद थे। सभी ने यह संकल्प लिया कि जीवन में कम-से-कम एक पेड़ जरूर लगाएंगे। पर्यावरण बचाएंगे। हरित भविष्य के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाएंगे।

साल में एक पौधा जरूर लगाएं और उसकी देखभाल करें: तस्लीम: कार्यक्रम के दौरान मुख्य पार्षद प्रतिनिधि तस्लीम आरिफ उर्फ गुड्डू ने कहा कि तेजी से घटती हरियाली और बढ़ते प्रदूषण के बीच पौधरोपण केवल एक औपचारिकता नहीं है। यह आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की जिम्मेदारी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है।

पौधरोपण एक सामाजिक कार्य: सुनयन: उप मुख्य पार्षद सुनय कुमार परमार ने कहा कि पौधरोपण ही सृष्टि को बचा सकता है। पेड़-पौधों से हमें फूल, फल, औषधि और इमारती लकड़ियां प्राप्त होती हैं। पौधरोपण समाज-उपयोगी कार्य है। ग्लोबल वार्मिंग के नियंत्रण के लिए पौधरोपण जरूरी: कार्यपालक पदाधिकारी कार्यपालक पदाधिकारी वरुण कुमार दुबे ने दैनिक भास्कर की इस सामाजिक पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। समाज को सकारात्मक संदेश देते हैं। लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग को पौधरोपण के माध्यम से ही नियंत्रित किया जा सकता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

गोल इंस्टिट्यूट के छात्रों का शानदार प्रदर्शन, 500 से अधिक को सरकारी मेडिकल कॉलेज मिलने की उम्मीद

नीट 2026

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (NEET) 2026 में गोल इंस्टिट्यूट के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बिहार और झारखंड का गौरव बढ़ाया है। शुक्रवार को बुद्धा कॉलोनी स्थित गोल बिल्डिंग में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संस्थान ने अपने मेधावी विद्यार्थियों के परिणामों की औपचारिक घोषणा की। संस्थान का दावा है कि प्रारंभिक परिणामों और रैंक के विश्लेषण के आधार पर उसके 500 से अधिक विद्यार्थियों के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिलने की प्रबल संभावना है। परिणामों का संकलन अभी जारी है, इसलिए सफल विद्यार्थियों की संख्या में और वृद्धि होने की उम्मीद जताई जा रही है।

संस्थान के छात्र रवि कांत दिवाकर ने 720 में से 695 अंक प्राप्त कर जनरल ऑल इंडिया रैंक (AIR) 55 तथा कैटेगरी AIR-3 हासिल किया। इसके अलावा कमल नयन ने 671 अंकों के साथ AIR-460, केशव कुमार ने 660 अंकों के साथ AIR-901, अनुष्का कश्यप ने 660 अंकों के साथ AIR-937 तथा सृष्टि राज ने 652 अंकों के साथ AIR-1290 प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया। इन शानदार परिणामों ने एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के क्षेत्र में गोल इंस्टिट्यूट की मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था को साबित किया है।

गोल इंस्टिट्यूट के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर बिपिन सिंह ने सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि केवल अंकों और रैंक की सफलता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के कठिन परिश्रम, अभिभावकों के विश्वास और संस्थान की पूरी शैक्षणिक टीम के सामूहिक समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाना नहीं, बल्कि उन्हें संवेदनशील, जिम्मेदार और उत्कृष्ट चिकित्सक के रूप में तैयार करना भी है।

संस्थान के असिस्टेंट डायरेक्टर रंजय सिंह ने कहा कि प्रत्येक सफल विद्यार्थी की उपलब्धि के पीछे संघर्ष, अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास की लंबी यात्रा रही है। उन्होंने कहा कि गोल इंस्टिट्यूट ने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ-साथ व्यक्तिगत देखभाल, भावनात्मक सहयोग और निरंतर प्रेरणा उपलब्ध कराई, जिसका सकारात्मक परिणाम इस वर्ष के शानदार रिजल्ट के रूप में सामने आया है। आर एंड डी हेड आनंद वत्स ने बताया कि नीट जैसी कठिन परीक्षा में सफलता के लिए केवल पाठ्यक्रम पूरा करना पर्याप्त नहीं होता। नियमित टेस्ट, प्रश्नों का वैज्ञानिक विश्लेषण, त्रुटियों की पहचान और समयबद्ध सुधार की रणनीति ने विद्यार्थियों की तैयारी को अधिक प्रभावी बनाया। वहीं संस्थान के एकेडमिक हेड गौरव सिंह ने कहा कि नियमित कक्षाएं, व्यवस्थित टेस्ट सीरीज, डाउट सेशन, प्रदर्शन विश्लेषण और कमजोर विषयों पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन ने विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनकी सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संस्थान ने घोषणा की कि नीट 2026 में सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में 26 जुलाई 2026 को पटना के बापू सभागार में भव्य "सफलता सम्मान समारोह" आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा तथा उनके अभिभावकों, शिक्षकों, चिकित्सकों, शिक्षाविदों और विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति रहेगी। गोल इंस्टिट्यूट ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे भविष्य में उत्कृष्ट चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

संक्षिप्त समाचार

महनार लूटकांड में केस डायरी नहीं भेजने पर कार्रवाई, वर्तमान अनुसंधानकर्ता का वेतन रोका

हाजीपुर। महनार लूटकांड की जांच में लापरवाही बरतने पर न्यायालय ने सख्त कार्रवाई की है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे-12) ने वर्तमान अनुसंधानकर्ता का वेतन बंद करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई केस डायरी समय पर न्यायालय में प्रस्तुत न करने के कारण की गई है। यह मामला 18 नवंबर 2025 को महनार थाना क्षेत्र के चकेशो गांव में हुई हथियारबंद लूट की घटना से संबंधित है। रामनरेश सहनी के पुत्र रत्नेश कुमार अपनी पत्नी प्रीति कुमारी के साथ मोटरसाइकिल से ससुराल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तीन अज्ञात अपराधियों ने उनकी बाइक रोक ली। एक बदमाश ने रत्नेश कुमार की कनपटी पर पिस्तौल सटा दी। अन्य दो अपराधियों ने उनकी पत्नी के गले से मंगलसूत्र, कान की बाली और काला बैग छीन लिया। लूटे गए बैग में सोने की अंगूठी, चांदी का पायल, कपड़े और आवश्यक कागजात रखे हुए थे। अपराधियों ने पीड़ित का वीवो कंपनी का मोबाइल, उनकी पत्नी का रेडमी मोबाइल और पर्स में रखे 5 हजार रुपये नकद भी लूट लिए। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। पीड़ित के आवेदन पर महनार थाना में कांड संख्या 442/25 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया था। प्रारंभिक अनुसंधान की जिम्मेदारी उप-निरीक्षक उदय कुमार सिंह को सौंपी गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने पाया कि वर्तमान अनुसंधानकर्ता द्वारा निर्धारित समय पर केस डायरी न्यायालय में उपलब्ध नहीं कराई गई। इससे न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हुई। एडीजे-12 ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए वर्तमान अनुसंधानकर्ता का वेतन बंद करने का आदेश पारित किया।

35 कार्टन विदेशी शराब- बीयर जब्त

हाजीपुर। वैशाली के करताहा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर बरामद की है। इस मामले में भगवान भटौली निवासी सोनू पासवान के खिलाफ बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। करताहा थानाध्यक्ष कुणाल कुमार आजाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सोनू पासवान ने अजय सिंह से कठगेना स्थित खेत लीज पर लिया है। इस जगह पर एक झोपड़ी बनाकर अवैध शराब का कारोबार चलाया जा रहा था। सूचना की पुष्टि के बाद, वरीय अधिकारियों को सूचित कर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर आसपास के ग्रामीण भी जमा हो गए। झोपड़ी में ताला लगा होने के बावजूद, कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, झोपड़ी से 180 एमएल मैकडॉवेल्स अंग्रेजी शराब के दो कार्टन बरामद हुए, जिनमें कुल 91 बोतलें (16.38 लीटर) थीं। इसके अतिरिक्त, 375 एमएल मैकडॉवेल्स अंग्रेजी शराब के दो कार्टन से 48 बोतलें (26.625 लीटर) भी मिलीं। पुलिस ने मौके से 500 एमएल किंगफिशर स्ट्रॉन्ग प्रीमियम बीयर के 35 कार्टन और एक ट्रे में रखी 16 अतिरिक्त बोतलें भी जब्त कीं। कुल मिलाकर, 428 लीटर बीयर बरामद की गई। बरामद सभी शराब और बीयर की बोतलों पर बैच नंबर और निर्माण तिथि घिसी हुई पाई गई। साथ ही, उन पर "फॉर सेल इन अरुणाचल प्रदेश ऑनली" अंकित था, जिससे अवैध तस्करी की आशंका और गहरी हो गई है। पुलिस ने बरामद सभी शराब और बीयर को जब्त कर करताहा थाना लाया है। आरोपी सोनू पासवान के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

युवक की चाकू मारकर हत्या, आरोपी के घर पर हंगामा

हाजीपुर। वैशाली में 2 दिन पहले चाकू के हमले में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद आक्रोशित लोगों ने युवक का शव लेकर आरोपी के घर के बाहर हंगामा किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को शांत कराया। यह घटना वैशाली के सदर थाना क्षेत्र के दिग्घी कला पूर्वी की है। मृतक की पहचान जितेंद्र दास के रूप में हुई है, वो टाइल्स का काम करता था। पुलिस के अनुसार, सदर थाना क्षेत्र स्थित दिग्घी रेलवे लाइन के पास दो पक्षों के बीच झगड़ा हो रहा था। जितेंद्र दास वहां खड़े होकर यह झगड़ा देख रहा था। इसी दौरान एक पक्ष के लोगों ने जितेंद्र को दूसरे पक्ष का समर्थक समझकर उस पर चाकू से कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें गंभीर हालत में इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जितेंद्र का शव घर पहुंचने पर सैकड़ों लोग आक्रोशित हो गए और उसे लेकर आरोपी के घर पहुंच गए, जहां उन्होंने हंगामा किया। सदर एसडीपीओ भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। हालांकि, परिजनों ने घटना का अलग कारण बताया है। उनका आरोप है कि रेलवे लाइन के पास अक्सर नशेड़ियों का जमावड़ा रहता है। जितेंद्र काम से घर लौट रहा था, तभी आरोपी युवकों ने उससे हेरोइन खरीदने के लिए पैसे मांगे। जब जितेंद्र ने पैसे देने से इनकार किया, तो सभी आरोपियों ने उसे चाकू से गोद दिया। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र की पीएमसीएच में मौत हो गई। सदर एसडीपीओ ने बताया कि इस मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। हालांकि, सभी आरोपी अपने घरों से फरार हैं।

3 ट्रकों की टक्कर में बुजुर्ग की मौत, सड़क किया जाम

हाजीपुर। वैशाली के महुआ-हाजीपुर सड़क पर फुलवरिया गांव के पास शुक्रवार सुबह तीन ट्रकों की भीषण टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में फुलवरिया गांव निवासी 60 वर्षीय पोषण महतो की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना सुबह करीब सात बजे हुई। एक ट्रक चालक अपनी गाड़ी रोककर टायर की जांच कर रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक हाईवा ने उसमें टक्कर मार दी। कुछ ही मिनटों बाद, पीछे से आ रहे एक तीसरे 12 चक्का ट्रक ने अपना संतुलन खो दिया। इससे पास में खड़े पोषण महतो को अपनी चपेट में ले लिया और फिर दूसरे ट्रक से टकरा गया। इसी हादसे में पोषण महतो की जान चली गई। पोषण महतो की मौत से आक्रोशित स्थानीय ग्रामीणों ने महुआ-हाजीपुर सड़क को जाम कर दिया। इससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर महुआ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया। इस संबंध में महुआ थाना अध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि सबसे आगे खड़ा ट्रक खराब था। पीछे से एक हाईवा और एक अन्य ट्रक ने टक्कर मारी, जिसमें एक स्थानीय व्यक्ति की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से एक हाईवा और एक ट्रक जब्त कर लिया गया है, और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कंटेनर-बाइक की टक्कर, बच्चा सहित युवक घायल

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना हुई। इसमें बाइक सवार एक युवक और एक बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना काजी इंडा चौक पर हुई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मुजफ्फरपुर शहर की ओर से समस्तीपुर जा रहा एक कंटेनर काजी इंडा चौक के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों व्यक्ति सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से चोटिल हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय निवासियों और एक गाड़ी ड्राइवर की सहायता से घायलों को बिना किसी देरी के निजी अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि उन्हें समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। घायलों की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र की चैनपुर वाजिद पंचायत के चैनपुर गांव के निवासी के रूप में हुई है। हालांकि, फिलहाल, डॉक्टरों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति के संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है। घटना की सूचना मिलने पर मनियारी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना के कारणों और कंटेनर चालक की भूमिका की पड़ताल कर रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि काजी इंडा चौक पर अक्सर तेज रफ्तार और अव्यवस्थित यातायात के कारण दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

अवैध बालू खनन पर बड़ी कार्वाई, तीन ट्रैक्टर व एक ट्रॉली जब्त

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिहटा। पटना जिले के बिहटा थाना क्षेत्र में अवैध बालू खनन के खिलाफ पुलिस और जिला खनन विभाग ने संयुक्त अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। परेव इलाके में छापेमारी के दौरान अवैध खनन में इस्तेमाल किए जा रहे तीन ट्रैक्टर और एक ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किया गया। पुलिस की कार्रवाई से खनन माफियाओं में हड़कंप मच गया और कई लोग मौके से वाहन छोड़कर फरार हो गए। बिहटा थाना प्रभारी अमित कुमार ने शुक्रवार को बताया कि जिला खनन विभाग के साथ मिलकर अवैध बालू खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सरकार के निर्देशानुसार इस अवैध कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और सभी के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जब्त किए गए वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की विधिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही फरार ट्रैक्टर चालकों और अवैध खनन से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। थाना प्रभारी ने कहा कि अवैध बालू खनन के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बिहार में 'केयर इकोनॉमी' को मिलेगी नई मजबूती, 1050 आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र विकसित होंगे; वेदांता और जेरोधा के साथ एमओयू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार में महिलाओं और बच्चों के समग्र विकास के साथ-साथ 'केयर इकोनॉमी' को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। महिला एवं बाल विकास निगम और समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला के दौरान आईसीडीएस निदेशालय ने वेदांता लिमिटेड और जेरोधा ब्रोकिंग लिमिटेड के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत राज्य में 1050 नए और आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्रों का विकास किया जाएगा, जिससे बच्चों और महिलाओं को बेहतर पोषण, प्रारंभिक शिक्षा और देखभाल की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

समझौते के अनुसार वेदांता लिमिटेड राज्यभर में 1000 आंगनबाड़ी केंद्रों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस कर 'नंदघर' के रूप में विकसित करेगा। वहीं, जेरोधा ब्रोकिंग लिमिटेड दरभंगा जिले के 50 आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण करेगी। इस पहल का उद्देश्य निजी क्षेत्र की भागीदारी से आंगनबाड़ी सेवाओं को अधिक प्रभावी, आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज कल्याण मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने कहा कि यह पहल बच्चों और महिलाओं के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रारंभिक बाल देखभाल एवं पोषण सेवाओं को नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में देखभाल सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ेगी, इसलिए 'केयर इकोनॉमी' को संगठित स्वरूप देकर औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने समाज में देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को लेकर सोच बदलने पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा कि बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें पुरुषों की भी समान भागीदारी होनी चाहिए। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं को पंचायती राज संस्थाओं में 50 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण पूरे समाज के विकास का आधार है। उन्होंने निजी क्षेत्र से भी अपील की कि वह केयर वर्क को सम्मानजनक पहचान दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राजस्व पर्षद की अध्यक्ष-सह-सदस्य श्रीमती हरजोत कौर बम्हरा ने केयर इकोनॉमी में बालिकाओं के सशक्तिकरण पर विशेष बल दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों की देखभाल के लिए पुरुषों को भी चाइल्ड केयर लीव का प्रावधान उपलब्ध कराने पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए, ताकि देखभाल की जिम्मेदारियां समान रूप से साझा की जा सकें।

कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों ने बिहार में केयर इकोसिस्टम को मजबूत बनाने पर अपने विचार रखे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार और दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने केयर वर्कफोर्स के कौशल विकास, गुणवत्ता मानकों और सामुदायिक स्तर पर बुजुर्गों की देखभाल की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया। वहीं, विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने बाल देखभाल, दिव्यांगजन सहायता, केयर प्रोवाइडर्स की पेशेवर दक्षता, वैश्विक सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों तथा बदलती जनसांख्यिकीय परिस्थितियों के अनुरूप देखभाल सेवाओं के विस्तार पर अपने सुझाव साझा किए।

कार्यशाला का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास निगम की प्रबंध निदेशक डॉ. प्रीति के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एच. आर. श्रीनिवास ने कार्यशाला के उद्देश्यों तथा केयर इकोनॉमी से जुड़े संस्थागत और नीतिगत पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

20 जुलाई से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र की तैयारियां पूरी, अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। 20 जुलाई 2026 से प्रारंभ होने जा रहे बिहार विधानसभा के अष्टादश विधान सभा के तृतीय सत्र के सफल, शांतिपूर्ण एवं सुचारू संचालन को लेकर शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में सर्वदलीय नेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने सदन की कार्यवाही को सकारात्मक माहौल में संचालित करने तथा अध्यक्ष को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

बैठक को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सत्र के सफल संचालन के लिए सभी दलों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी सत्र में जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी और सत्ता पक्ष एवं विपक्ष मिलकर जनता की समस्याओं के समाधान की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि विधानसभा की स्थापित परंपराओं, नियमों और कार्य संचालन नियमावली के अनुरूप सदन की कार्यवाही संचालित की जाएगी तथा प्रश्नकाल किसी भी स्थिति में बाधित नहीं होना चाहिए।

बैठक में शून्यकाल और ध्यानाकर्षण सूचनाओं को ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त करने के प्रस्ताव पर भी विस्तृत चर्चा हुई। दलीय नेताओं के सुझाव के बाद अध्यक्ष ने निर्णय लिया कि शून्यकाल की ऑनलाइन सूचनाएं सुबह 8 बजे से 9 बजे तक तथा ध्यानाकर्षण की सूचनाएं 9 बजे से 10 बजे तक स्वीकार की जाएंगी।

डॉ. प्रेम कुमार ने सभी दलों के नेताओं से आग्रह किया कि वे अपने-अपने सदस्यों को सदन की कार्यवाही में अनुशासित, सक्रिय और रचनात्मक भागीदारी के लिए प्रेरित करें, ताकि प्रश्नकाल, शून्यकाल, विधायी कार्यों और जनहित के मुद्दों पर गंभीर एवं प्रभावी चर्चा हो सके।

बैठक में सभी दलों के नेताओं ने सदन के सुचारू संचालन के लिए अध्यक्ष को सकारात्मक सहयोग देने की सहमति व्यक्त की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव, सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक संजीव चौरसिया, मुख्य विपक्षी दल के मुख्य सचेतक कुमार सर्वजीत, सचेतक राजू तिवारी तथा विधायक आलोक कुमार मेहता, अजय कुमार, अरुण सिंह, माधव आनंद, इन्द्रजीत प्रसाद गुप्ता, अख्तरूल ईमान, सतीश कुमार सिंह यादव और अभिषेक रंजन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बगहा में बारिश, 4 जिलों में अलर्ट, पटना में उमस भरी गर्मी, 37 डिग्री पहुंचा पारा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बगहा में शुक्रवार की दोपहर बारिश हुई। हालांकि, बिहार में अगले 2 दिनों तक मौसम सामान्य बना रहेगा। विभाग की माने तो आज रोहतास, औरंगाबाद, गया और नालंदा के कुछ हिस्सों में 50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। हालांकि बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। पटना समेत कई जिलों में उमस भरी गर्मी रहेगी। शाम में ठंडी हवा चल सकती है। बीते 24 घंटे में बगहा, बेतिया, रक्सौल, सीतामढ़ी और नालंदा, औरंगाबाद और सुपौल में तेज बारिश हुई।

उधर, नेपाल में हो रही बारिश के बाद बिहार में बाढ़ का खतरा बढ़ने लगा है। कोसी, गंडक, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। कोसी बराज से आज सुबह 6 बजे 1 लाख 53 हजार 550 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। बगहा के सिसई और चिउरही पंचायत के करीब 300 घरों के लोग धनहा-रतवल मुख्य मार्ग किनारे तंबू में रहने को मजबूर हैं। मानसून की मुख्य ट्रफ लाइन बिहार के ऊपर लगातार नहीं बनी हुई है। इसके कारण राज्य में व्यापक और लगातार बारिश के लिए अनुकूल परिस्थितियां नहीं बन पा रही हैं। बंगाल की खाड़ी में फिलहाल ऐसा मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम विकसित नहीं हुआ है, जो बिहार में व्यापक भारी बारिश करा सके। इसलिए केवल छिटपुट बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन रही है।

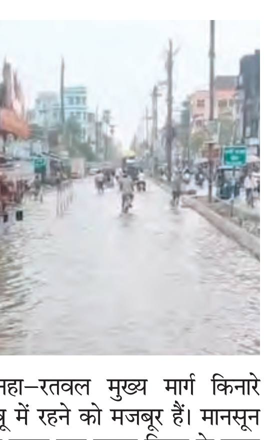

मानसून अलर्ट: पटना में जलजमाव रोकने के लिए विशेष तैयारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। मानसून के दौरान पटना शहर और आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव की समस्या से निपटने के लिए बिहार शहरी आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड (बुडको) ने विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की है। जलनिकासी के लिए 7 अति संवेदनशील स्थायी ड्रेनेज पंपिंग स्टेशनों पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक इंजीनियरों की तैनाती की गई है। यह व्यवस्था 31 जुलाई तक लागू रहेगी। इसके तहत पहाड़ी, योगीपुर, सैदपुर, मंदिरी, राजापुर-गोसाईटोला, कुर्जी और ईको पार्क डीपीएस पर इंजीनियरों की रातभर विशेष ड्यूटी लगाई गई है।

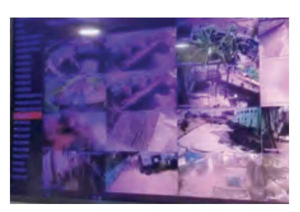

बुडको के एमडी अनिमेष कुमार पराशर ने प्रतिनियुक्त इंजीनियरों को निर्देश दिया है कि वे अलर्ट मोड में रहें। किसी भी तकनीकी खराबी या जलजमाव की शिकायत पर अविलंब कार्रवाई करें। ये इंजीनियर अगले अधिकारी के पहुंचने तक पंपिंग स्टेशन पर मौजूद रहेंगे और पंपों के सुचारु संचालन के साथ बारिश होने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। पहले से संप पर 3 शिफ्टों में ऑपरेटर की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी पंपिंग स्टेशनों में वाटर लेवल को मॉनिटर किया जा रहा है। बुडको का एक कंट्रोल रूम तैयार किया गया है। इस कंट्रोल रूम में 24 घंटे मॉनिटरिंग के लिए तीन पालियों में कर्मी मौजूद हैं। सुबह 6 से दोपहर 2, दोपहर 2 से रात 10 और रात 10 से सुबह 6 बजे तक तीन पाली में कंट्रोल रूम संचालित हो रही है। हर पाली में एक पदाधिकारी/उप-परियोजना निदेशक और दो डाटा एंट्री ऑपरेटर तैनात किये गए हैं।

एसबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन ने 25वीं बार आयोजित किया रक्तदान शिविर, 211 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन, पटना मंडल की ओर से शुक्रवार को लगातार 25वीं बार रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्थानीय प्रधान कार्यालय, पटना के कैंटीन, आंचलिक कार्यालय पटना, गयाजी, रांची, भागलपुर और पूर्णिया सहित विभिन्न केंद्रों पर आयोजित किया गया। इस दौरान एसोसिएशन के सदस्यों और बैंक कर्मियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर सामाजिक सरोकार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

स्थानीय प्रधान कार्यालय, पटना में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी, पूर्व महासचिव अजीत कुमार मिश्रा, दक्षिण बिहार के महाप्रबंधक योगेंद्र शेल्के, उत्तर बिहार के महाप्रबंधक विजय कुमार शामल, एसोसिएशन के महासचिव अमरेश विक्रमादित्य, अध्यक्ष रंजन कुमार सिंह तथा सेवा के महासचिव लक्ष्मी नारायण पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर महासचिव अमरेश विक्रमादित्य ने बताया कि 17 जुलाई 2000 को पटना में हुए विमान हादसे में एसोसिएशन के तत्कालीन महासचिव एच.एस. राठौर एवं तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. के.सी. मिश्रा का निधन हो गया था। उनकी पुण्य स्मृति में एसोसिएशन वर्ष 2001 से प्रत्येक वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन कर रही है। इस वर्ष पटना में आयोजित शिविर का संचालन मां ब्लड सेंटर एवं प्रथमा ब्लड सेंटर के सहयोग से किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक अनुराग जोशी ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन लोगों का जीवन बचाया जा सकता है और समाज के प्रति इस प्रकार की जिम्मेदारी निभाना अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने एसबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा पिछले 25 वर्षों से लगातार चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना करते हुए इसे सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 16 जून को भी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया था। शुक्रवार को आयोजित इस अभियान के दौरान एसबीआई ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा विभिन्न ब्लड सेंटरों को कुल 211 यूनिट रक्त उपलब्ध कराया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी साबित होगा।

श्रावणी मेला : बैद्यनाथ धाम-बासुकीनाथ की सुरक्षा में तैनात होंगे 14 हजार से अधिक जवान, पुलिस मुख्यालय ने जारी की एडवाइजरी

एजेंसी। रांची

विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) और बाबा बासुकीनाथ धाम (दुमका) में आयोजित होने वाले श्रावणी मेला-2026 को लेकर झारखंड पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए राज्य पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को सतर्कता बरतने और व्यापक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी पत्र में राज्य के सभी उपायुक्तों, वरीय पुलिस अधीक्षकों और पुलिस अधीक्षकों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और अपराध नियंत्रण को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। वहीं, बिहार पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर सुल्तानगंज से देवघर तक करीब 105 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ की सुरक्षा के लिए संयुक्त कार्ययोजना तैयार की गई है। पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) नरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि श्रावणी मेला-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की जा रही है और आधुनिक तकनीक, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों तथा बिहार पुलिस के साथ समन्वय कर पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, इस वर्ष श्रावणी मेला 30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग और बाबा

बासुकीनाथ मंदिर में जलार्पण और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचेंगे। सावन के सोमवार को श्रद्धालुओं की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि होने की संभावना को देखते हुए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं। जारी निर्देश में बताया गया है कि तीन अगस्त, 10 अगस्त, 17 अगस्त (नाग पंचमी) और 24 अगस्त को पड़ने वाले सावन के सोमवार को भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसके अलावा 29 जुलाई को आषाढ़ पूर्णिमा के अवसर पर देवघर-दुम्मा स्थित झारखंड प्रवेश द्वार पर आयोजित होने वाले श्रावणी मेला उद्घाटन समारोह में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। इसे देखते हुए संबंधित जिलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने को कहा गया है। श्रावणी मेले के दौरान शिवभक्त कांवड़िये बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल लेकर करीब 105 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हुए देवघर पहुंचते हैं और बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक करते हैं। अंतिम सोमवार यानी 24 अगस्त को सबसे अधिक भीड़ रहने की संभावना है। पुलिस मुख्यालय ने कांवड़िया पथ पर पर्याप्त संख्या में पुलिस गश्ती दल तैनात करने, मार्ग के आसपास स्थित गांवों में असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखने और फरार एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मंदिर परिसर, कांवड़िया पथ और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों तथा लावारिस वस्तुओं पर विशेष नजर रखने को कहा गया है। संभावित भगदड़, भारी बारिश या अन्य आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए विशेष तैयारी की जा रही है। प्रमुख मार्गों पर 24 घंटे एंबुलेंस, चिकित्सक, आवश्यक दवाइयां और जीवनरक्षक उपकरण उपलब्ध रहेंगे। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर बच्चों के लिए खोया-पाया केंद्र स्थापित किए जाएंगे। श्रद्धालुओं के विश्राम स्थलों पर शेड, सुरक्षा और स्वच्छता की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा मार्ग में पड़ने वाले होटल, लॉज और धर्मशालाओं की सुरक्षा जांच भी कराई जाएगी। कांवड़िया मार्ग पर झुके हुए या कम ऊंचाई वाले बिजली के तारों की मरम्मत, फ्लोरोसेंट टेप और रिफ्लेक्टर लगाने, बारिश के कारण उत्पन्न गंदगी की नियमित सफाई तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली सामान की बिक्री रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। श्रावणी मेला की सुरक्षा व्यवस्था के लिए देवघर और वासुकीनाथ में 14 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इनमें आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस), रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ), झारखंड जगुआर, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की महिला बटालियन की चार कंपनियां, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वायड और सादे लिबास में स्पेशल ब्रांच के जवान शामिल होंगे। इसके अलावा ड्रोन कैमरों और अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे मेला क्षेत्र और कांवरिया पथ की चौबीसों घंटे निगरानी की जाएगी।

नामकुम जमीन मामले में एसीबी जांच का रास्ता साफ, कैबिनेट सचिव ने पीई की दी अनुमति, हाई कोर्ट ने चार सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

एजेंसी। रांची

रांची जिले के नामकुम अंचल में जमीन की खरीद-बिक्री, दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) में अनियमितताओं और राजस्व अभिलेखों के गायब होने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की प्रारंभिक जांच (प्रिलिमिनरी इंक्वायरी-पीई) का रास्ता साफ हो गया है। राज्य के कैबिनेट सचिव ने मामले में पीई दर्ज करने की अनुमति दे दी है। इसकी जानकारी गुरुवार को झारखंड सरकार की ओर से उच्च न्यायालय को दी गई। मामले की सुनवाई झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजेश शंकर की अदालत में हुई। अदालत ने एसीबी को निर्देश दिया कि वह चार सप्ताह के भीतर प्रारंभिक जांच दर्ज कर मामले की प्रगति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करे। साथ ही मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तिथि निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से वरिष्ठ स्थायी अधिवक्ता सुमित गाड़ोदिया ने पक्ष रखा, जबकि याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता जे.जे. सांगा ने अदालत के समक्ष अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं। इससे पहले हुई सुनवाई में उच्च न्यायालय ने कैबिनेट सचिव को निर्देश दिया था कि एक सप्ताह के भीतर एसीबी को प्रारंभिक जांच दर्ज करने की अनुमति दी जाए। अदालत ने यह भी कहा था कि यदि समय पर अनुमति नहीं दी गई तो न्यायालय इस मामले को गंभीरता से लेगा। साथ ही कैबिनेट सचिव को इस संबंध में शपथ-पत्र दाखिल करने का भी निर्देश दिया गया था। यह मामला नामकुम अंचल कार्यालय में राजस्व अभिलेखों के गायब होने और विवादित भूमि के म्यूटेशन में अनियमितताओं से जुड़ा है। याचिकाकर्ता थॉमस साइमन ने उच्च न्यायालय में दायर अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि नामकुम अंचल के डुंडु क्षेत्र स्थित विवादित जमीन के दाखिल-खारिज की प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ियां की गईं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई बार मांग करने के बावजूद जांच के लिए आवश्यक मूल राजस्व अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए। मामले की पिछली सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य भी आया था कि अंचल कार्यालय दूसरे पक्ष के पक्ष में किए गए म्यूटेशन की प्रमाणित प्रति (सर्टिफाइड कॉपी) उपलब्ध कराने में लगातार टालमटोल कर रहा था। जबकि उच्च न्यायालय पहले ही संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने का स्पष्ट आदेश दे चुका था। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों द्वारा न्यायालय के आदेशों का पालन नहीं किए जाने पर अदालत ने नाराजगी भी जताई थी।

वाईबीएन विश्वविद्यालय का 9वाँ स्थापना दिवस मनाया, 'द अंजूराम ग्रैंड ऑडिटोरियम' का उद्घाटन

एजेंसी। रांची

रांची! वाईबीएन विश्वविद्यालय ने बुधवार को अपना 9वाँ स्थापना दिवस उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर परिसर में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 'द अंजूराम ग्रैंड ऑडिटोरियम' का भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, विधायक राजेश कच्छप, चेयरमैन रामजी यादव, कोषाध्यक्ष अंजू यादव, कुलपति प्रो. सत्यदेव पोद्दार और सीएमडी डॉ. अंकिता यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। समारोह में छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भारतीय संस्कृति और लोक परंपरा का प्रदर्शन किया। अध्यक्षता करते हुए चेयरमैन रामजी यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य छात्रों को नैतिक मूल्यों, कौशल और नवाचार से जोड़कर राष्ट्र निर्माण के लिए तैयार करना है। नया ऑडिटोरियम शैक्षणिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उत्कृष्ट मंच बनेगा। मुख्य अतिथि राधा कृष्ण किशोर ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि कम समय में वाईबीएन ने उच्च शिक्षा में अपनी पहचान बनाई है। कार्यक्रम में सरला बिड़ला, झारखंड राय और उषा मार्टिन विश्वविद्यालय के कुलपति, रजिस्ट्रार सहित कई शिक्षाविद उपस्थित थे। अंत में अतिथियों को स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

सुस्त मानसून के बावजूद बालूमाथ में सबसे अधिक 100 मिमी बारिश दर्ज

एजेंसी। रांची

झारखंड में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून फिलहाल कमजोर पड़ गया है, जिसके कारण राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश का दौर थम गया है। हालांकि, कुछ स्थानों पर अच्छी वर्षा दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान लातेहार जिले के बालूमाथ में सर्वाधिक 100 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि राजधानी रांची सहित कई जिलों में हल्की बूंदाबांदी के बावजूद दिनभर गर्मी और उमस से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रांची स्थित मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने शुक्रवार को बताया कि वर्तमान में झारखंड में व्यापक और अच्छी बारिश की संभावना कम है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसून की सक्रियता कमजोर होने के कारण अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश की ही स्थिति बनी हुई है। हालांकि, आने वाले दिनों में मानसून के दोबारा सक्रिय होने की संभावना है, जिससे राज्य में वर्षा की गतिविधियों में बढ़ोतरी हो सकती है। बारिश की कमी का असर तापमान पर भी देखने को मिला। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य का सर्वाधिक तापमान 35.5 डिग्री सेल्सियस बोकारो में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम 22.4 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची में शुक्रवार सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और कई क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। बावजूद इसके दिनभर गर्मी और उमस बनी रही। रांची का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में भी तापमान सामान्य से अपेक्षाकृत अधिक रहा। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री और न्यूनतम 26.2 डिग्री सेल्सियस, डाल्टनगंज में अधिकतम 34.6 डिग्री और न्यूनतम 27.1 डिग्री सेल्सियस, बोकारो में अधिकतम 35.5 डिग्री और न्यूनतम 27.1 डिग्री सेल्सियस, जबकि चाईबासा में अधिकतम 32.2 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में इंटर हाउस वूशु और चेस प्रतियोगिता संपन्न

रांची। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में शुक्रवार को इंटर हाउस वूशु और चेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन निदेशक सह प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने किया। श्रीमती कौर ने कहा कि शारीरिक और मानसिक विकास के लिए ऐसी खेल प्रतियोगिताएं जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि वूशु जैसे मार्शल आर्ट खासकर लड़कियों के आत्मरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। परिणामः वूशु बालिका वर्ग सांडा में कृतिका - प्रथम, राम्या मिश्रा - द्वितीय। तावलू में रितिका सिंह - प्रथम, खुशी कुजूर - द्वितीय। वूशु बालक वर्ग सांडा में आदित्य रजक - प्रथम, नमन - द्वितीय। चेस बालिका वर्ग आनंदमयी सिंह - प्रथम, कनक रानी - द्वितीय। चेस बालक वर्ग अमीष कुमार - प्रथम, अद्विक सिंह - द्वितीय। प्रतियोगिता में तीसरी से पांचवी कक्षा तक के छात्रों ने हिस्सा लिया।

गिरिडीह पुलिस और सुरक्षाबलों की संयुक्त कार्रवाई में 25 लाख का इनामी हार्डकोर माओवादी अजय महतो गिरफ्तार

एजेंसी। रांची

गिरिडीह पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त कार्रवाई में 25 लाख रुपये के इनामी हार्डकोर माओवादी अजय महतो उर्फ टाइगर को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) का यह सक्रिय सदस्य लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की मोस्ट वांटेड सूची में शामिल था। गिरफ्तारी के बाद उससे गहन पूछताछ की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों को उम्मीद है कि उससे माओवादी संगठन के नेटवर्क, हथियारों की आपूर्ति, आईईडी मॉड्यूल, लेवी तंत्र और कई लंबित नक्सली घटनाओं से जुड़े अहम सुराग मिल सकते हैं। पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अभियान नरेंद्र कुमार सिंह ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए इसे झारखंड पुलिस और केंद्रीय सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के आधार पर संगठन के सक्रिय कैडरों, हथियारों के नेटवर्क और भविष्य की गतिविधियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की संभावना है। पुलिस के अनुसार, अजय महतो बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी (बीजेएसएसी) का सक्रिय सदस्य था। वह गिरिडीह जिले के पीरटांड़ प्रखंड के पांडेडीह गांव का रहने वाला है। उसके सिर पर झारखंड पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की ओर से कुल 25 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, उसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, पुलिस और सुरक्षाबलों पर हमले, आईईडी विस्फोट, लेवी वसूली, आर्म्स एक्ट, गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) सहित विभिन्न धाराओं में 200 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से सारंडा, कोल्हान, पश्चिमी सिंहभूम और आसपास के इलाकों में माओवादी गतिविधियों के संचालन, आईईडी लगाने, कैडरों के प्रबंधन और सुरक्षाबलों पर हमलों की रणनीति तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभाता रहा है। जांच एजेंसियों के अनुसार, पिछले छह वर्षों में झारखंड के कोल्हान और सारंडा क्षेत्र में हुई कई बड़ी नक्सली घटनाओं में उसकी संलिप्तता सामने आई है। वर्ष 2020 में पुलिस मुखबिरी के आरोप में ग्रामीण की हत्या और वन विभाग कार्यालय को आईईडी से उड़ाने की घटना से लेकर वर्ष 2021 और 2022 में सुरक्षाबलों पर कई घातक हमलों तथा आईईडी विस्फोटों में उसका नाम सामने आया। वर्ष 2023 में उसके दस्ते ने कई बड़े हमलों को अंजाम दिया। तुम्बाहाका और मेरालगढ़ा क्षेत्र में आईईडी विस्फोटों में कोबरा बटालियन के कई जवान घायल हुए।

कार्यालय जिला पशुपालन पदाधिकरी, गढ़वा
Email ID:-dahogarhwa@gmail.com

(उद्यमी पशुपालकों के लिए आवश्यक सूचना)

सरकार के सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) झारखण्ड, राँची के राज्यादेश संख्या–13 रा0, (वि0) दिनांक 19.06.2026 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्य योजनान्तर्गत मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत् उद्यमी पशुपालकों को पशुपालन के क्षेत्र में अवसर प्रदान करने के लिए एक नवीन योजना का प्रारम्भ व्यवसायिक स्तर पर किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य इच्छुक व्यक्ति, लघु उद्यमियों/युवा शिक्षित/बेरोजगार/प्रगतिशील पशुपालकों को अनुदानित दर पर योजना का लाभ, देकर आत्म निर्भर बनाना है।

योजना का विवरणी

क्र0सं0	योजना का नाम	योजना की लागत राशि	70% सरकारी अनुदान की राशि	30% लाभुक अंशदान की राशि
1	व्यवसायिक बकरा–बकरी पालन (100 बकरी + 05 बकरा)	9,78,000	6,84,600	2,93,400

योजना के लाभुक चयन हेतु निम्नांकित अहर्ता आवश्यक होगी :–

- उद्यमी झारखण्ड राज्य के स्थायी निवासी होगें, जिन्हे पूर्व में बकरी पालन का अनुभव प्राप्त हो।
- उद्यमियों को व्यवसायिक बकरा–बकरी फार्म की स्थापना के लिए आवश्यकतानुसार भूमि की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। 100 बकरी 05 बकरा क्षमता वाले व्यवसायिक बकरा–बकरी फार्म की स्थापना हेतु कम–से–कम 0.50 एकड़ भूमि आवश्यक है, जो स्वयं की हो अथवा लीज पर ली गई हो एवं एक जगह होनी चाहिए। लीज पर होने की स्थिति में आवेदन स्वीकृति के समय कम–से–कम 10 वर्षो के लिए भूमि लीज की अवधि होनी चाहिए।
- कुल लागत का 15% उद्यमी के द्वारा बैंक ऋण के माध्यम से अथवा स्वयं वहन किया जाना है। न्यूनतम 15% राशि उद्यमी के द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा तथा 70% का अनुदान की राशि के रूप में सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।
- उद्यमी के अंशदान हेतु बैंक द्वारा निर्गत प्रमाण–पत्र/पिछले 01 वर्ष का औसत Bank Balance समर्पित करना होगा। बैंक ऋण प्राप्त करने की स्थिति में उद्यमी के द्वारा योजना प्रस्ताव समर्पित करने के समय बैंक से योजना स्वीकृति संबंधित दस्तावेज संलग्न करना आवश्यक होगा।
- उद्यमी के द्वारा परियोजना को कम–से–कम 10 वर्ष चलाने संबंधी शपथ–पत्र संलग्न किया जाएगा। योजना संचालन नहीं होने पर उद्यमियों द्वारा अनुदान की राशि की बैंक दर से ब्याज सहित वापस ली जाएगी।
- चयनित उद्यमियों के पास पूर्व से व्यवसायिक बकरा–बकरी फार्म के लिए आधार भूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में उस संरचना पर होने वाले अनुमानित खर्च की राशि का अनुदान देय नहीं होगा।
- उद्यमियों के चयन में बकरा–बकरी पालन में प्रशिक्षण प्राप्त आवेदकों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- योजना का लाभ (Individual) के साथ–साथ स्वयं सहायता समूह (SHG) एवं किसान उत्पादक संगठन (FPO) को भी दिया जायेगा।
- इस योजनान्तर्गत बकरा–बकरी योजना का लाभ पूर्व में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के तहत अन्य योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त लाभुकों को नही दी जाएगी।
- व्यवसायिक बकरा–बकरी फार्म की स्थापना में Epidemic Control Measure का अनुपालन सुनिश्चित करना उद्यमियों की जिम्मेदारी होगी। जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा Epidemic Control Measure का अनुपालन की समीक्षा नियमित रूप से की जाएगी।
- अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में उनके अंशदान तथा बैंक के ऋण की राशि का हस्तांतरण होने के उपरांत ही उपलब्ध करायी जायेगी।
- योजना क्रियान्वयन अनुदान की राशि दो किस्तों में भुगतान किया जाएगा। प्रथम किस्त के रूप में 40% अनुदान की राशि का भुगतान योजना स्वीकृत होने के पश्चात तथा 60% अनुदान की राशि का भुगतान लाभुकों के द्वारा आधार भूत संरचना का कार्य सम्पन्न होने के पश्चात् किया जाएगा। द्वितीय किस्त के लिए लाभुक के द्वारा आवेदन के साथ आधार भूत संरचना पूर्ण होने का साक्ष्य फोटो ग्राफ सहित समर्पित किया जाएगा। साक्ष्य दस्तावेज संबंधित प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के द्वारा अभिप्रमाणित किया जाएगा।
- इच्छुक उद्यमी सभी दस्तावेज को संलग्न करते हुए योजना प्रस्ताव संबंधित प्रखण्ड के प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी द्वारा अनुशंसा के पश्चात् दिनांक 15.08.2026 तक जिला पशुपालन कार्यालय गढ़वा में जमा करेगें।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी,गढ़वा

PR 385211 (Animal Husbandry)26-27*D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम
Tel :- 06562-231148 Email :- municipalcouncil.medininagar@gmail.com

ज्ञापांक .... दिनांक ....

सैरात बन्दोबस्ती सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शिवाजी मैदान में डिजनिलैण्ड मेला पार्किंग बन्दोबस्ती हेतु जिसमें सड़क के किनारे पार्किंग हेतु दिनांक 29.07.2026 से 25.09.2026 तक बन्दोबस्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त बन्दोबस्ती निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक निविदाकर्त्ता दिनांक 27.07.2026 को समय 11:00 बजे से 03:00 बजे तक मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज (सील बन्द लिफाफ में) कार्यालय अवस्थित सील बन्द बॉक्स में जमा कर सकते है। उक्त निविदा उसी दिन दिनांक– 27.07.2026 को समय 04:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। उक्त बन्दोबस्ती खुली (Open) डाक बोली/निलामी द्वारा दिनांक 28.07.2026 को समय 01:00 बजे अपराह्न में मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में निश्पादित की जायेगी।

इस डाक/निविदा में भाग लेने हेतु निविदाकर्त्ता आवेदन पत्र के साथ निम्नांकित कागजात अनिवार्य रूप से संलग्न करेंगे, अन्यथा उनकी पात्रता स्वतः समाप्त समझी जायगी और डाक बोली/निलामी में भाग नहीं ले सकेंगे।

क्र0 सं0	सैरातों का नाम	वर्ष 2026–27 के लिए सरकारी डाक राशि।	जमानत की राशि (सरकारी डाक राशि का 25%)
1.	डिजलीलैण्ड मेला, शिवाजी मैदान पार्किंग बन्दोबस्ती (नदी किनारे)	3,00,000/–	75,000/–

नियम एवं शर्तें निम्नवत हैः–

1. डाक बोली के एक घण्टा पूर्व, जमानत राशि का बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक, नगर आयुक्त मेदिनीनगर नगर निगम के पद्नाम से देय होगा जो बंधन बैंक, डालटनगंज में भुगतेय होगा। डाक समाप्ति के बाद प्रथम एवं द्वितीय डाकवक्ता को छोड़कर बाकी डाक बोलने वाले व्यक्ति को जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी। किसी भी परिस्थिति में चेक स्वीकार नहीं किया जायेगा। जमानत की राशि जमा नहीं करने पर डाक में भाग नहीं ले सकते है।
2. ड्राफ्ट के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, चरित्र प्रमाण–पत्र साथ जमा करना होगा।
3. अधिकतम डाक बोलने वाले व्यक्ति को डाक की सम्पुर्ण राशि डाक समाप्ति के पश्चात् एक मुस्त जमा करना होगा।
4. पार्किंग स्थल की साफ–सफाई की जिम्मेवारी बन्दोवस्तीधारी की होगी।
5. वह व्यक्ति डाक में भाग नहीं लेंगे जिसके पास मेदिनीनगर नगर निगम का किसी भी तरह का बकाया (सैरात/होल्डिंग टैक्स इत्यादि) होगा। निगम से बकाया रहित प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा।
6. बन्दोवस्ती लेने वाले व्यक्ति को मेदिनीनगर नगर निगम के नियम एवं शर्तों के अनुरूप एकरारनामा करना होगा इसके बाद ही वसुली हेतु प्राधिकार पत्र निर्गत किया जायेगा।
7. पार्किंग शुल्क निम्न प्रकार से वसूलनीय होगा।
   (क) टू व्हीलर :– 10/– रूपया प्रति घण्टा।
   (ख) कार, जीप आदि छोटे वाहन :– 20/– रूपया प्रति घण्टा।
   (ग) टेम्पु :– 20/– रूपया प्रति घण्टा।

ह0/–
नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 385131 District(26-27)#D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम
Tel :- 06562-231148 Email :- municipalcouncil.medininagar@gmail.com

ज्ञापांक .... दिनांक ....

सैरात बन्दोबस्ती सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झुलन मेला बन्दोबस्ती वर्ष 2026–27 के लिए दिनांक 18.08.2026 से 05.09.2026 तक बन्दोबस्ती हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त बन्दोबस्ती निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक निविदाकर्त्ता दिनांक 04.08.2026 को समय 11:00 बजे से 03:00 बजे तक मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में उपस्थित होकर निविदा से संबंधित आवश्यक दस्तावेज (सील बन्द लिफाफ में) कार्यालय अवस्थित सील बन्द बॉक्स में जमा कर सकते है। उक्त निविदा उसी दिन दिनांक– 04.08.2026 को समय 04:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में खोली जायेगी। उक्त बन्दोबस्ती खुली (Open) डाक बोली/निलामी द्वारा दिनांक 05.08.2026 को समय 12:30 बजे अपराह्न में मेदिनीनगर नगर निगम कार्यालय में निश्पादित की जायेगी।

इस डाक/निविदा में भाग लेने हेतु निविदाकर्त्ता आवेदन पत्र के साथ निम्नांकित कागजात अनिवार्य रूप से संलग्न करेंगे, अन्यथा उनकी पात्रता स्वतः समाप्त समझी जायगी और डाक बोली/निलामी में भाग नहीं ले सकेंगे।

क्र0 सं0	सैरातों का नाम	वर्ष 2026–27 के लिए सरकारी डाक राशि	जमानत की राशि (सरकारी डाक राशि का 25%)
1.	कोयल नदी किनारे झुलन मेला बन्दोबस्ती।	1,01,500/–	25,375/–

नियम एवं शर्तें निम्नवत हैः–

1. डाक बोली के एक घण्टा पूर्व तक जमानत राशि का बैंक ड्राफ्ट/बैंकर्स चेक, नगर आयुक्त मेदिनीनगर नगर निगम के पद्नाम से देना अनिवार्य होगा जो बंधन बैंक, डालटनगंज में भुगतेय होगा। डाक समाप्ति के बाद प्रथम एवं द्वितीय डाकवक्ता को छोड़कर बाकी डाक बोलने वाले व्यक्ति को जमानत की राशि वापस कर दी जायेगी। किसी भी परिस्थिति में चेक स्वीकार नहीं किया जायेगा। जमानत की राशि जमा नहीं करने पर डाक में भाग नहीं ले सकते है।
2. ड्राफ्ट के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड, उपायुक्त/पुलिस अधीक्षक स्तर से निर्गत हाल ही का चरित्र प्रमाण–पत्र एवं जी0एस0टी0 निबंधन प्रमाण पत्र साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
3. अधिकतम डाक बोलने वाले व्यक्ति को डाक की सम्पुर्ण राशि डाक समाप्ति के पश्चात् अविलम्ब अर्थात दिनांक 05.08.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक एक मुस्त जमा करना होगा।
4. उक्त स्थल की साफ–सफाई की जिम्मेवारी बन्दोवस्तीधारी की होगी।
5. वह व्यक्ति डाक में भाग नहीं लेंगे जिसके पास मेदिनीनगर नगर निगम का किसी भी तरह का बकाया (सैरात/होल्डिंग टैक्स इत्यादि) होगा। निगम से बकाया रहित प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा।
6. बन्दोवस्ती लेने वाले व्यक्ति को मेदिनीनगर नगर निगम के नियम एवं शर्तों के अनुरूप एकरारनामा करना होगा इसके बाद बन्दोवस्ती हेतु प्राधिकार पत्र निर्गत किया जायेगा।

नगर आयुक्त
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 385129 District(26-27)#D

जल संरक्षण पर डॉ. ए.के. द्विवेदी के सुझावों की मंत्री तुलसी सिलावट ने की सराहना

अधिकारियों को शीघ्र कार्यवाही के दिए निर्देश

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश शासन के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक, शिक्षाविद एवं कार्यपरिषद सदस्य, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय डॉ. ए.के. द्विवेदी द्वारा जल संरक्षण एवं जन-जागरूकता को लेकर प्रस्तुत सुझावों की मुक्त कंठ से सराहना की। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ÷आपका यह सुझाव अगली पीढ़ी के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा प्रदेश और देश दोनों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।÷ डॉ. द्विवेदी ने मंत्री श्री सिलावट से भेंट कर प्रदेश के समस्त शासकीय एवं निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में प्रतिवर्ष ÷जल ही जीवन है÷ विषय पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जाने का प्रस्ताव सौंपा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय के माध्यम से भी सुझाव प्रेषित किए गए थे, जिन पर संज्ञान लेते हुए जल संसाधन विभाग, इंदौर द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र जारी किया जा चुका है। भेंट के दौरान मंत्री श्री तुलसी सिलावट ने डॉ. द्विवेदी द्वारा समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस प्रस्ताव को सकारात्मक दृष्टिकोण से लेते हुए प्रमुख सचिव, जल संसाधन विभाग को आवश्यक अनुशंसा शीघ्र प्रेषित की जाए, विषय पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। डॉ. द्विवेदी ने अपने प्रस्ताव में प्रत्येक शिक्षण संस्थान को ÷वॉटर कंजर्वेशन कैंपस÷ के रूप में विकसित करने, वर्षा जल संचयन एवं भू-जल संवर्धन को व्यवहारिक रूप से लागू करने, विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाने तथा निबंध, भाषण, वाद-विवाद, पोस्टर, चित्रकला, स्लोगन प्रतियोगिताओं एवं जन-जागरूकता रैलियों के माध्यम से जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने का सुझाव दिया है।

गहरी खाई में गिरा डंपर, दो लोगों की मौत

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में फाटा और बड़ासू के बीच तरसाली के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। देर रात एक डंपर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरी रात रेस्क्यू अभियान चलाया गया। गुरुवार देर रात जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को सूचना मिली थी कि फाटा और बड़ासू के मध्य तरसाली के पास वाहन डंपर गहरी खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सूचना के बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और 108 एम्बुलेंस को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। डंपर में सवार दो लोगों की तलाश की गई। रेस्क्यू टीम ने संजय राणा, उम्र लगभग 45 वर्ष, का शव बरामद कर सड़क तक पहुंचाया।

यूपी समेत 15 राज्यों में बारिश का अलर्ट, पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका

लखनऊ, पटना, एजेंसी। देशभर में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने आज देश के कई राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी आगामी दिनों में छिटपुट बारिश के साथ आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है।

विभाग के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, गोवा, झारखंड, सिक्किम, असम, हिमाचल, उत्तराखंड, मेघालय, मणिपुर, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में बारिश होने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और इससे सटे उत्तर ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर बने सुस्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव से पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में अगले सात दिनों के दौरान वर्षा गतिविधियां बढ़ने वाली हैं। कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, आज ओडिशा में कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। इस सिस्टम के असर से बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी बारिश बढ़ेगी। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में भी आगामी दिनों में छिटपुट बारिश के साथ आकाश में बादल छाए रहने की संभावना है।

पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश से नदियों में जल स्तर बढ़ सकता है और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की आशंका है। उत्तराखंड, हिमाचल और कश्मीर घाटी में लगातार बारिश से मौसम ठंडा रहेगा। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में उमस भरी गर्मी के बीच बीच-बीच में हल्की-मध्यम बारिश राहत दे सकती है।

सक्षिप्त समाचार

स्कूटी पर सवार थे 5 लोग, ट्रैक्टर से हुई भीषण टक्कर में परिवार के 4 लोगों की मौत

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1 बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ, जब स्कूटी पर सवार पांच लोग रायपुर में अपने मामा के घर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि 28 वर्षीय अमृता निर्मलकर स्कूटी चला रही थीं। इसी दौरान उनकी स्कूटी हाईवे पर ऑक्सीजन सिलेंडर लदे खड़े ट्रैक्टर के पीछे जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि अमृता निर्मलकर, उनकी 26 वर्षीय छोटी बहन लक्ष्मी निर्मलकर और दोनों की 4 और 7 साल की बेटियों की मौके पर ही मौत हो गई। उसे इलाज के लिए रायपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सुपेला भेज दिया गया है। घटना की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है।

सेंट जेवियर्स हाई स्कूल चैंपियनशिप 2026 की मेज़बानी करेगा

भोपाल। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, गुप्तेश्वर को रयान गोल्डन जुबली इंटर-स्कूल फुटसल चैंपियनशिप 2026 की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। यह चैंपियनशिप रयान ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के 50 वर्षों की उत्कृष्टता समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित की जा रही है। इस चैंपियनशिप में जबलपुर के 16 प्रमुख स्कूल हिस्सा लेंगे, जिससे युवा फुटबॉलरों को अपनी प्रतिभा, अनुशासन, टीम वर्क और खेल भावना दिखाने का मंच मिलेगा। क्वार्टर फ़ाइनल भी 16 जुलाई 2026 को खेले जाएंगे, जबकि सेमी-फ़ाइनल और ग्रैंड फ़ाइनल 17 जुलाई 2026 को होंगे। यह टूर्नामेंट दो दिनों तक रोमांचक फुटसल एक्शन का वादा करता है, जिसमें योग्य रेफरी, मेडिकल सपोर्ट और खेल का उत्साहपूर्ण माहौल होगा। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम वर्क, नेतृत्व और निष्पक्ष खेल (फेयर प्ले) की भावना को बढ़ावा देना है। सेंट जेवियर्स हाई स्कूल में, हमारा मानना है कि खेल आत्मविश्वास से भरे, अनुशासित और जिम्मेदार व्यक्ति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह चैंपियनशिप उत्कृष्टता, एकता और खेल की सच्ची भावना का उत्सव है।

उम्रकैद के दो दोषियों की शादी अब जेल के अंदर होगी

राजस्थान में पहली बार जेल में गूंजेंगी शहनाइयां

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की जेल व्यवस्था में पहली बार ऐसा नजारा देखने को मिलेगा, जब किसी जेल परिसर में शहनाई बजेगी, सात फेरे होंगे और विवाह की रस्में पूरी की जाएंगी। यह कोई फिल्मी कहानी नहीं, बल्कि राजस्थान हाईकोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद हकीकत बनने जा रहा है। 22 जुलाई को जोधपुर की मंडोर ओपन जेल में दो दोषसिद्ध कैदी विवाह बंधन में बंधेंगे। इसे राजस्थान की जेल सुधार व्यवस्था और कैदियों के पुनर्वास की दिशा में एक बड़ा और अनोखा कदम माना जा रहा है।

राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी मूलाराम भाटी और पैरोल पर बाहर चल रही दोषसिद्ध महिला सीमा को विवाह की अनुमति देते हुए कहा कि जेल का उद्देश्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटने का अवसर देना भी है।

खेती करते-करते हुई मुलाकात, फिर रिश्ते ने लिया जीवनभर के साथ का रूप जानकारी के अनुसार, नागौर जिले के अडसिंगा निवासी 33 वर्षीय मूलाराम भाटी वर्ष 2017 से न्यायिक अभिरक्षा में हैं। करीब दो साल पहले उन्हें अजमेर जेल से जोधपुर की मंडोर ओपन जेल में स्थानांतरित किया गया था। दूसरी ओर, मुंबई निवासी 31 वर्षीय सीमा को करीब डेढ़ साल पहले महिला जेल से मंडोर ओपन जेल भेजा गया। ओपन जेल के नियमों के तहत दोनों खेती और अन्य श्रम कार्यों में लगे हुए थे। इसी दौरान दोनों के बीच परिचय हुआ। धीरे-धीरे यह परिचय दोस्ती में और फिर जीवनसाथी बनने के फैसले तक पहुंच गया। हाल ही में

सीमा को 40 दिन की पैरोल मिली। इसी दौरान दोनों ने विवाह करने का निर्णय लिया और हाईकोर्ट में अनुमति के लिए याचिका दायर की। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब 22 जुलाई को मंडोर ओपन जेल परिसर में जेल प्रशासन की निगरानी में दोनों का विवाह संपन्न कराया जाएगा। यह राजस्थान के इतिहास में पहली बार होगा, जब किसी ओपन जेल के भीतर विधिवत विवाह समारोह आयोजित होगा। शादी की एक और भावुक तस्वीर भी सामने आई है। सीमा के परिवार की ओर से उनकी सहेली के पिता कन्यादान करेंगे। विवाह निमंत्रण पत्र में भी पिता के स्थान पर उन्हीं का नाम दर्ज किया गया है। न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह भाटी और न्यायमूर्ति प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने अपने आदेश में वर्ष 2022 के 'नंदलाल बनाम राज्य' मामले का हवाला देते हुए कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार देता है। यह अधिकार केवल जेल की दीवारों के बाहर रहने वालों तक सीमित नहीं है। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि आधुनिक जेल व्यवस्था का उद्देश्य केवल सजा देना नहीं, बल्कि अपराधियों का सुधार, पुनर्वास और उन्हें समाज में सम्मानपूर्वक दोबारा स्थापित करना भी है। विवाह जैसे सामाजिक संस्थान कैदी के पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कालूराम भाटी और अधिवक्ता स्वप्न चौहान ने पक्ष रखा। वहीं राज्य सरकार की ओर से लोक अभियोजक सी.एस. ओझा और श्रवण सिंह राठौड़ अदालत में उपस्थित रहे। राज्य सरकार ने विवाह की अनुमति पर कोई आपत्ति नहीं जताई, जिसके बाद हाईकोर्ट ने अनुमति प्रदान कर दी।

मंदिर दान चोरी: बैंक ने जानबूझकर नहीं करवाया एसओपी का पालन, अधिकारियों पर कसेगा शिकंजा

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में पुलिस का शिकंजा एसबीआई के अधिकारियों और कर्मचारियों पर कसता जा रहा है। वर्तमान और पूर्व अधिकारियों, कर्मचारियों के दर्ज कराए अलग-अलग बयानों में भिन्नता से शक की सुई गहरा गई है। मंदिर ट्रस्ट और बैंक के बीच हुए एसओपी का अनुपालन कराना बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी थी, लेकिन जानबूझकर ऐसे हालात पैदा किए गए, जिससे कथित गणना कर्मियों का खेल निर्बाध चलता रहे। इसकी बड़ी वजह ये रही कि गणना कर्मियों में ट्रस्ट ही नहीं, बैंक अधिकारियों के भी खास कारिंदे शामिल थे। इन्हें मंदिर में दाखिल कराने के लिए बैंक प्रबंधन ने सैनिक सर्विसेज से इनकी सिफारिश तक की थी।

पुलिस अफसरों का कहना है कि चढ़ावे की चोरी में ट्रस्ट से कहीं ज्यादा बैंक प्रबंधन दोषी है। उनका कहना है कि बैंक सेवा प्रदाता एजेंसी थी, जिसका पूरा काम पेशेवर है। इस कार्य से बैंक की साख भी जुड़ी थी। फिर भी बैंक प्रबंधन एसओपी का अनुपालन कराने में पीछे रहा तो उसकी कोई मजबूरी नहीं बल्कि सीधे-सीधे लापरवाही है। बताया जा रहा है कि गणना कर्मियों के निर्धारित वस्त्र भी सिलवाने से परहेज किया गया। पुलिस फिलहाल बैंक कर्मियों पर हाथ डालने से पहले पुख्ता सबूत जुटा लेना चाहती है। माना जा रहा है कि राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व न्यासी डॉ. अनिल मिश्र पर कोई आरोप तय होता है तो बैंक प्रबंधन भी उससे अछूता नहीं रहेगा। फिलहाल विवेचनाधिकारी/क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने अपने कार्यालय में बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों को अलग-अलग बुलाकर उनका बयान दर्ज कराया है। यहां बैंक अधिकारी और कर्मचारी अपने विरोधाभासी बयानों में उलझ गए हैं। पुलिस रिमांड पर लिए गए गणना प्रभारी सुभाष श्रीवास्तव की चढ़ावा चोरी में सीधे तौर पर भूमिका सामने नहीं आई। सिंडिकेट बैंक से रिटायर्ड कर्मचारी सुभाष को लेकर पुलिस को बड़े सुराग भी हाथ नहीं लगे। हालांकि पुलिस टीम ने सुभाष के घर पर जाकर पूरी छानबीन की, लेकिन उन्हें कुछ खास नहीं मिला।

जयंत पाटिल की शिंदे से 45 मिनट मुलाकात

फडणवीस से मिलने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बढ़ीं अटकलें

मुंबई, एजेंसी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से राकां शरदचंद्र पवार पार्टी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष जयंत पाटिल की दो रोज पहले हुई मुलाकात पहले ही राज्य की राजनीति में चर्चा का विषय बनी हुई है। इसी बीच जयंत पाटिल गुरुवार को उप मुख्यमंत्री शिंदे से मिलने उनके सरकारी एकनाथ निवास नंदनवन पहुंच गए।

इन मुलाकातों ने महाराष्ट्र की राजनीति में नई अटकलों को जन्म दे दिया है। राजनीतिक हलकों में कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार शिंदे और पाटिल के बीच करीब 45 मिनट से अधिक समय तक चर्चा हुई। इस दौरान राकां शरदचंद्र पवार पार्टी के वरिष्ठ नेता जितेंद्र आव्हाड भी मौजूद थे।

हालांकि बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। इससे पहले जयंत पाटिल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की थी। उस समय वर्षा निवास पर अजीत पवार गुट के नेता सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल की मौजूदगी से भी राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई थीं। जयंत पाटिल ने दी थी सफाई मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद

जयंत पाटिल ने स्पष्ट किया था कि वह इस्लामपुर नगर परिषद के नगराध्यक्ष की अयोग्यता से जुड़े मामले पर चर्चा करने गए थे। उन्होंने कहा था कि उनकी मुलाकात का सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल से कोई संबंध नहीं था तथा मुख्यमंत्री से केवल पांच मिनट की चर्चा हुई थी। अब एकनाथ शिंदे से उनकी नई मुलाकात ने राजनीतिक हलकों में फिर से अटकलों का दौर शुरू कर दिया है।

भारी मशीनों से मालाएं पहनाने पर भी लगी रोक

तेलंगाना में दूधाभिषेक पर लगी रोक, तेलंगाना कांग्रेस ने दिया निर्देश, जेसीबी से माला पहनाने पर भी पाबंदी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) ने पार्टी कार्यक्रमों के दौरान नेताओं के दूध और जलाभिषेक पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही नेताओं को जेसीबी, बुलडोजर या अन्य भारी मशीनों की मदद से विशाल मालाएं पहनाने की प्रथा पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया है कि किसी भी अवसर या स्थान पर आयोजित कांग्रेस के कार्यक्रमों में 'पालाभिषेकम' (दूधाभिषेक) और 'जलाभिषेकम' नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां कांग्रेस की विचारधारा और सिद्धांतों के खिलाफ हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने चेतावनी दी कि पार्टी के इस निर्देश का उल्लंघन करने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। टीपीसीसी के उपाध्यक्ष टी. कुमार राव ने गुरुवार को इस संबंध में एक परिपत्र जारी किया। इसमें बताया गया कि यह निर्णय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है।

परिपत्र में कहा गया है कि पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी इन निर्देशों का पालन करने के लिए बाध्य होगा। कांग्रेस ने अपने निर्देश में कहा है कि दूध और पानी से अभिषेक जैसी परंपराएं पार्टी की विचारधारा के पूरी तरह विपरीत हैं, क्योंकि इससे खाद्य पदार्थों की बर्बादी होती है। ऐसे समय में जब समाज का एक बड़ा वर्ग कुपोषण जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, इस तरह की गतिविधियां उचित नहीं हैं। पार्टी ने सुझाव दिया है कि कार्यकर्ता दूध या अन्य खाद्य सामग्री का उपयोग अभिषेक के बजाय जरूरतमंद लोगों में खाद्य सामग्री वितरित करने के लिए करें। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यह भी कहा कि हाल के दिनों में वरिष्ठ नेताओं के राज्यभर के दौरों के दौरान कुछ

कार्यकर्ता जेसीबी, बुलडोजर और अन्य भारी मशीनों की मदद से नेताओं को विशाल मालाएं पहनाते रहे हैं। पार्टी ने इस पर भी पूरी तरह रोक लगा दी है। परिपत्र में कहा गया है कि जेसीबी और बुलडोजर जैसे वाहन दमन के प्रतीक माने जाते हैं, इसलिए अब इनका उपयोग नेताओं को माला पहनाने के लिए नहीं किया जाएगा। ऐसा करने पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि तेलंगाना में विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता नेताओं की जयंती, महत्वपूर्ण घोषणाओं या अन्य विशेष अवसरों पर उनके चित्रों और प्रतिमाओं का दूध और पानी से अभिषेक करते हैं। वहीं, रैलियों और सार्वजनिक सभाओं में जेसीबी या बुलडोजर की मदद से नेताओं को बड़ी मालाएं पहनाने की परंपरा भी लंबे समय से चली आ रही है।

फोर्टिफाइड चावल घोटाला मामले में एसआइटी की दबिश, महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ के कई राइस मिल मालिक फरार

बालाघाट, एजेंसी। एथनॉल उत्पादन के नाम पर हुई फोर्टिफाइड चावल घोटाला मामले में एसआईटी छिंदवाड़ा के 12 वेयरहाउस मालिकों के बयान ले रही है।

एसआईटी की जांच की भनक लगते ही महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के कई राइस मिल और गोदाम मालिक फरार हो गए हैं। जिनकी धरपकड़ के लिए एसआईटी का विशेष दल इन राज्यों में दबिश दे रहा है।

पूछताछ की अगली कड़ी में बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा के अलावा महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ की मिलों व गोदाम संचालकों के नाम जुड़ सकते हैं। एवीजे एथनाल प्लांट प्रबंधन की कारगुजारी इन्हीं वेयरहाउस मालिकों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे दस्तावेज से सामने आने की बात कही जा रही है। एथनॉल प्लांट प्रबंधन ने वेयरहाउस में चावल के स्टाक को भंडारित करके रखा था। जांच के लिए प्रत्येक वेयरहाउस मालिक से तीन से चार रजिस्टर जब्त किए जा रहे हैं, जिसमें चावल के स्टाक का पूरा लेखा-जोखा है। अब तक 45 से अधिक रजिस्टर एसआइटी ने जब्त कर लिए हैं। मामले में आरोपितों की संख्या बढ़ सकती है। पूर्व सांसद ने कहा-कांग्रेस के विधायक चुप क्यों हैं। उन्होंने कहा कि बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे और वारासिवनी विधायक

पूर्व सांसद कंकर मुंजारे ने अपनी ही विधायक पत्नी अनुभा मुंजारे सहित कांग्रेस और भाजपा नेताओं पर मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रेसवार्ता में पूर्व सांसद मुंजारे ने कहा, चावल की हेराफेरी बड़ा घोटाला है। जिले में कांग्रेस के चार विधायक हैं, लेकिन सभी घोटाले पर चुप्पी साधे हुए विवेक विक्की पटेल औपचारिकता निभाने के लिए प्लांट का दौरा करके आ गए, जबकि विधानसभा में इस मुद्दे को नहीं उठाया। एथनॉल के नाम पर की जा रही गड़बड़ी का असर अब जबलपुर में दिखाई देने लगा है। जिले में 30 जून से धान मिलिंग पूरी तरह ठप है।

विचार-मंथन

संपादकीय

यूपी में वारदात को अंजाम देने से पहले कानून से खौफ खाते हैं अपराधी?

वहीं मजदूरी कर रहे परिवार की उस बच्ची को बहला-फुसला कर ले जाया गया और इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। उत्तर प्रदेश में सरकार का दावा रहा है कि उसने अपराध और अपराधियों के खिलाफ जिस स्तर पर सख्ती और कार्रवाई की है, उसकी वजह से राज्य की जनता खुद को सुरक्षित महसूस करती है। खासतौर पर महिलाओं के लिए एक सुरक्षित माहौल बना है और कहीं भी आने-जाने में उन्हें किसी तरह के असुरक्षा-भाव से नहीं गुजरना पड़ता ।सरकार के इस तरह के दावे निश्चित रूप से आम जनता की सुरक्षा के लिहाज से अहम हैं, लेकिन सवाल है कि क्या राज्य में सरकार और पुलिस का प्रभाव वास्तव में इतना असरकारी है कि किसी भी वारदात को अंजाम देने से पहले अपराधी कानून से खौफ खाते हैं! गौरतलब है कि गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन इलाके में निर्माणाधीन व्यावसायिक परिसर में सात वर्षीय बच्ची का शव मिला, जिसकी हालत देख कर उससे बलात्कार के बाद उसकी हत्या की आशंका भी जताई गई है ।खबर के मुताबिक, वहीं मजदूरी कर रहे परिवार की उस बच्ची को बहला-फुसला कर ले जाया गया और इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। इस घटना के अलावा भी हाल के दिनों में नाबालिग बच्चियों से बलात्कार या उनकी हत्या के अन्य मामले सामने आए और न्याय की मांग के साथ लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा ।यह छिपा नहीं है कि आए दिन राज्य सरकार अपना प्रभाव साबित करने के उद्देश्य से अपराध को खत्म कर देने की दुहाई देती रहती है। यह भी दावा किया जाता रहता है कि कानून के डर से अब अपराधी राज्य छोड़ कर भाग चुके हैं। अगर सरकार के दावे सही हैं, तो ऐसा क्यों है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के भीतर कानून का कोई खौफ नहीं दिखता और वे महिलाओं के विरुद्ध जघन्य अपराधों को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे?यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि कई बार आपराधिक घटनाओं की संख्या थानों में दर्ज आंकड़ों के मुकाबले वास्तव में कहीं ज्यादा होती हैं। कहने को महिलाओं के लिए राज्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से कानून से लेकर हर स्तर पर चौकसी बरतने और हेल्पलाइन की व्यवस्था करने जैसे उपाय किए गए हैं। मगर सच्चाई यह है कि सरकारी दावों के समांतर अभी भी ऐसा तंत्र सक्रिय करने की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए वास्तव में सुरक्षित माहौल बना सके।

लाडकी बहिन योजना- पात्र से अपात्र कैसे हुई लाखों महिलाएं?

महाराष्ट्र सरकार ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' से नब्बे लाख से ज्यादा महिलाओं को बाहर कर दिया है ।कोई भी सरकारी योजना शुरू करने से पहले लाभार्थियों को केंद्र में रखकर उसके लिए नियम-शर्तें तय की जाती हैं। इसी आधार पर पात्र लोगों का चयन कर संबंधित योजना का लाभ उन तक पहुंचाया जाता है। मगर किसी योजना को चुनाव से ठीक पहले लागू किया जाए और उसी सरकार के फिर से राज्य में कमान संभालने के बाद अगर बड़ी संख्या में लोगों को पात्रता की सूची से बाहर कर दिया जाए, तो उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है ।महाराष्ट्र में भी कुछ ऐसा ही हुआ है। खबरों के मुताबिक, राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' से नब्बे लाख से ज्यादा महिलाओं को बाहर कर दिया है। यानी इन महिलाओं को पहले इस योजना का लाभ दिया जा रहा था, लेकिन अब वे या तो पात्रता के मानदंडों को पूरा नहीं कर पाई हैं या फिर ई-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा न कर पाने की वजह से उनका नाम सूची से हटा दिया गया है ।ऐसे में अहम सवाल यह है कि क्या इस योजना में नई नियमावली जोड़ी गई है! अगर ऐसा नहीं है, तो फिर क्या वजह है कि जो महिलाएं पहले पात्र थीं, अब वे अपात्र हो गई हैं?गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने विधानसभा चुनावों से कुछ समय पहले जून, 2024 में इस योजना को मंजूरी दी थी। इसके तहत 21 से 65 वर्ष की आयु की पात्र महिलाएं प्रति माह डेढ़ हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इस योजना में राज्य की 2.4 करोड़ महिलाओं को शामिल किया गया था। मगर अब फिर से सत्तासीन हुई महायुति सरकार ने ई-केवाईसी प्रक्रिया के तहत लाखों महिलाओं के नाम इस योजना से बाहर कर दिए हैं। सवाल है कि शुरू में इन महिलाओं को किस आधार पर पात्र घोषित किया गया था।

भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है। वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है।

अमेरिका-ईरान टकराव और विश्व शांति की नई चुनौती

(ललित गर्ग)

इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। 14-15 जुलाई को अमेरिकी हमले में ईरान में 30 लोग मारे गए हैं। इस जंग से दुनिया चिंतित है। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे तनाव के बाद बड़ी कठिनाई से बना संघर्ष विराम अपनी निर्धारित अवधि पूरी करने से पहले ही टूटने की कगार पर पहुंच गया । ईरान द्वारा अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर किए गए ताजा हमलों और उसके जवाब में अमेरिका की भीषण बमबारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया को युद्ध की आशंकाओं के बीच खड़ा कर दिया है। यह केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं है, बल्कि वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती है। जिस समय विश्व को महामारी, आर्थिक मंदी, जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संकट जैसी समस्याओं से मिलकर लड़ना चाहिए, उस समय महाशक्तियों का युद्धोन्माद पूरी मानवता को पीछे धकेलने का कार्य कर रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर उत्पन्न विवाद ने इस संघर्ष को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। विश्व के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल की आपूर्ति इसी समुद्री मार्ग से होती है। यदि यह मार्ग बाधित होता है तो केवल तेल की कीमतें ही नहीं बढ़ेंगी, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका व्यापक दुष्प्रभाव पड़ेगा। महंगाई बढ़ेगी, उत्पादन लागत में वृद्धि होगी, आपूर्ति शृंखलाएं टूटेंगी और विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था सबसे अधिक प्रभावित होगी। युद्ध की आग कभी सीमाओं में नहीं रहती, उसकी तपिश अंततः पूरी दुनिया को झुलसाती है। भौगोलिकसंदर्भ इस संघर्ष का सबसे दुखद पक्ष यह है कि इसमें निर्दोष नागरिकों, नाविकों और आम जनजीवन को सबसे अधिक कीमत चुकानी पड़ती है। हाल के घटनाक्रम में भारतीय नाविकों के प्रभावित होने और भारत के सहयोग से विकसित रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह परियोजना को नुकसान पहुंचने से यह स्पष्ट हो गया है कि युद्ध किसी एक देश तक सीमित नहीं रहता। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक विश्वास- तीनों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अमेरिका स्वयं को लोकतंत्र और विश्व व्यवस्था का संरक्षक बताता है, लेकिन उसकी विदेश नीति लंबे समय से प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और शक्ति प्रदर्शन पर आधारित रही है। किसी भी राष्ट्र को झुकाने के लिए आर्थिक प्रतिबंध, सैन्य हमले और राजनीतिक दबाव स्थायी समाधान नहीं हो सकते। महाशक्ति होने का अर्थ केवल सैन्य सामर्थ्य नहीं, बल्कि संयम, दूरदृष्टि और विश्व समुदाय के प्रति नैतिक उत्तरदायित्व भी है। यदि शक्ति विवेक से संचालित न हो तो वही शक्ति विनाश का कारण बन जाती है। दूसरी ओर ईरान को भी यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को अपने रणनीतिक हितों के लिए बंधक बनाना न तो अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप है और न ही वैश्विक विश्वास के अनुकूल। किसी भी देश की सुरक्षा तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह पड़ोसी देशों और विश्व समुदाय के साथ सहयोग, विश्वास और पारदर्शिता का वातावरण निर्मित न करे। भय और प्रतिशोध पर आधारित सुरक्षा व्यवस्था अंततः स्वयं को ही असुरक्षित बना देती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कार्यशैली ने इस पूरे संकट को और अधिक अनिश्चित बनाया है। एक ओर वे कठोर सैन्य कार्रवाई करते हैं, दूसरी ओर वार्ता और समझौते की बातें करते हैं। इस प्रकार के विरोधाभासी संदेश न केवल कूटनीतिक विश्वास को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी अस्थिरता पैदा करते हैं। महाशक्तियों के नेताओं के प्रत्येक वक्तव्य का प्रभाव केवल उनके देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था, निवेश, ऊर्जा बाजार और करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़ता है। इसलिए नेतृत्व में धैर्य, स्थिरता और विश्वसनीयता अत्यंत आवश्यक है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी इतिहास गवाह है कि युद्धों ने कभी स्थायी समाधान नहीं दिया। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध से लेकर इराक, अफगानिस्तान, लीबिया और सीरिया तक, हर युद्ध ने नई समस्याएं ही पैदा की हैं। लाखों लोगों की जान गई, करोड़ों लोग विस्थापित हुए, लेकिन अंततः समाधान फिर बातचीत की मेज पर ही खोजे गए। यदि अंत में संवाद ही करना है, तो शुरुआत भी संवाद से ही क्यों नहीं हो सकती? यही प्रश्न आज पूरी मानवता के सामने खड़ा है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, सह-अस्तित्व और अहिंसा का मार्ग दिखाया है। गौतम बुद्ध, भगवान महावीर और महात्मा गांधी की भूमि ने यह सिखाया कि वास्तविक विजय शत्रु को पराजित करने में नहीं, बल्कि शत्रुता को समाप्त करने में है। भारत की विदेश नीति भी 'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'विश्वबंधुत्व' के आदर्शों पर आधारित रही है। भारत ने हमेशा संवाद, कूटनीति और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही कारण है कि भारत आज विश्वसनीय मध्यस्थ, संतुलित शक्ति और जिम्मेदार वैश्विक भागीदार के रूप में सम्मान प्राप्त कर रहा है। वर्तमान संकट में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। भारत के अमेरिका, ईरान और खाड़ी देशों के साथ संतुलित संबंध हैं। भारत यदि संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों के माध्यम से सक्रिय शांति पहल करे, तो तनाव कम करने में उसकी भूमिका प्रभावी सिद्ध हो सकती है। साथ ही भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और विदेशों में कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी दूरदर्शी रणनीति अपनानी होगी। आज आवश्यकता किसी एक पक्ष की विजय की नहीं, बल्कि मानवता की विजय की है। हथियारों की होड़ से न तो समृद्धि आती है और न ही सम्मान। वास्तविक शक्ति मिसाइलों, बमों और युद्धपोतों में नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और संवाद में निहित होती है। युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है, वह केवल नई समस्याओं को जन्म देता है। अहिंसा कायरता नहीं, बल्कि आत्मबल, धैर्य और दूरदर्शिता का सर्वोच्च स्वरूप है। विश्व समुदाय को अब यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि किसी भी देश की मनमानी, सामरिक अहंकार और युद्धोन्माद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र सहित वैश्विक संस्थाओं को अधिक प्रभावी, निष्पक्ष और सक्रिय भूमिका निभानी होगी। यदि आज भी दुनिया ने युद्ध की राजनीति पर अंकुश नहीं लगाया, तो भविष्य की पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। आज पूरी दुनिया की प्रार्थना यही है कि अमेरिका को शक्ति के साथ सद्बुद्धि मिले, ईरान को संयम और विवेक का मार्ग मिले तथा दोनों राष्ट्र हथियारों की भाषा छोड़कर संवाद की संस्कृति अपनाएं। शांति ही विकास का आधार है, संवाद ही स्थायी समाधान का मार्ग है और अहिंसा ही मानव सभ्यता का सबसे बड़ा अस्त्र है। यही समय की पुकार है, यही मानवता की अपेक्षा है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?

(नीरज कुमार दुबे)

इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि रैनसमवेयर गिरोह वर्ल्ड लीक्स ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं। इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योट्टा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक सेंधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योट्टा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर संदिग्ध गतिविधियों का पता लगा लिया था और संदिग्ध रैनसमवेयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी। हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वेंटिलेशन और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा नियंत्रण कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज कुडनकुलम परियोजना की तीसरी और चौथी इकाई से संबंधित हैं, जिनका निर्माण कार्य जारी है और जिनके वर्ष 2027 तक चालू होने की संभावना है। राहत की बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इनमें परमाणु रिएक्टर के मुख्य तंत्र की रूपरेखा शामिल नहीं है, फिर भी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी जानकारी शत्रुतापूर्ण तत्वों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि किसी हमलावर को यह जानकारी मिल जाए कि परियोजना में किन व्यक्तियों, ठेकेदारों और प्रणालियों की पहुंच कहां तक है, तो वह प्रत्यक्ष रूप से परमाणु रिएक्टर पर हमला किए बिना भी उससे जुड़ी सहायक व्यवस्थाओं, आपूर्ति श्रृंखला या तीसरे पक्ष की प्रणालियों को निशाना बना सकता है।

आज का राशिफल

मेष

आज जोखिम भरे कामों से पूरी तरह दूर रहने से आपकी आर्थिक स्थिति सुरक्षित बनी रहेगी। अपने पुराने बकाये या उधार को चुकाने पर पूरा ध्यान दें और एक सही बजट बनाकर चलें। आमदनी के कुछ नए जरिए धीरे-धीरे सामने आ सकते हैं। आज आपका धीरज ही आपकी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत साबित होगा। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां आज थोड़ी बढ़ सकती हैं।

वृष

आज पैसों के मामले में बहुत ही नियम से चलने की जरूरत है। मन की इच्छाओं में आकर फालतू की चीजें खरीदने से बचें और कोई भी नया काम शुरू करने से पहले अपनी बचत को अच्छे से देख लें। आपका कोई रुका हुआ पैसा या पुराना बकाया अब आगे बढ़ सकता है। आज की गई सही प्लानिंग आने वाले हफ्तों में आपके पैसों की स्थिति को मजबूत करेगी।

मिथुन

आज धन या पार्टनरशिप से जुड़े मामलों में आज बहुत ही ध्यान देने की जरूरत है। बुध देव की उल्टी चाल को देखते हुए किसी भी समझौते पर तुरंत हामी भरने से बचें। आपका धीरज आपको बेहतर आर्थिक निर्णय लेने में मदद करेगा।

तुला

आज बजट को व्यवस्थित करने और फालतू के खर्चों को कम करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। तुरंत लाभ देने वाले कामों के बजाय लंबे समय के सुरक्षित निवेश आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेंगे। घर-परिवार से जुड़े कुछ खर्चे सामने आ सकते हैं। बिना पूरी जांच-पड़ताल किए केवल दूसरों के कहने पर धन से जुड़ा कोई बड़ा निर्णय न लें।

वृश्चिक

आज आर्थिक योजनाओं को लेकर आपके सामने नए रास्ते खुलेंगे। तुरंत बड़ा लाभ कमाने के चक्कर में पड़ने के बजाय अपनी बचत को मजबूत करने और भविष्य को सुरक्षित करने पर ध्यान दें। नियम के साथ किए गए प्रयास आपके आर्थिक भरोसे को बढ़ाएंगे। दफ्तर में आपकी लगन और मेहनत की आज तारीफ हो सकती है। आने वाले कुछ हफ्तों में आपको कुछ नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

धनु

आज पैसों के हर मामले में पूरी सावधानी बरतें। बिना सही लिखा-पढ़ी के किसी को भी धन उधार देने से पूरी तरह बचें। नया काम शुरू करने से पहले यह देख लें कि आपके पुराने निवेश आपके लिए कितने फायदेमंद हैं। आज की गई सही प्लानिंग आपको भविष्य के नुकसान से बचाएगी। आज दफ्तर में बातचीत करते समय आपको बहुत सावधान रहने की जरूरत है।

कर्क

आज अपनी निवेश की रणनीतियों और पैसों की प्राथमिकताओं को दोबारा देखने का बहुत अच्छा दिन है। केवल बहुत ज्यादा उम्मीद में आकर कोई बड़ा आर्थिक वादा न करें। आज बनाई गई सही योजना आपके भविष्य को मजबूत आधार देगी। करियर में आगे बढ़ने के लिए कोई नया हुनर सीखना या अपने ज्ञान को बढ़ाना आज बहुत फायदेमंद साबित होगा।

सिंह

रोज के खर्चों को आज थोड़े बेहतर प्रबंधन की जरूरत होगी। तुरंत बड़े लाभ की उम्मीद करने के बजाय नियम के साथ पैसे बचाने पर ध्यान दें। छोटी-छोटी पर लगातार की गई बचत आपके भविष्य को मजबूत आधार देगी। जब तक बहुत जरूरी न हो, नया कर्ज लेने से पूरी तरह बचें। धीरज और जिम्मेदारी के साथ काम करने का मीठा फल देते हैं।

कन्या

आज क्लाइंट्स या बिजनेस पार्टनर्स के साथ पैसों की बातचीत करते समय पूरी स्पष्टता बनाए रखें। किसी भी पेपर पर दस्तखत करने से पहले उसे आदि से अंत तक अच्छे से पढ़ लें। सोच-समझकर बनाया गया बजट आपकी आर्थिक स्थिति को सुरक्षित रखेगा।

मकर

आपका सतर्क तरीका आज आपको पैसों के मामलों में किसी बड़ी गलती से बचा लेगा। टैक्स, कर्ज या निवेश से जुड़े कागजातों को बहुत ही ध्यान से देखें। कुछ ऐसे खर्चे सामने आ सकते हैं जो पहले से तय नहीं थे, इसलिए एक अलग फंड बनाकर चलने से आपको आगे चलकर बहुत शांति मिलेगी। हर एक छोटी बारीकी पर ध्यान देने की आपकी आदत ही आज आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

कुंभ

आज सही प्लानिंग से आपकी आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे अच्छा सुधार देखने को मिलेगा। आज का दिन परिवार या बिजनेस पार्टनर के साथ बैठकर आगे के लक्ष्यों पर बात करने के लिए बहुत अनुकूल है। शाम के समय भावनाओं में आकर खर्च करने से बचें। आज की गई छोटी सी बचत भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ाना आज आपके लिए तरक्की के नए रास्ते खोल सकता है।

मीन

आज आपके भीतर एक नया उत्साह जगेगा। जोश में आकर जरूरत से ज्यादा धन खर्च करने से पूरी तरह बचें। सोच-समझकर बनाई गई आर्थिक रणनीति ही आपको अच्छे परिणाम देगी। कुछ नए अवसर सामने आ सकते हैं, पर कदम बढ़ाने से पहले उनके हर पहलू को अच्छे से जांच लें। शाम के समय आपकी काम करने की क्षमता और निखर कर सामने आएगी।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6155

	6				9		8	5
9	4				6			2
	8	1			4			3
6						1		8
				3				
2		8						9
3			1			8	4	
8			6				5	7
4	7		2				3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6154

5	7	1	6	9	3	2	4	8
9	3	6	2	8	4	1	7	5
8	4	2	5	1	7	6	3	9
7	8	9	3	2	5	4	6	1
2	6	5	1	4	9	7	8	3
3	1	4	7	6	8	5	9	2
1	5	3	9	7	6	8	2	4
4	9	7	8	5	2	3	1	6
6	2	8	4	3	1	9	5	7

वर्ग पहेली 6155

1	2	3	■	4	5	6	7
8			■	9			
	■	10	11	■	■	12	
13	14	■	15		16		■
■	17	18		■		■	19
20				■	21	22	
23		■	24	25	■	26	
■	27		■	28			■

संकेत: बाएं से दाएं

1. आधुनिक ओलिम्पिक खेलों का आयोजन करने वाला प्रथम देश जिसे ग्रीस भी कहते है (3)
4. ये जोधाबाई (मुगल सम्राट अकबर की पत्नी) के पिता थे (4)
8. निरा, निपटने की अवस्था (3)
9. गमनागमन, आना-जाना (4)
10. बेटी का बेटा (2)
12. दी जाने वाली वस्तु (2)
13. झुका या प्रणाम करता हुआ, विनीत (2)
15. जगत का स्वामी, परमेश्वर, ईश्वर (4)
17. विवाह के लिए स्थिरतर किया गया शुभ दिन, सहालग, साइत (3)
20. रोब, धाक, आतंक (4)
21. किसी देश या राज्य में शांति व्यवस्था बनाए रखने के नियम (3)
23. सहोदर, जो एक ही कुल से उत्पन्न हो (2)
24. वह स्त्री जो ऐश्वर्ययुक्त हो, सुख (2)
26. हुकुमत, प्रभुत्वकाल (2)
27. लहू, रूधिर, खून (2)
28. अकुशलता, अनाड़ीपन (3)

ऊपर से नीचे

1. कर्म संघ या श्रमिक संघ को अंग्रेजी में यह कहते है (4)
2. इकाई रूप में निश्चत परिणाम (2)
3. कही हुई बात से मुकरना, अभिनय करना (3)
4. मोहकारिणी शक्ति, भ्रमवश होने वाला प्रेम (2)
5. कोमल कांड, सुंदर स्त्री (2)
6. अमुक व्यक्ति को दिए गए धन से संबंधित पत्र (4)
7. राष्ट्र, देश, मुल्क (3)
11. पंडवानी शैली की प्रसिद्ध लोकगायिका (5)
14. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
16. छोटा दीया, प्रकाश करने वाली (3)
18. बीमारी, रोग (2)
19. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
20. दो अंको की सबसे छोटी संख्या (2)
22. दमकता या प्रकाश फैलाने वाला (3)
25. कंधा, जुलाहे की कूंची (उर्दू) (2)

वर्ग पहेली 6154 का हल

शु	तु	र	मु	र्ग	■	हे	ग
क्र	म	■	का	■	ज	ल	ज
लो	■	का	बि	ल	■	न	ट
क	ल	क	ल	■	म	■	■
■	क	पि	■	स	हा	य	ता
प	ल	ट	ना	■	र	■	■
व	क	■	ह	क	त	ल	फ
न	■	न	क	ल	■	ता	ल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

अर्जेंटीना का विश्वकप फाइनल तक का सफर पिछले 4 मैचों में आखिरी मिनटों में पलटी बाजी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 में अर्जेंटीना ने सिर्फ मैच नहीं जीते, बल्कि कई ऐसे मुकाबले अपने नाम किए जिनमें हार लगभग तय नजर आ रही थी। लियोनल स्कालोनी की टीम ने ग्रुप चरण में तो दबदबे के साथ प्रदर्शन किया, लेकिन असली परीक्षा नॉकआउट में हुई। वहां अर्जेंटीना ने बार-बार साबित किया कि यह टीम आखिरी मिनट तक हार नहीं मानती।

अब मौजूदा विश्व चैंपियन लगातार दूसरे खिताब की तलाश में फाइनल में पहुंच चुका है, जहां उसका मुकाबला यूरोपीय चैंपियन स्पेन से होगा। दिलचस्प बात यह है कि अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम बनकर फाइनल में पहुंची है, जबकि स्पेन ने अब तक सबसे मजबूत डिफेंस का प्रदर्शन किया है। अर्जेंटीना अगर विश्वकप जीतती है तो 64 साल में लगातार दो विश्वकप जीतने वाली पहली टीम बनेगी। इससे पहले ऐसा 1934 और 1938 में इटली ने और 1958 और 1962 में ब्राजील ने किया था।

अर्जेंटीना ने अपने अभियान की शुरुआत अल्जीरिया पर 3-0 की जीत से की। यह मुकाबला लियोनल मेसी का 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच था और उन्होंने हैट्रिक लगाकर विश्वकप में मिरोस्लाव क्लोज के 16 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दूसरे मैच में ऑस्ट्रिया के खिलाफ मेसी ने शुरुआती पेनल्टी गंवाई, लेकिन उसके बाद दो शानदार गोल कर टीम को 2-0 से जीत दिलाई। इसी मुकाबले में वह विश्व कप फाइनल्स के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बन गए।

जॉर्डन के खिलाफ तीसरे मुकाबले में स्कालोनी ने मेसी को बेंच पर रखा। जियोवानी लो सेल्सो और लॉटारो मार्टिनेज ने बढ़त दिलाई, जबकि मेसी ने मैदान पर उतरने के बाद शानदार फ्री-किक गोल कर 3-1 की जीत सुनिश्चित की। अर्जेंटीना ने ग्रुप-जे में तीनों मैच जीतकर नॉकआउट में प्रवेश किया।

नॉकआउट में शुरू हुई असली परीक्षा

राउंड ऑफ-32 में विश्व कप की पहली बार खेल रही केप वर्डे ने अर्जेंटीना को कड़ी चुनौती दी। मेसी और लिसांद्रो मार्टिनेज के गोल के बावजूद केप वर्डे ने दो बार बराबरी की। जहां 111वें मिनट में मेसी के कॉर्नर पर डिने बोर्गेस के आत्मघाती गोल ने अर्जेंटीना को 3-2 से जीत दिलाई। राउंड ऑफ-16 में मिस्र के खिलाफ मुकाबला और भी नाटकीय रहा। 67वें मिनट तक अर्जेंटीना 0-2 से पीछे था। इसके बाद क्रिस्टियनो रोमेरो ने पहला गोल किया और मेसी ने बराबरी दिला दी। अतिरिक्त समय में एंजो फर्नांडीज के हेडर ने 3-2 की अविश्वसनीय जीत दिलाकर टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

स्विट्जरलैंड-इंग्लैंड के खिलाफ दिखाई मानसिक मजबूती

क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड ने अर्जेंटीना को कड़ी टक्कर दी। एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने बढ़त दिलाई, लेकिन डैन एनडोए ने बराबरी कर दी। इसके बाद स्विट्जरलैंड के ब्रेल एम्बोलो को रेड कार्ड मिला और अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौटारो मार्टिनेज के गोल से अर्जेंटीना ने 3-1 से जीत दर्ज कर ली। सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने एंथनी गॉर्डन के गोल से बढ़त बनाई और लंबे समय तक उसे बनाए रखा। लेकिन 85वें मिनट में एंजो फर्नांडीज ने बराबरी कर दी। अर्जेंटीना ने दबाव बनाए रखा और 90+2वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज ने विजयी हेडर लगाकर टीम को लगातार दूसरे विश्व कप फाइनल में पहुंचा दिया।

आंकड़े बताते हैं कि अर्जेंटीना क्यों सबसे खतरनाक टीम है

अगर अर्जेंटीना के पूरे अभियान का विश्लेषण करें तो उसकी सबसे बड़ी ताकत सिर्फ मेसी नहीं, बल्कि आखिरी मिनट तक लड़ने का जज्बा रहा है। सात में से चार मुकाबलों में टीम ने 70वें मिनट के बाद या अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल किए। नॉकआउट चरण के चारों मैचों में अर्जेंटीना को संघर्ष करना पड़ा। इनमें से तीन मुकाबलों (केप वर्डे, मिस्र और इंग्लैंड) में टीम या तो बराबरी की स्थिति में नहीं थी या हार के बेहद करीब पहुंच चुकी थी, लेकिन फिर भी जीत दर्ज की। दो मुकाबले (केप वर्डे और स्विट्जरलैंड) अतिरिक्त समय तक गए और दोनों में अर्जेंटीना विजेता बनी। मिस्र और इंग्लैंड के खिलाफ जीत पूरी तरह आखिरी 20 मिनट और इंजरी टाइम में तय हुई। यानी अर्जेंटीना की सबसे बड़ी पहचान अब सिर्फ आक्रामक फुटबॉल नहीं, बल्कि दबाव में धैर्य बनाए रखना और आखिरी सीटी तक मुकाबला जीवित रखना बन चुकी है।

अब सबसे बड़ी चुनौती स्पेन

फाइनल में अर्जेंटीना के सामने स्पेन की मजबूत दीवार होगी। जहां अर्जेंटीना टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल करने वाली टीम रही है, वहीं स्पेन ने पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक गोल खाया है। एक ओर मेसी, लौटारो मार्टिनेज, जूलियन अल्वारेज और एंजो फर्नांडीज जैसे मैच विनर हैं, तो दूसरी तरफ स्पेन का अनुशासित डिफेंस और पजेशन आधारित खेल। अगर अर्जेंटीना को लगातार दूसरा विश्व कप जीतना है तो उसे एक बार फिर वही करना होगा, जो उसने पूरे टूर्नामेंट में किया है। दबाव झेलना, सही समय का इंतजार करना और आखिरी मिनटों में मैच अपने पक्ष में मोड़ देना, ये अर्जेंटीना के मजबूत पक्ष रहे हैं। यही वजह है कि स्पेन के सामने सिर्फ मेसी ही नहीं, बल्कि एक ऐसी टीम होगी जिसने पूरे विश्व कप में साबित किया है कि उसके लिए मुकाबला अंतिम सीटी बजने तक खत्म नहीं होता।

फाइनल मुकाबले के लिए मुख्य रेफरी का ऐलान, स्लोवेनिया के अधिकारी को मिली जिम्मेदारी

न्यू जर्सी, एजेंसी। फीफा ने विश्व कप 2026 के फाइनल मैच के लिए रेफरी के नाम की घोषणा कर दी है। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच न्यू जर्सी स्टेडियम में खेले जाने वाले खिताबी मुकाबले में स्लोवेनिया के अनुभवी अधिकारी स्लावको विंसिक मुख्य रेफरी की भूमिका निभाएंगे। फीफा के रेफरी प्रमुख पियरलुइगी कोलिना ने इस नियुक्ति पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि विश्व कप फाइनल जैसे बड़े मुकाबले के लिए अनुभवी और योग्य रेफरी का होना बेहद जरूरी है। विंसिक को इस महत्वपूर्ण मैच की जिम्मेदारी मिलना उनके शानदार करियर को दिखाता है।

फीफा के अनुसार, फाइनल में स्लावको विंसिक की सहायता के लिए टोमाज क्लैंचनिक असिस्टेंट रेफरी-1 और एंड्राज कोवाचिक असिस्टेंट रेफरी-2 की भूमिका निभाएंगे। वहीं, अधम मखादमेह चौथे अधिकारी और मोहम्मद अल्कालाफ रिजर्व असिस्टेंट रेफरी होंगे। 46 साल के स्लावको विंसिक का यह पहला बड़ा विश्व कप फाइनल होगा। उन्होंने 2022 में कतर विश्व कप से अपने विश्व कप करियर की शुरुआत की थी, जहां उन्होंने दो मैचों में रेफरी की जिम्मेदारी संभाली थी। फीफा विश्व कप 2026 में भी वह अब तक तीन मैचों में रेफरी रह चुके हैं। फाइनल उनके विश्व कप करियर का छठा मुकाबला होगा।

विंसिक के करियर में कई बड़े मुकाबले शामिल हैं। इनमें यूईएफए 2024 चैंपियंस लीग फाइनल भी शामिल है, जिसमें रियल मैड्रिड और बोरूसिया डॉर्टमुंड आमने-सामने थे। इसके अलावा उन्होंने यूईएफए यूरोपीय चैंपियनशिप, विश्व कप क्वालिफायर, यूरोपा लीग, नेशंस लीग और क्लब वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंटों में भी रेफरी की भूमिका निभाई है।यह मुकाबला न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां 80 हजार से ज्यादा दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। लियोनल मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने लगातार दूसरी बार फाइनल का टिकट हासिल किया है। वहीं, स्पेन ने साल 2010 के बाद पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाई है। स्पेन ने साल 2010 में विश्व कप के खिताब को अपने नाम किया था। ऐसे में टीम की निगाहें दूसरे खिताब पर होंगी।

बीसीसीआई अध्यक्ष मन्हास ने सचिव सैकिया को आईसीसी में नई भूमिकाओं के लिए बधाई दी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मनहास ने बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन चुने जाने और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य नियुक्त किए जाने पर बधाई दी है। स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित आईसीसी की वार्षिक कॉन्फ्रेंस के दौरान सैकिया को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। आईसीसी बोर्ड ने अपनी सालाना बैठकों के दौरान दो नई सब-कमेटी बनाने को मंजूरी दी, जिसमें सैकिया को नई गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। वह क्रिकेट साउथ अफ्रीका के मोहम्मद मूसाजी और आईसीसी के स्वतंत्र निदेशक रॉस रिवाज के साथ काम करेंगे। सैकिया को नई फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य भी बनाया गया है, जिसकी अध्यक्षता बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष तमीम इकबाल करेंगे। इस घोषणा के बाद, मन्हास ने इन नियुक्तियों को क्रिकेट प्रशासन में सैकिया के योगदान की पहचान बताया और खेल के वैश्विक विकास में योगदान देने की उनकी क्षमता पर भरोसा जताया।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, मन्हास ने अपने सहयोगी की तारीफ करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में हाल ही में हुई आईसीसी सालाना कॉन्फ्रेंस में आईसीसी गवर्नेंस रिव्यू कमेटी का चेयरमैन और आईसीसी फ्रेंचाइजी लीग कमेटी का सदस्य चुने जाने पर बीसीसीआई में मेरे सहयोगी देवजीत सैकिया को बहुत-बहुत बधाई।'

मन्हास ने कहा कि ये नियुक्तियां खेल के प्रशासन में सैकिया के लगातार योगदान को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा, 'यह खास नियुक्ति क्रिकेट के प्रशासन और विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता और अमूल्य योगदान की सही पहचान है। मुझे भरोसा है कि उनका अनुभव और नजरिया हमारे खेल के वैश्विक विकास को और मजबूत करेगा।'

गवर्नेंस रिव्यू कमेटी उन दो नई बोर्ड सब-कमेटी में से एक है जिन्हें आईसीसी ने क्रिकेट प्रशासन के अहम पहलुओं की देखरेख के लिए बनाया है। गवर्नेंस पैनल में सैकिया के नेतृत्व के साथ-साथ, नई बनी फ्रेंचाइजी लीग कमिटी में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड, क्रिकेट नामीबिया, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और बीसीसीआई के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। यह आईसीसी का गवर्नेंस स्ट्रक्चर को मजबूत करने और तेजी से बढ़ रहे फ्रेंचाइजी क्रिकेट के दायरे पर लगातार ध्यान देने को दर्शाता है।

लॉर्ड्स ODI होगा रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच!

भारत-इंग्लैंड सीरीज के बीच बड़ी खबर

नई दिल्ली। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रही है। उसी बीच अब रोहित शर्मा के करियर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के मुताबिक सेलेक्टर्स और टीम इंडिया के मैनेजमेंट ने अब रोहित शर्मा से आगे बढ़ने का मन बना लिया है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का तीसरा मुकाबला लॉर्ड्स के मैदान पर रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है।

इंडियन एक्सप्रेस की एक्सक्लूसिव जानकारी के अनुसार यह पता चला है कि भारतीय चयन समिति ने रोहित शर्मा और कोच गौतम गंभीर को पिछले हफ्ते ही इसकी जानकारी दे दी थी। इसके मुताबिक चयनकर्ताओं ने अब रोहित के साथ आगे नहीं जाने का मन बनाया है। चयन समिति अब युवाओं को आगे लाना चाहती है। यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ियों को मैनेजमेंट मौका देना चाहता है और आगामी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी करना चाहता है।

कैसा रहा रोहित शर्मा का करियर रिकॉर्ड?

रोहित शर्मा के करियर रिकॉर्ड की बात करें तो वनडे इंटरनेशनल में उन्होंने भारत को एशिया कप, चैंपियंस ट्रॉफी के खिताब दिलाए। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी में भी भारत उनकी कप्तानी में चैंपियन बना। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया उपविजेता भी उनकी कप्तानी में रही थी। रोहित ने वनडे इंटरनेशनल में 278 पारियों में 11731 रन बनाए हैं जिसमें 33 शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे वर्ल्ड कप 2023 के बाद भी वह भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मगर फिर भी उनको लेकर लिया गया यह फैसला समझ के परे है।

रोहित शर्मा नहीं हैं खुश!

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ब्ष्टष्ट) के एक सूत्र द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक यह कहा गया, 'चयनकर्ताओं ने रोहित शर्मा को यह जानकारी दे दी गै कि वह भविष्य की प्लानिंग में शामिल नहीं हैं। मैनेजमेंट ने इंग्लैंड दौरे के बाद उनसे आगे बढ़ने का मन बना लिया है। हालांकि, वह आगे खेलना चाहते हैं और खासतौर से अपनी फिटनेस पर काम करने के बाद। मगर चयनकर्ताओं ने इस बारे में जानकारी देने के बाद गेंद को रोहित शर्मा के पाले में ही छोड़ दिया और भविष्य पर खुद अंतिम फैसला लेने की बात कही।' रिपोर्ट में यह जानकारी भी सामने आई है कि बीसीसीआई के कुछ अधिकारियों से रोहित शर्मा की बात हुई है। रोहित इस फैसले से नाखुश भी हैं। रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 इंटरनेशनल और पिछले साल टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। उसके बाद शुभमन गिल को वनडे का कप्तान भी बनाया गया था और रोहित से कप्तानी छिन गई थी।

डोपिंग में फंसे पाकिस्तान स्टार ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अनुभवी स्पिन ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने डोपिंग नियमों के उल्लंघन का दोषी पाया है। आईसीसी ने शुक्रवार को उन्हें तीन महीने के लिए निलंबित करने का फैसला सुनाया। हालांकि, यदि नवाज आईसीसी द्वारा निर्धारित नशा मुक्ति कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा कर लेते हैं, तो उनकी सजा घटकर एक महीने रह जाएगी। 32 वर्षीय नवाज का डोप टेस्ट सात फरवरी को टी20 विश्व कप में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच खेले गए मैच के बाद लिया गया था। उस समय टूर्नामेंट की सह-मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे थे, लेकिन आईसीसी की व्यवस्था के तहत पाकिस्तान अपने मुकाबले श्रीलंका में खेल रहा था। डोप टेस्ट में उनके शरीर में कार्बोक्सी-टीएचसी पाया गया। यह कैनाबिस (गांजा) के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक निष्क्रिय मेटाबोलाइट है। इसका उपयोग खेल प्रदर्शन बढ़ाने के लिए नहीं माना जाता।

सेमीफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधू, क्वार्टर फाइनल में हिस्सा नहीं ले सकीं ओकुहारा

टोक्यो, एजेंसी। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शुक्रवार को जापान ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला नोजोमी ओकुहारा से होना था, लेकिन वह चोट के कारण मैच में हिस्सा नहीं ले सकीं। यह इस सीजन में सिंधू का तीसरा सेमीफाइनल है। इससे पहले वह मलयेशिया सुपर 1000 और ऑस्ट्रेलिया सुपर 500 के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

सीजन का पहला खिताब जीतने पर नजरें

इसके साथ ही, 2023 डेनमार्क ओपन के बाद यह उनका पहला सुपर 750 सेमीफाइनल है। 31 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की निगाहें इस सीजन का पहला खिताब जीतने पर होंगी। सेमीफाइनल मुकाबले में उनका सामना टोक्यो ओलंपिक चैंपियन और दुनिया की विश्व की नंबर 4 चीनी खिलाड़ी चेन युफेई से होगा। सिंधू और चेन युफेई के बीच अब तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला है। हालांकि, हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सिंधू उनसे 6-8 से पीछे हैं।

युफेई के खिलाफ अच्छा नहीं है सिंधू का रिकॉर्ड

सिंधू को युफेई के खिलाफ पिछले पांच मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। सेमीफाइनल में जीत न केवल सिंधू के हारने के इस सिलसिले को खत्म करेगी, बल्कि लगभग तीन साल में उनके पहले सुपर 750 फाइनल में पहुंचने का रास्ता भी साफ होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में अब भारत की एकमात्र दावेदार हैं। सिंधू ने प्री क्वार्टर फाइनल मैच में विश्व की नंबर 5 खिलाड़ी हान युए को सिर्फ 35 मिनट में हराया था। उन्होंने हान को सीधे गेम में 21-16, 21-14 से मात देते हुए क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया था। इस साल 28 वर्षीय चेन युफेई ने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इंडोनेशिया मास्टर्स का खिताब जीता, जबकि थाईलैंड और मलयेशिया में हुए सुपर 500 टूर्नामेंट में फाइनल में भी जगह बनाई थी। इसके अलावा, युफेई ने सिंगापुर और भारत में खेले गए सुपर 750 टूर्नामेंट में भी सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। वह मलयेशिया ओपन और ऑल इंग्लैंड जैसे प्रतिष्ठित सुपर 1000 टूर्नामेंट में भी अंतिम चार में पहुंची थीं।

दुकानदार की गोली मारकर हत्या इलाज के दौरान गयाजी में मौत

हसपुरा थाना क्षेत्र की घटना, बेटे की लव मैरिज से जुड़ी पुरानी रंजिश में हत्या की आशंका, एफएसएल टीम जांच में जुटी

- सब्जी बेचकर घर लौटने के दौरान घात लगाकर बैठे अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग
- करीब पांच वर्ष पुराने प्रेम प्रसंग और रंजिश के एंगल पर पुलिस की विशेष नजर

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

जिले के हसपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार देर शाम अपराधियों ने एक सब्जी विक्रेता को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल दुकानदार की इलाज के दौरान शुक्रवार को मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गयाजी में मौत हो गई। पुलिस प्रारंभिक जांच में इस घटना के पीछे पुरानी रंजिश और पारिवारिक विवाद को कारण मानकर जांच कर रही है। मृतक की पहचान हसपुरा थाना क्षेत्र के बंगाली बिगहा निवासी गोविंद महतो (50) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह सब्जी बेचकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, गयाजी रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान शुक्रवार को उनकी मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार करीब पांच वर्ष पहले मृतक के पुत्र नीरज गांव के ही एक परिवार की युवती के साथ घर छोड़कर चला गया था। बाद में दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया और वर्तमान में उनका एक बच्चा भी है। पिछले वर्ष दोनों गांव लौटकर साथ रहने लगे थे। पुलिस को आशंका है कि इसी प्रेम प्रसंग और उससे जुड़े पुराने पारिवारिक विवाद के कारण हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया हो। हालांकि पुलिस ने अभी किसी भी आरोपी की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। हसपुरा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा संभावित आरोपियों की पहचान कर उनके ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों की पहचान होते ही उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। घटना के बाद बंगाली बिगहा गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों ने हत्यारों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाओं से क्षेत्र में भय का वातावरण बन रहा है, इसलिए पुलिस जल्द से जल्द मामले का खुलासा करे।

न्यूज बाइट्स

नारायणपुर में मुंगेश्वर यादव की प्रतिमा का अनावरण

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि. सं.)। कासमा-मथुरापुर रोड स्थित खैरी इटवा टोला नारायणपुर में मुंगेश्वर यादव की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। भारत पेट्रोल पंप परिसर में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों और जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि सरकारी अधिवक्ता बिरजा प्रसाद, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. लालजी यादव, अशुआ इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रभारी प्रो. चंद्रशेखर राय, अधिवक्ता अखिलेश यादव, राजद शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. संजय सिंह यादव, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. संजय यादव, कांग्रेस नेता डॉ. तुलसी यादव, बघौरा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि अनुज सिंह और सरपंच प्रतिनिधि सुमन सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

किसानों ने चंदा जुटाकर कराई नाले की सफाई

ओबरा (औरंगाबाद)(नि. सं.)। ओबरा प्रखंड में सिंचाई विभाग की अनदेखी के बाद किसानों ने खुद ही पहल की है। खरांटी नहर से निकलने वाले एक महत्वपूर्ण सिंचाई नाले की सफाई किसानों ने चंदा एकत्र कर कराई, जिससे धान की खेती के लिए पानी की आपूर्ति बहाल हो गई है। यह नाला खरांटी नहर से अतरौली होते हुए नावाडीह तक जाता है। यह सिंचाई नाला लंबे समय से गाद, झाड़-झंखाड़ और कचरे से जाम पड़ा था। इस अवरोध के कारण नहर का पानी किसानों के खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा था, जिससे धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हो रही थी। किसानों ने इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार सिंचाई विभाग का ध्यान आकर्षित किया, लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। विभाग की निष्क्रियता को देखते हुए क्षेत्र के किसानों ने स्वयं समाधान का रास्ता चुना। उन्होंने आपस में चंदा एकत्र किया और नाले की सफाई का कार्य शुरू कराया। किसानों ने श्रमदान और आपसी सहयोग से नाले को साफ कर पानी के प्रवाह को सुचारु बनाया। सफाई के बाद अब खरांटी नहर का पानी अतरौली होते हुए नावाडीह तक आसानी से पहुंचने लगा है। किसानों का कहना है कि समय पर पानी मिलने से धान की फसल को काफी राहत मिलेगी और खेती प्रभावित होने से बच जाएगी। किसानों ने बताया कि यदि समय रहते नाले की सफाई नहीं कराई जाती, तो सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई बाधित हो जाती।

दो बाइकों की टक्कर में युवक की मौत, साथी गंभीर

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने हुई टक्कर में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के विरोध में शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने अंबा-नबीनगर मुख्य मार्ग जाम कर मुआवजे और दोषी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सड़क जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन कई घंटों तक प्रभावित रहा। मृतक की पहचान कुटुंबा थाना क्षेत्र के दधपा गांव निवासी अरविंद मेहता के 21 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार मेहता के रूप में हुई है। वहीं, उसका साथी अनुज कुमार गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार देर रात पंकज अपने दोस्त अनुज कुमार के साथ बाइक से किसी आवश्यक कार्य से अंबा बाजार जा रहा था। दधपा गांव से आगे नहर के समीप विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। जिला परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि एवं राजद नेता इंजीनियर सुबोध कुमार सिंह के सहयोग से दोनों घायलों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद पंकज कुमार मेहता को मृत घोषित कर दिया।

कार से 80 किलोग्राम गांजा बरामद, ड्राइवर फरार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत उत्पाद विभाग को शुक्रवार सुबह बड़ी सफलता मिली। एरका चेकपोस्ट के पास एक लग्जरी कार से करीब 80 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। हालांकि कार्रवाई के दौरान चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। बरामद गांजा की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। उत्पाद विभाग ने कार को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उत्पाद अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि ओडिशा से गांजा की एक बड़ी खेप झारखंड के रास्ते औरंगाबाद होकर ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर उत्पाद निरीक्षक संजय रजक के नेतृत्व में एरका चेकपोस्ट पर विशेष जांच अभियान चलाया गया और आने-जाने वाले सभी वाहनों की सघन जांच शुरू की गई।

इसी दौरान झारखंड की ओर से आ रही एक संदिग्ध लग्जरी कार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक ने वाहन की गति बढ़ा दी। उत्पाद विभाग की टीम ने पीछा किया, जिसके बाद चालक अंबा बाजार से पहले कार सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। भागते समय वह कार की चाबी भी अपने साथ ले गया, जिससे वाहन की तलाशी लेने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। वाहन की जांच के दौरान उसमें विशेष रूप से छिपाकर रखे गए 39 पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों में कुल 80 किलोग्राम गांजा था। पैकेट 10 किलोग्राम, 5 किलोग्राम और 1 किलोग्राम के अलग-अलग आकार में पैक किए गए थे। प्रारंभिक जांच में जब्त कार का पंजीकरण ओडिशा का पाया गया है। उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि मामला अंतरराज्यीय गांजा तस्करी से जुड़ा प्रतीत होता है। वाहन के पंजीकरण, तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार चालक तथा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें शामिल लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दहेज हत्या मामले में पति को 10 साल की सजा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सप्तम) संतोष कुमार झा की अदालत ने दहेज हत्या के एक मामले में दोषी पाए गए आरोपी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला रफीगंज थाना कांड संख्या-500/23, जीआर-3147/23 एवं एसटीआर-379/24 में सुनाया गया। अपर लोक अभियोजक संजीव कुमार ने बताया कि बलिगांव निवासी सत्येंद्र चौधरी को 8 जुलाई 2026 को भारतीय दंड संहिता की धारा 304बी (दहेज मृत्यु) के तहत दोषी करार दिया गया था। शुक्रवार को सजा के बिंदु पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने उसे 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से पांच गवाहों तथा बचाव पक्ष की ओर से दो गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। न्यायालय ने 30 मई 2024 को इस मामले में आरोप गठित किया था। मामले के सूचक ओबरा थाना क्षेत्र के मनोरा गांव निवासी राजकुमार चौधरी ने 19 नवंबर 2023 को रफीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार उनकी 20 वर्षीय भतीजी मनीषा देवी की शादी 16 मार्च 2023 को सत्येंद्र चौधरी के साथ हुई थी।

विवाह में करीब तीन लाख रुपये नकद और एक अपाचे मोटरसाइकिल उपहार स्वरूप दी गई थी। आरोप है कि शादी के कुछ दिनों बाद पति और ससुराल पक्ष के लोग सोने की चेन और अंगूठी की मांग को लेकर मनीषा को प्रताड़ित करने लगे। 13 नवंबर 2023 को कथित रूप से उसके साथ मारपीट कर जहर पिला दिया गया। गंभीर अवस्था में उसे गया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 14 नवंबर 2023 को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दहेज हत्या का दोषी मानते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

साइबर अपराध पर औरंगाबाद प्रशासन सख्त, जागरूकता अभियान होगा तेज

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

साइबर अपराधों की रोकथाम और शिकायतों के त्वरित निष्पादन को लेकर औरंगाबाद जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा और पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा ने मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में भाग लिया, जिसमें राज्यभर में साइबर अपराध की रोकथाम, जन-जागरूकता और लंबित मामलों की समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि प्रत्येक साइबर शिकायत पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए। साथ ही सभी जिलों में साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान और तेज करने पर बल दिया गया।

समीक्षा के दौरान बताया गया कि औरंगाबाद जिले में अब तक साइबर ठगी के पीड़ितों को 2.58 लाख रुपये की राशि वापस कराई जा चुकी है। वहीं साइबर अपराध के विरुद्ध कार्रवाई के तहत 21 लॉ एनफोर्समेंट एजेंसी (एईए) अनुरोध एवं कार्रवाई भी की गई है।

मुख्य सचिव ने प्रत्येक जिले में नियमित रूप से 'साइबर मंगलवार' आयोजित करने, विद्यालयों और महाविद्यालयों में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चलाने, साइबर शिकायतों के त्वरित निष्पादन के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने तथा सभी थानों में सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों के लिए आईटी सब-इंस्पेक्टर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा साइबर मुख्यालय की 24×7 हेल्पलाइन के माध्यम से पीड़ितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध फोन कॉल, लिंक, ओटीपी या ऑनलाइन लेन-देन से पहले पूरी सतर्कता बरतें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन या स्थानीय पुलिस से संपर्क करें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर नुकसान को कम किया जा सके।

दाउदनगर में 24 घंटे के भीतर चोरी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर थाना क्षेत्र के बाबू अमोना स्थित एक घर में हुई चोरी की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सफल उद्भेदन कर लिया है। इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार सभी आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने शुक्रवार को बताया कि बाबू अमोना निवासी रजनीश कुमार के लिखित आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अशोक कुमार दास के नेतृत्व में थाना स्तर पर एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया।

एसआईटी ने सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण, गुप्त सूचना के संकलन तथा तकनीकी अनुसंधान के आधार पर मात्र 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर लिया। कार्रवाई के दौरान चंदन कुमार (ग्राम सोहर बिगहा, थाना हसपुरा), जितेंद्र कुमार (बाबू अमोना, थाना दाउदनगर) तथा मुकेश कुमार (थाना हसपुरा) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपितों के पास से सोने जैसी चार जितिया, एक जोड़ी झुमका, एक सोने जैसी चेन, चांदी की एक जोड़ी पायल तथा 17 बिछिया बरामद की है। बरामद आभूषणों को जब्त कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग से अश्लील हरकत व ब्लैकमेल मामले में दोषी को एक साल की सजा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद स्थित स्पेशल कोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ अश्लील हरकत करने और उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने के मामले में अभियुक्त कुंदन कुमार उर्फ सचिन को दोषी ठहराते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश लक्ष्मी कांत मिश्रा की अदालत ने त्वरित सुनवाई के बाद सुनाया। स्पेशल लोक अभियोजक (पीपी) शिवलाल मेहता ने बताया कि अभियुक्त ग्राम धनौती, थाना नबीनगर का रहने वाला है। अदालत ने पोक्सो अधिनियम की धारा-12 के तहत उसे एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। इसके अलावा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-79 के तहत 5,000 रुपये तथा धारा-351(2) के तहत 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इस प्रकार अभियुक्त पर कुल 10,000 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। अदालत ने अपने आदेश में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए), औरंगाबाद को निर्देश दिया कि पीड़िता को पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत 50,000 रुपये का मुआवजा उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाए। मामले के संबंध में अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि पीड़िता के परिजनों ने 18 जून 2025 को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अभियुक्त नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर उसके साथ अश्लील हरकत करता था तथा उसकी रील और वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल करता था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने पोक्सो अधिनियम एवं अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

औरंगाबाद में जनगणना-2027 की तैयारियां शुरू, जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के लिए प्रशिक्षण का शुभारंभ

एसववीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जनगणना-2027 के तहत जिला जनगणना हस्तपुस्तिका (डीसीएचबी)-2027 तैयार करने की दिशा में औरंगाबाद जिले में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। शुक्रवार को योजना भवन में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिला जनगणना हस्तपुस्तिका केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि जिले की सामाजिक, आर्थिक एवं आधारभूत संरचना का व्यापक दस्तावेज है, जो भविष्य की विकास योजनाओं और नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। 17 से 24 जुलाई तक आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्रीय कर्मियों एवं चार्ज पदाधिकारियों को जिला जनगणना हस्तपुस्तिका के लिए आंकड़ों के संग्रहण, एंड्रॉयड मोबाइल एप एवं वेब पोर्टल के उपयोग तथा क्षेत्रीय कार्य से जुड़ी तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। जिला पदाधिकारी ने सभी कर्मियों से अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक आंकड़ा सटीक और विश्वसनीय होना चाहिए, ताकि विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने बताया कि 1 अगस्त से 30 अगस्त 2026 तक जिले के सभी गांवों और नगरों में क्षेत्रीय स्तर पर विस्तृत आंकड़ों का संग्रहण किया जाएगा। इस दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, स्वच्छता, संचार, परिवहन, बैंकिंग, विद्युत, ईंधन, भूमि उपयोग, सिंचाई, कृषि उत्पादन, विनिर्माण, स्लम तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी। सभी आंकड़ों का संकलन आधुनिक एंड्रॉयड मोबाइल एप और वेब पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा, जिससे कार्य में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित हो सके।

दो जगह नौकरी कर वेतन लेने के आरोप में सिविल सर्जन कार्यालय का लिपिक निलंबित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिला पदाधिकारी एवं समाहर्ता अभिलाषा शर्मा ने सिविल सर्जन कार्यालय, औरंगाबाद में कार्यरत लिपिक कृष्ण प्रसाद वर्मा को एक ही अवधि में दो अलग-अलग संस्थानों में कार्य कर दोनों स्थानों से वेतन प्राप्त करने के प्रथम दृष्टया प्रमाण मिलने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के नियम-16 के उल्लंघन के आरोप में की गई है। मामले की शुरुआत पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह द्वारा की गई शिकायत से हुई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि संबंधित लिपिक दो सरकारी संस्थानों में कार्यरत रहकर दोनों स्थानों से वेतन प्राप्त कर रहे हैं। इसके बाद जिला पदाधिकारी के निर्देश पर सिविल सर्जन ने त्रि-सदस्यीय जांच समिति गठित की। समिति ने सेवा अभिलेखों, सेवा पुस्तिका तथा भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), पूर्वी झरिया क्षेत्र से प्राप्त दस्तावेजों की जांच में सेवा विवरण में गंभीर विरोधाभास पाया।

बाद में जिला स्थापना शाखा की ओर से गठित संयुक्त जांच दल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि कृष्ण प्रसाद वर्मा 6 जुलाई 2005 से सिविल सर्जन कार्यालय, औरंगाबाद में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं और नियमित वेतन प्राप्त कर रहे हैं। वहीं बीसीसीएल के अभिलेखों के अनुसार वे 24 नवंबर 2008 से 12 मार्च 2017 तक जूनियर ओवरमैन के पद पर कार्यरत रहे तथा उस अवधि में वहां से भी वेतन प्राप्त किया। जांच दल ने उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर दोनों संस्थानों में कार्यरत व्यक्ति को एक ही व्यक्ति बताते हुए इसे बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली का उल्लंघन माना और विभागीय व विधिक कार्रवाई की अनुशंसा की। संबंधित कर्मी को दो बार कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया, लेकिन उनके स्पष्टीकरण को संतोषजनक नहीं पाया गया। संयुक्त जांच प्रतिवेदन और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जिला पदाधिकारी ने कृष्ण प्रसाद वर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गोह निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन-यापन भत्ता मिलेगा। साथ ही, विभागीय कार्यवाही के संचालन के लिए सिविल सर्जन को संचालन पदाधिकारी और जिला स्थापना उप समाहर्ता को उपस्थापन पदाधिकारी नामित किया गया है।

एरका चेकपोस्ट पर 40 लीटर अवैध शराब बरामद, ऑटो चालक समेत छह गिरफ्तार

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना क्षेत्र स्थित एरका चेकपोस्ट पर उत्पाद विभाग ने वाहन जांच अभियान के दौरान 40 लीटर अवैध शराब बरामद करते हुए ऑटो चालक समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई शुक्रवार को सघन जांच अभियान के दौरान की गई। इस दौरान शराब की खेप के साथ तस्करी में प्रयुक्त ऑटो को भी जब्त कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों में अंबा निवासी ऑटो चालक मोहम्मद नदीम अशरफ के अलावा बारूण थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव की पूजा कुमारी तथा अंबा थाना क्षेत्र के आजाद बिगहा गांव की रंजू देवी, जितन देवी, मंजू देवी और गुडी देवी शामिल हैं।

उत्पाद अधीक्षक विजय कुमार ने बताया कि वाहन जांच के दौरान ऑटो से 40 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। प्रारंभिक जांच में ऑटो चालक और सभी महिलाएं शराब तस्करी में संलिप्त पाई गईं। सभी के कब्जे से शराब बरामद होने के बाद उन्हें मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

एक डिसमिल जमीन के विवाद में पिता-पुत्र पर हमला, दोनों घायल

निज संवाददाता | नवीनगर (औरंगाबाद)

जिले के नवीनगर प्रखंड अंतर्गत माली थाना क्षेत्र के धमनी सिमरी गांव में एक डिसमिल जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को स्थानीय लोगों की सहायता से इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के बाद उनकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायलों की पहचान गांव निवासी प्रवेश महतो और उनके पुत्र विजेंद्र कुमार के रूप में हुई है। प्रवेश महतो ने बताया कि उनके घर के समीप स्थित एक डिसमिल जमीन उन्होंने लगभग 20 वर्ष पूर्व खरीदी थी। उनका आरोप है कि गांव का ही एक व्यक्ति पिछले कुछ समय से उक्त जमीन पर अपना दावा कर रहा था। मामला अंचल कार्यालय तक पहुंचा, जहां जांच के बाद जमीन उनके पक्ष में पाई गई थी।

पीड़ित के अनुसार शुक्रवार को आरोपित पक्ष के लोग लाठी-डंडे लेकर जमीन पर पहुंचे और कब्जा करने का प्रयास करने लगे। जब उन्होंने और उनके बेटे ने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने दोनों पर हमला कर दिया, जिससे दोनों घायल हो गए। घटना के बाद गांव में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। माली थानाध्यक्ष ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर मारपीट की सूचना मिली है। पीड़ित पक्ष से आवेदन प्राप्त होने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने दोनों पक्षों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

धान अधिप्राप्ति व सीएमआर आपूर्ति की समीक्षा, 88.17 प्रतिशत लक्ष्य हुआ पूरा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

खरीफ विपणन मौसम 2025-26 के तहत धान अधिप्राप्ति एवं कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) आपूर्ति की प्रगति की समीक्षा को लेकर शनिवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में धान अधिप्राप्ति, सीएमआर आपूर्ति तथा लक्ष्य की प्राप्ति की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शेष आपूर्ति समयसीमा के भीतर हर हाल में पूरी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि जिले में 1,80,901.847 मीट्रिक टन धान अधिप्राप्ति के विरुद्ध 1,23,142.610 मीट्रिक टन कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की आपूर्ति की देयता निर्धारित की गई है। इसके विरुद्ध अब तक 1,08,568.770 मीट्रिक टन सीएमआर भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को उपलब्ध कराया जा चुका है, जो कुल लक्ष्य का 88.17 प्रतिशत है। फिलहाल 14,573.835 मीट्रिक टन सीएमआर की आपूर्ति शेष है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि रॉ धान के अंतर्गत 34,110 मीट्रिक टन की देयता के विरुद्ध 27,608 मीट्रिक टन सीएमआर की आपूर्ति कर 80.93 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है।